

ब्रीवि'खर' ११ देन'खर' DTL000020 त्रोयब'ब्रेवा बेर'वेब'देग'यहिंद'ईय'ब्रीग्वापर

22/06//2015

दनरः तुनः दसुतः देन [००८]

या. ट्या. श्रेष

• क्रीरक्रार्थियक्रीयाक्ष्यामान्त्रीया

यहेग.

र्भराग्ने अपरे पा सर्हें पा के ता से विश्व के स्मित्र के सामित्र की अप PDF नर्जे अप

व्यया

รุฦฺร'ฺฮฦ

<i>ক্কু'</i> ন্স'ক্ট্র'র্ম্ব'ন্ঐর'ন্তুন্'ন'ডক'ন্ন'ন্রী'নশ্প্র'নঔশ	፞ ኆ፝ጘጜ
57'&'a'	
শ্বৰ'নশ্পস্থী'শ্বৰ'নশ্ৰী	
मुडेम्	
শৃষ্ট শ্বা	
শৃধ্যুম	
রূ - বি 	
<u>भू</u> न'स्व'दन'स्	
र्ट्स. र्व. र्व. व्य. क्. क. क्. क. क्. क. क्. क.	
ন্ট্রপ্ন ন্ম ন্ম হুম ই নত্ত্ব মি অবি মন্মুম নপ্দ ন।	
ন্ধ্রম'ন'ব্র-মাইব'ন'ব্ন'ব্ন'ব্ন'ন্ধ'নু	
শ্লুন'ল্লব্'ন্বিশ'ন।	
ন্ত্রিপ্র-ব-শ্বর্র-হেনা-স্ক্রনাশ-নতন্-দেইা-স্ক্রে-ব-পূর্-দা	
ळेंगान्य-नक्कुन् धून्र ठ्रायाय ही खेंया ह्रायान वि	38
ळेंग्'ন×'ॸ्गु'ठद'ग्रे'र्हेब'ग्रे)'खुश'य' _{क्} ब'र'खू	
ळेंना नर नडु धृद केंब्र ग्री खुरा ता क्या रा दुन	
ষ্ট্রব'ল্পব্র'ব	

न्रवे राक्षेत्र सूत्रा न्यून राष्ट्र ।
बृ.स.झे.स.स.स.न.न.र.।
न्दिशास्य विदुःन्दिशासान्द्रस्थाने न्द्रम्य
য়ৢয়৾য়৾ৼ৾৽য়৾য়ৢয়ৼয়ৣ৾ৼ৽য়ঀৼ৽য়
र्ने ब: क्रुव: क्री: सळवं द: हे न: च ल न: च ।
র্বিক্সের্ ন্ট্র-ব্রিক্সক্রপ্র না
<u> </u>
<u> </u>
ग्हेशःमःतुःनःस्रःन्वेदःनिह्ना71
गशुस्रासार्षेत् 'हत् 'रूट' यबित' यहें दिन्य
इशस्य विव वर्षेत्य ॥
गहेशःयः द्वे क्कृतः यभ्दः य
५८ में केंश ५ में 78
गहिसास दिसा ५ हो
নৃষ্ধ্য-ব-র্ক্ক্রিন্-বন্টে-স্না 82
নন্বী'ম'শব্'ৰ্জ্ব'দ্মী 84
बृ'स'देश'सदे'द्वे 86
तुन्। च ⁻ देश सेन् ग्री न्दो

	नतुत्र'य'नश्रुश'यदे'दये	89
	नकुर्'स'स्य'वुर'वी'र्न्थे	91
	र्गुःसःस्यःयहम्बायःद्ये।	93
	नङ्ग्यः इत् नुद्रः वी न्द्रो	95
	নত্ত'ন্তিন্'ন'র্ক্ট্রমে'নন্তি'ন্না	97
	नङ्गिश्यामाचे र्स्टिसान्मी	98
	नञ्जन्यस्य नाम्य सेनसः निम्	100
	नडु:नबे:नःश्चुर:नवे:न्वे	102
শ্লুন'ঙ্ক	ja'୍ନଜ୍ଞି'ୟା <u>'</u>	106
	वर्डे खू न सहस हे द ग्री देशे	106
	नडु:र्नुन्न'स ⁻ श्चन्'सदे:र्न्थे	109
	বস্তু:বনুধ্-ব-শ্ৰশ্বৰ্থ-বন্ধ-ন্ধ্	111
	नडु:न्नु:स:यम्य:नवे:न्वे	115
	क्रे.स.र्वावा.सप्त.रस्।	116
	हेरःविवेषायः सहस्यायः हैं त्रक्षेत्रः द्यो	118
	केर महिकास दे कित् महित्स के त्यो	
	हेन्:वाशुअ:स:बुद:बॅट्:बेद:सदे:द्वे।	
	हेरःचविःयः हुरः सेदः ग्रीः न्ये।	

हेर्न्थ्राच श्रेत् श्रेत् श्रेत् श्रेत् श्रेत् श्रेत् श्रेत् ।
हेर-इंग्'स'सर-नंदे'न्दो
हेर:न5्द'स'इस'दशुर-ग्री'5्सी128
हेर:वक्कुर:य:ब्रेट:वदे:द्ये 130
हेर:५नु:५:५म:५ॅंद:ग्री:५२।132
शुस्रासुः सः ह्वार्चे : दृर्देश सेदे : दृशे
र्शे विवास सहुद्य र्श्वे र प्रे ।
র্ম:বান্ট্রম:ব:ক্রু:খী:ব্রী139
శ్లో ఇ'జ్ఞ'ఞ' 142
पश्चा पश्चा विश्वा विष्य विश्वा विश्वा विश्वा विष्य विश्वा विष्य विश्वा विष्य विश्वा
गश्रुम्भःमःमञ्जूदमःगम्भयःभ्रुःश्रुद्धःम्भःम।
निवेदःश्च
म्बुस्य स्वर्ह्ण म्बुस्य मुश्य स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धाः स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्ध स्वर्धि स्वर्धि स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धि स्वर्य स्व
महास्थान स्थान स्
지원 지
गर्अस्य सहित्य ग्राया श्रु श्रु र र र र र र र र र र र र र र र र र र

धर:द्या:ग्राश्रय:दी
ইশ্ব-শ্ব-শ্বশ্বন্ধ্
र्यःग्रायः दे।
ग्रुग्शंग्रीः ह्वं र्ने ह्ये।
गहेन् में हैं।
ব্য:ক্ল'র 148
र्शेर्स्ट्रिंग्स्यादी
दश्व'र'वै
वर्ष्ण वर्ष
शुं न दे
रेग्रां समुद्रां दे।
हेशसुःशुःश्चानते।
ग्राह्म न्या विकास निवास
र्श्वेन दे।
सहस्य पंत्री
न्।
धर:द्रवा:बह्ब:ब्री
वर्ष्ण वर्ष

মর্কুদ্রশাদারী
ग्राञ्च प्राथा । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
धर:न्या:यात्रय:नःत्री
सळं त हे ७ - समुत : म हो
समुद्र मुँग्श दे।157
र्भेर:बुर्भ'दें 157
र्ने दें
र्हेग ['] न'वे 158
न् य न्यन्त्रः ने ।
ङुर:बर्'र्यंत्रंत्रें।
रन·हु·ङ्क्षानःवे
र्शेर् ह्रेंग है।
रेग्रां समुद्रा दी।
মন্ত্ৰা নুষা নুষা নী
बुद:बॅर:दें
ब्रीन'स'वर्-न'वे
वज्ञुःसरः र्रें 'धे' क्वें न् सूर् जे।163
ব্যুব্'বী164

कुषः न है।
र्घर-यन्त्री
वहुःचः दे।
भ्रे'सम्बुत्रं सूँ प्'ते। 166
বহন ন'র' 166
वसु न त्री
शुःदनेनशःह्याः 167
र्बेर् र र दे।
र्हें त्र्द्दे त्र दे
वर्गेन्य प्राप्ते ।
र्के, र र दे।
इन्दिन्दि।170
भै नर्भे न भे निर्मा निर्माणका निर्म
भूत्य नबद वर्धे ग हो द ने
सहें स'रा' बुस' चे प्
ळंरःग्रें र् ने
सर्ह्रदशःराःत्यश्रःगुदःस्वृत्।राःद्वे।
हेशःशुःम्दःयः वर्हेषाःद्री

तुशः यमः पह्ना दे।
हेशःशुःदर्गेःदे
वक्रेंद ⁻ व है।174
८८:इंग्'रे 175
वर्षेषिः च दे।
हे ष 'शु'नु\र'वे 176
ষ্ট্রন'ঊব'রুন্'না177
নার্নাশ তর শ্রী ক্রব নপ্র শা
५८:र्से अळं व हे ५
নৃষ্ট্ৰ শ্ব নৃষ্ট্ৰ না
<u> </u>
নৃত্তিশ'ম'ম'নমূশ'মনি'নাৰুনাশ'ডন্।179
নাশ্বরুশন্যমন্তর নানান্ত্রনাশ তথা
নন্ত্ৰ'ন'ক্ত'পৃথ'নাৰ্বাথ'ডবা183
ञ्च.स.क्र.चेश.२४.ग्री.चोडीचोश.२४।
त्रुपा'रा'स्व'रादे'पात्रुपार्थ'ठवा187
ननुद्र-स-से-ध्रद-सदे-मानुगाश-ठदा
বক্লুস্'ম'য়'য়ঀয়'য়য়৾'য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়য়য়য়

ব্য া. ন.ছি ব.ন ম.ডধবাপ.নতু.বা ^{প্র} বাপ.হথা ''''''	193
শ্লুব'লবুৰ'ন।	198
নন্তু:ম'নেদান্য-নবৈ'দা্র্বাশ'ড্বা	198
নত্তু শৃতি শৃংশ ক্রু 'ঐ শার্বাশ তর্ ৷	200
নন্ত, নাষ্ট্ৰ মান্ত মুক্ত, নান্ত নাৰ্য নাৰ্য নাৰ্য নাৰ্য নাৰ্য	201
নন্তু নাধ্যুষ্ণ ম' দ্বিটি নাৰু নাশ ভবা	203
নন্তু নৰি শ শ্ৰুঁ শ শ ভৱ শ্ৰী শাৰ্বাশ ভৱা	205
বর্ځ'ড়ু'स'मারুদাঝ'ডব'গ্রী'দারুদাঝ'ডবা	207
শ্লুব'লশ্ভব'নশ্ভব'ন	210
বৰীৰাৰাশ্বান্তীৰ শ্ৰী ক্ৰিৰাৰপ্ৰ বা	
८८:र्रें सळ्वं हें ८।	210
<u> </u>	210
ন্দৃষ্ণ ন'হ্য'ন'র্ছন্'মেই'না্ষন্দ'হ্রিদ্'রী	212
गशुस्रायाधितानुन के मान्यते यास्या हो न दी।	214
বন্ধি:स <u>ः</u> ङ्शःईवाःसदेःवाशवः ग्रेन् दे।	216
য়ৢ৾৾য়৾৽৻ঽঀৄ৾য়ৢয়৾য়ঀয়ঀ৴য়৾	218
<u> </u>	218
ব্যন্ত্রীক্ষান্য বৃদ্ধীন	218

<u> ५८.स्.वै८.स.एक्</u> यं वा.सपु. क्वेथी	219
ব্যন্তিশ্ব:শ্বহঁৰ:গ্ৰুহ:দ্বৰ্ম্বানা	
নৃষ্ট্যস্ম সংস্থা ক্রিম কর্মী না শা	222
नवि'स'र्नेत्'ग्वित'सर्वेगि'म्।	
শ্লুব'ল্ব,ব্ৰ,ব্ৰ,	.227
કુવાત્ત્રઃશ્રેટ્સ હવે. શું ક્ષેત્ર વન્દ્રાના	227
য়ৢঀৢ৽য়৾৽য়ৢ৾ঀৢ৽য়ৢয়ৢয়ৢয়৽য়ঀঀ৽য় ৢঀ৽য়৾৽য়ড়৾য়৽ৡঀৢ৻	227
নৃষ্ট্প'ম'স্ট্র'ন	227
<i>न्</i> टर्से म्रे कुर्ज्ञ इट बन् स्ट्रेंब संदे श्रेन्य कत्।	228
শৃষ্ট শ'শ'র্শ'শী'শ্রীশ্'শ'ডর্।	
নৃষ্ট্যমন্দ্রের্ হ্রমাষ্ট্রব্ নবি শ্রীদ্রন্য হর্।	
ন5্র'ম'নস্থুশ'নই্ব'শ্রী'ক্তুর'নপ্ব'ম। ব্ব'র্ম'মজর'ঈবা	233
न्दःर्से संकंतः हेन्।	233
নৃষ্ট্ৰ-ম'ন্ট্ৰ-ন	233
<u> </u>	234
यहिशासाहित्याबि मात्रा ग्रामाहित्र के शाया हेया सदी यसूर वि	য়৽ব≹ৢ৾ৢ
बे।	236
ন্ধ্য'ন'ৰ্ফুৰ'ঐ'-্বশ্বুষ'ন\ছ্ই'-্বী	

नक्कुन्नासुयानुहराने कुन्नानिन्ना	10
८५:में अळंब हे ५ दी।24	
শৃষ্টপ'শ'বৃষ্ট্ৰী'শ'ৰী 24	0
<u> </u>	0
गहेशःमःचेःळॅगसुयःतुनःदे।	2
गशुस्रासारेशासदे।सुत्यानुहाने	4
ସର୍ଜି'ସ'ଶ୍ୱବ୍ୟ'ସର୍ଜି' ସ୍ଥିମ ର୍ଷ୍ମ ଲେଲ୍ଲେ 24	15
<u> </u>	‡ 7
५८.स्. अळव.के८.ची	17
শৃষ্টপ্রসংস্ক্রী	7
गहिशासासेसशासेनास्याहेगाती24	9
নাধ্যমাননার্দ্রনাননির শ্রাভর বী25	51
নৰ্ন্ত মাইমাস্থ্ৰা ভৱা	52
ন্থ'ন'নহ'শ্লু'ভবা25	;3
त्रुग्'र'सेत्'त्रस' <u>स</u> ्च'रुत्।25	;3
শ্লুব'লপ্তৰ'নপ্ত'ন।25	5
নম্ভ্ৰ'ন'ক্ৰু'ক্ৰুন্'নপ্'25	55
<u> </u>	5

নৃষ্ট্ৰশ্বস্বুট্টান'ৰী	255
<u> </u>	256
ন্দ্রিকান্যার্রাইকান্যরি ক্রুন্ট্র	257
নাৰ্থপ্ৰ:ম:\ধ্ৰম:দ্ৰন্তু:ম:ক্ৰু:ব্ৰ <u> </u>	259
ત્રલે'મૠું'નુશ [*] ર્ને"ત્ર∵ભેશસુંન્;ૠું'ફો'	261
ૡૄ·વ·ૹૄ· ત ઃએન્·વતે કેન્-ક્રું કે	263
त्रुवा सः सवः र्द्धवः स्रोदः सदेः ह्ये दः ह्युः वी	
नत्त्रः पः देग्या अत्र कुः दे।	267
ন্দ্রুদ্রে 'ইবাশ সেই ক্টু'রী	268
ঽয়৻য়৻ঽ৾৾ঀৣ৾ঀৣ৾য়ৢয়৻য়ঀৼ৻য়৻	270
<u> ५८.स</u> ्. अळ्ब.कु.२.ची	270
गहेश-स-न्येर-चिंह्-प्र-दे	271
ষ্ট্ৰ'লঙ্কু'নৃষ্টৰা'ন	
ধ্যম,র্নঘু-ফ্রী-ফ্রিথ,বপ্দিনা	273
<u> </u>	
শৃষ্ট্ শংশ-শৃষ্ট্র-বংর্বা	273
न्दः में 'न्वायः नः ययेषः नः श्लेवा प्रदे 'कृस्यः है।	274
महिश्रास हिं न दसेयान इमा सुया दे।	276

.278
. 281
.284
.286
.287
.289
. 291
. 291
.292
.293
. 295
.295
.296
. 298
.298
301
. 301
.302

ब्रह्म स्वास्त्र	
म्रास्य प्राप्त स्थित स्	
गहिशासाम्मदासामहिशासदे चिंगासद सिंदासा	
चाशुक्षःसःमृदःसःचाशुक्षःसदेःर्झेचाःक्षरःध्येद्रःसदेःबुदःधृद्या306	
निवं माम्यानिवं मित्रे में मास्य स्थित् मित्रे सुराध्या307	
<u>बःसःक्रियाःम्परःचत्नेःस्यान्परःम्यःचित्रःस्यःम्य</u>	
र्षिन् प्रते जुर थुन्।	
<u> चुनाःसःम्</u> रासः न्दः से न्दः न्युअस्यदे केनाः असः से न्यदेः	
ब्र-ख़ब्	
नतुन्यःम्नरःयः दरः से दरः। नत्ने सदे मिनासरः सिदः सदेः	
র্দ্পুর্	
चक्क्ष्या	<u>,</u> 5
খুবা	
न्गुःमःम्रान्याम्बेशःमःन्दान्विःमदेः र्ह्यम्यसः स्प्रिनः मदेः	
बुर-द्रेब्	
नडुःमःम्हःमःम्ह्रुअःमःम्हःनत्वे मदेः र्ह्मेन्। असः प्रम्यदेः ७ – १ ॥	
बुर ध्रेवा	
বঙ্ বিষ্ঠিলামান্টলানাম শুমানাধ্যুমান্ত্ৰী ইলাম মার্মি নির বিষ্ঠানাম লিক্সিনানাম শুমানাধ্যুমান্ত্ৰী কোনাম মার্মি নির্বা	<u> </u> 5

শ্ব।	317
বস্তু:বান্ত্রিক:ব:সা্দ:ব:শ্রু:অ:বান্ত্রিক:ব্দ:বন্ধি:বন্ধি:শ্রিকা:অ=	रःऍंद्रःसदेः
ब्रट:सेब्रा	318
चडु:बृह्य चडु:बृह्य चडु:बृह्य	J.প্রম. <u>পূ</u> र
বন্দ <u> র</u> হ-শ্বেন্।	320
नडु:नद्गे:य:क्न्रास्य:क्षेु:स:म् रु स:ग्रुस:ग्रेस्न्यदे:	
ब्रर्ज्या	321
বর্ত্ত রু বা ক্রম্ম নাম করি করি ক্রম ক্রম ক্রম করি ক্রম করি ক্রম করি	322
ষ্ট্রব'শুব'বদ্ভ'বাধ্বর'ন	
ঽ র্ছবা মন্টে নম ক্রিম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম নাম না	325
न्दःर्से मृदःसःमङ्गिषायः सिंद्रःसदे न्दःसी के मृतः नृदः	:र्से महिरा
গ্রী'র্ঘিনা'মন্ট' ব্রুদ'শ্বর' বন 'র্ক্তিদ'শ'রী	325
विदेशसम्परसम्पर्सन्तर्भात्ता विश्वस्यदेश्विवासस्य	र्-पदे-बुर-
ष्व, नरः केंद्र नः वे।	327
गशुस्रामानामानामानामानामानामानामानामानामानामा	<u> </u>
र्केन् ग्री तुर धून दी	329
नवि'स'म्राम्दार्यानिक्षास'द्दा नाशुक्षास'ल'र्सेद्र'नव	र:र्कें <i>न</i> :बुट:
ञ्चन <u>्</u> या	330
<u> </u>	ব্য ংর্ক্টব্'শ

à	र्रो	331
•	१। दुग'रा'म्'र'रा'द्वी'य'गढ़िश'ग्री ईंग'यर'ऍर्'रादे'नर'र्केर थुन'री	
2	वर्त्त्रःयःम्दःयःषाशुक्षःश्चेःर्घेषाःस्यःरःष्टेदःयदःस्टेदःश्चेःत्र दे	५: ध्रुड् 334
2	त्रज्ञुट्र'स'म्म्ट्र'स'ट्र्ट्र'स्ट्रें न्यूड्र' त्र्युख्य'स् त्रवे स'त्र्युख्य'	ग्रीःह्रगः
z G	ઽૄઌૢૺ૾ઌ૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૹ૾ૹ૽૽૱૱૱ઌ૽૽૱૱ઌૣઌ૽ૺ૱૱૱૱ ૡઌ૽૽૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱	'ඞ්'. ৰ ූ 도 ' 337
2 6	वडुःमःम्हःमःविःवदिःईवाःसरःऍन्यदेःवरःर्केन्ःग्रेःडु रो	५:इंद 338
2	 वडु:वाडेवा'स'म्मट'स'चेबे'वादे'र्झेवा'सर'ऍट्'डेट' स्रेट्'स्' धे'वाडेवा'सदे'सुट'स्व'चर'र्केट्'स'दे	∄ੁ:ਜ੍ਰੇਟਾ 340
Ę	वडु:वाहेशःय। म्हःयःदहःयःदहः। वाशुस्रःयवेःर्वेवाःस्रदःखे इहःयुद्धःयदःवेहः। मृहःयःवाहेशःयःदहःववेःयवेःर्वेवाःस्र	रंथॅंद
ž	ঀ৾য়৻ঀয়য়য়৻য়৻৸ৼ৻য়ৼয়য়৻য়ৼ৻ড়ৄৼ৻য়ড়৻য়ৼ৻য়ৼ৻য় ঀয়৻য়য়৻য়৻য়৸ৼ৻য়৻ৼৼয়৻ৼৼ৻ য়৻য়৻য়য়য়৻য়য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়	યુદ્ર.ર્ચેદ.
ä	इट्-यदे-ब्र-क्ष्यःद्ये। इट्-यदे-ब्र-क्ष्यःद्ये। इट्-यदे-ब्र-क्ष्यःद्ये।	342
ಷ'ಪ <i>ಶ</i>	গ্ৰন্থগৰ প্ৰ	345

ঽ বস্ট্রেউন্সট্রেন্থ্র আর্	345
বস:য়ৄ৴৻ঽ৴৻য়৻ড়ৄ৴৻য়ৢঀ৻য়৾ঀ৴৻য়৾ঀ৻য়ড়৾য়৻ৡ৴৻	
<u> ব্রং রূম বর্ণ রূপে পরিকা শ্রী র্ন্ন রূপ রূপ বর্ণ রূপ বর্ণ রূপ রূপ বর্ণ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ রূপ র</u>	''म्'र'र'धे
য়৾৽ঀঢ়৾য়৾৽য়ৣ৾৽য়ৄ৾ঀ৾৽য়ড়৽য়ৼ৽য়৾ঽ৽য়ৼ৽ড়ৄৼ৾৽	
নন:শ্ৰুব-ন্ধ্ৰ-ন্ধ্ৰ	345
য়ৡয়৻য়৻ৠৼ৻য়৻য়ৄয়৾য়৻য়য়য়৻য়ড়ৢয়৻য়ৣ৾৻য়ৄয়৸ড়৻৺ঀৼ৻ৼ	व.तर्च.जा
म्रास्य न्यायाष्ट्रिका ग्री क्रिया अदि बुद सूद प्याद पद पर्व	
<u> </u>	347
ग्रुअपाराम्पारायाविष्मिये र्वेष्णायायार्थेप्यायार्थे	, ับ. กับ.
র্ক্তি ন্থন নুদ্র না	348
ଞ୍ଜୁଁ ସଂଷ୍ଟ୍ର ' ସଞ୍ଜି' ସ୍ଥ' ସ	354
শ্।শ্রহ্ণশ্) ক্রুর্ স্তুহ: রহ্ ব্পব্ ধ্।	
<u> ५८.मू.मू.चढु.भ.मुंट.मु.मूच.चल्ट.स</u>	355
महिरामानु नगद नदे गाय से दानी क्रुत्र न विद्रासी	359
স _5ৃ¶'∰স	364
	365

য়ৢॱঀ৲'ঀৢ৾৽য়ৄ৾৾ঀ৾৽ঀয়ৢঀ৾৽ঀয়ৢঀ৽য়ড়ঀ৽ঀৼয়য়৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ ঢ়৲৽৻ড়ৢ৽৸

*૽૽*ઽ૽૽ૼૢૼઌ૽ૹ૽ૼૼૢૼ૽ૼૢૹૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૹ૽૽૱ૹ૾ૢૢૻૢૼૼઽ૱૽ૢ૽ૺૢૼઌૹ૽૽૾ઌ૿ૢૢૢૢૢઌઌ૽૽ૹ૽ૼ૾૽૱ૼૺૣૹૢ૱ઽઌૢ W. શુવ્ય · ફે · શ્રુ ફ · દ વા · અવિશ્વ · ફ · વા ના કો ના કો ના કો · શ્રુ કો · સ્થે કો · સ્થે ના એ ફ · શ્રુ કો · સ્થે કો · સ્થ निविदः पदे चिना सर क्रिया पार्या दे। क्रा निरामी स्रुवः दना पार केवा ये हिंदी नार-तु-तु-र-वेश-त्रा ननो-प्रतुत-क्रेंश-प्रयेष-ग्रीश-((नेन-नगर-))त्र-तु-यशिरश्रासाक्षेत्राय। यूर्याजी कीवात्राञ्चारायव्यास्रिकात्रार्या की योत्राजी कीवा र्थे:श्वे:इर-१-:५८। श्वेंन:५र्थेव:ळेव:४र्:ध्वेंग्रथ:ग्रे:ग्वर:४। वनार्थ:विय:५८। <u>र्चियो.स.क्ष.श्रूयोश.र्थेशश्रक्षेरश.सर.यक्षेरी श्रूय.रेस्य.पर्रुष्ट्राम्</u>री न्य-सदि-दन्य-ह्यूर्य-दन्ये पद्वर्त्वर्त्ते अप्ययेषाः श्री अप्यमे द्वर्षाः स्थान क्वैट.र्ज्ञ.श.क्षत्रश्र.क्वे.वीर.वी.ह्र.र.बदु.लील.वीव.धेदु.ब्र्यूट.खेश.घी.वर. नात्रशासायशारेशाचीशार्के मुन्ताशाना द्वराधाया नुः सेरासे नाविशास्त्रनाशा देवाबाक्कुद्दादेत्वबाक्षेद्दाक्षेदाक्चीत्रुद्दात्वेषान्चुद्दा देवे.यु.दे.त्यादाङ्का सेन्यवे स्रूदान्या सावदाकेदार्ये झ्रान्से दसार्से न्ना लेखा aु:न:ने:धोत्। ऄॣ॔न:नर्भेद:दने:दो:तु:नगद:नदे:क्वेन:क्वेंन:र्हेंस:न:व:गुद:ग्रीःस:

दे.अर्चे.वश्चर्येशःश्वे.चञ्चवाशःचशःक्षेतःत्र्.यःश्वःष्टदःवाध्यःक्षेदःक्षेवःद्वरः। सर्वाःवर्गःवर्ष्वे वाः क्षेःवस्त्रवार्गःवर्गः इः राष्ट्रः वाष्ट्रयः क्ष्रुं वाः प्रार् देः पर र्देव वीं नने या के नार्श्वे राश्वे वा सम्प्राय प्रमान माने हैं के श्वे वा <u> न्सॅब्रःइर्रेक्षेव्यान्त्रेयायदेशेर्ययात्राशुक्षायानेत्येव</u> कुटानुयावयाया सःयोद्धेसःयाः तर्सः दसः दुः श्वाः तुः श्वाः देशः वादसः देशः से दः दुः दिश्वस्य। देः ৾ঀঀ<u>৾</u>ঀয়য়৽ৠয়৽৾৾ঀৼ৽৳ৢয়৽য়৾৽ৼৼৼৼয়ৼয়৽য়য়ৢয়৽য়ড়৽য়ড়৽য়ঢ় *ক্ট্র*ব:ন্ত্রম:রম:রদাম:র্শ্রির:র্ন:রম:ধ্রম:রম:রম:রম:রম:বা:নারম:ম: श्रावशासराश्चरमा श्रायाची त्रिवायायात्वे त्रमाश्चराये वितासाया स्ते:र्ह्में द्रार्म स्तुर। कुलार्से सु त्या मो प्ता बेश हा नदे तह वा तहे वा तहे वा <u> २८.स६्त.ब्र्</u>याश.श्.व्यूर.तश| क्वित.त्र.ट्रे.यी.तयात.ब्रेया.वी.क्रेट.री.(श्रुव. <u> रजाः से त्यारा अदर्गः नहस्र स्थाना स्थाना</u> र्ष्ट्रेमार्थायदे प्रहे ५ ही वरामहेर्यामदे सुनासम्बद्धायास्य विरा इस हेदे देवाशःग्रेःळ:ग्रुद्रःयनाःहुःद्गुःत्।:वळदःवशःद्गुवाःस:ठठःवेशःर्वेवाशःसःधेदः र्वे।

द्याः श्चेंदः रुदे । विद्याः स्त्रिः स सः स्त्रिः स्त

ज्. क्रिंग. ह्या. क्षेत्र. प्रज्ञोता. ज्याचारा. क्षेत्र. क्षेत्र. ज्याचारा प्राची ह्या. क्षेत्र. नहस्रम्भायते ((श्रुव त्योवासी वहिष्मा सेटा मेदि टर्से)) नृता मुखान भी सेटा · इ.स.स्या.स्यर.धूं.सबर.भूः अक्ट्र्य.स्यः वैस.यङ्ग्याङ्ग्यास्यः श्रे.स्याःश्रे.स्य १६८ गर्धर नहस्रमायदे ((सूद त्वोया न्वारमा उद न्वोमा सु) न्रा र्वेन स्रायमाना साम्यान्त्रो त्येत्राम्यान्त्रम्यान्त्रीयान्त्रीयान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त ततुः ((८) देवुदः ८ मूरिका क्रियः) ८८। वर्षया विस्व म्यूषः वर्षेषः वर् षश.च क्षष्र. तपु. रच. चैर.च थै.च श्रिष. तपु. श्रेच था. श्रेच. श्रेच ग्रेच ग्रे नह्रस्रश्नायते. «श्रुवायम् वीत्रान् वित्राः उदारम् मेलः »८८। वहः श्रेः स्राह्मः। য়৾ঀ৻য়৾য়য়ড়ৢয়৻৴ঽ৻য়৾ৼ৻ঽৄ৻য়৾৻য়৻ৢ৻য়৻য়৾৻য়ৢ৾৾৻ড়ৣ৻ঌ৻৽৹৻ড়ৣ৴৻ঽঽয়য়৻য়ঢ়ৢ৻ **क्षु**त्र दशेयः न्युरुषः उत्रान्थे अः यदेः र्रेषः अर्केः » नठशः धेत्। ने : न्याः वी : दरः वर्षाविष्ठाः स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप ৢ৴য়ৣ৴য়৽ড়য়৽৴য়৽ঀ৾৽ৼ৾য়৽য়য়৾ৼৣৡঢ়৽৴ৼ৽ৡ৾৾ঀ৽য়ৣ৽য়ৢ৽য়৽য়৽ঢ়ৢ৽য়ঢ়৽৻ঢ়৾য়৽য়৾য়৽য়ৣ৽ दवुरःनाद्रशःग्रीशःकुःदवोषःकुःदवेःसःनाद्गेशःग्रीःस्रेदःदशःनासुरःन्वदःनाद्रदः यदुःच्रिषःच्रीशःयाब्रिमःयचितःयशःच्रीशःमःलीवःश्रयशा श्रुवःम्याःशेःस्याःचीः

दर्या कुरान्तराष्ट्रस्य स्वान्तरा विसार्ट्ट्याम् स्वान्तराष्ट्रस्य स्वान्तर्य स्वान्तराष्ट्रस्य स्वान्तर्य स्वान्तराष्ट्रस्य स्वान्तरस्य स्वान्तरम्य स्वान्तरस्य स्वान्

यावतः ((अ) व्यान्यतः अव्यान्यतः वित्रः वित्

ৠৢঌ৽৸ঀ৾৸য়য়ৠৢ৾ৠৢ৾ঌ৽৸ৠৢ৾৾ঀ

শৃষ্টপ

५ १ क्षु क्षु व्यवस्थान्य विद्यान्य विद्यान्य

श्चित्रः स्वायः स्वयः स्वय

म् अन्ति स्वास्त्र स्वास्त् स्वास्त्र स्वास्त

শবিশা

र्वेन् त्यने त्याने व्याने स्वान्त्र स्वाने स्वाने

न्सन्। न्नानी अप्तर्रे अप्पेन्। त्याचेना 'न्नाने अप्तेन चित्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त निवर्भित्। निर्देर्सिके इस्माना हु इत्याधेन नुर्देर नमा वर्के नान्द सञ्जद्भारत्यात्राचीयाः प्रदेशम्याः याद्यस्य स्टास्ति । वर्षः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स नुरामळें त्राता में र्यो में राख्या मारा में ते र्यू त्र मानुरा व्येता यही व्येता स्ट র্বাদ্যবিধ্যম্ভ্রী র্মেদ্যে নাম্বর্ম স্কৃত্য দ্বাদ্যবিদ্যান্দ্র বাদ্যবিদ্যান্দ্র বাদ্যবিদ্যান্দ্র বাদ্যবিদ্যান্দ্র *न्*टःक्रेंशःसर्ह्य्यःयःसेन्। नेःष्पटःस्याःर्वेगःवीःश्रुवःस्याःन्टः। धेयाःर्वेगःवीः श्रुवःर्याःपिष्ठेशःशुःर्नुःसुरःश्रे। र्ययेरःवःसगुरःस्रार्यरःवद्वःस् मुखःर्यस्यः भ्रम्य भी अनु र अप्राप्त विकासिये म्यूर अर्देश महि केना सेना सामि स्वीति स्वीति स्वीति स्वीति स्वीति स्वीति स्व *ॱ*बुद्र-भेद-नेंद्र-पदे-श्रुद्र-८ग-भ्रेंद्र-त्य-पदिपाय-द-र-द्युद-र्ह्ने-र्बे्य-इत्य-त्यय-भूनशन्-दे-तृशःस्वार्चेनाःन्दःधेनाःचेनःचेनःचेनःधेनःधेनःन्देनःन्देनःचेनःच मी.श्लॅंच.श.ज.ज.पूर्ट.रेटा। टेशज.टेच.प्यंथी ४४१.केट.श.श्लूचेश.ग्रीअ.टवी. र्वेनात्मर्भाष्ट्रम्पन्त्रीत्राचार्यः नुर्दे। । यदः नुः नर्भरः नुर्वे सः सः ने विदः से देनासः दर्ने :बःर्नेन् : श्रेःरेग् बः र्रः ग्रेःरेग् ग्वब् शः म्रः हः ने ग्वः केवः धेवः शं वेवः न्वें रायनुषा समुराष्ट्रीयान्यासूदारमास्रोधेरासायने मञ्जूरादयान्य स्त्राप्त र्केंदे-श्रुद-स्वा-दे-स्स-भ्रु-भ्रे-ये-स-वदे-ळंन्-नु-ख़ुस-दशाव-श्व-ळंन-स-मु-वा-स-निविष्यायायदे रेत्। ने त्यानिक विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याच कृं न्नान्य्रेत्रिक्ते कृष्ट्रे क्षेत्रकृत्यक्षेत्रे क्षेत्रक्षेत्रक्षात्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष

শস্ত্রস

ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રુંતા સ્વતા ત્રી સાંસ્ત્ર ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રુંતા સાંત્ર ત્રેત્ર ત્રાંત્ર ત્રાં ત્રાંત્ર ત્ર ત્રાંત્ર ત્રાંત ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રાંત્ર ત્રા ત્રાંત્ર ત્રાંત ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રા ત્રાંત ત્રા ત્રા ત્રા

नभूत कुल सक्त सन्त त्र त्र से से से जी समय मिले सार मिल में से सिका सुर्य *ॱ*वेट:ब्रेश| दे:सळस्रशःर्भ्रुं:बन्नानविट:ब्रुं:सेन्नशःनविट:क्रेशःक्षेट:दु:सिक्शःनः रवेर न्द्रिं प्रिंद्या हैं नाया ही या निर क्रुं रे रे त्या दवेर निर्दे खारेया सम्बद नावनानान्ता ने सर्द्धत्यार्श्वेनासास्य भूमासार्द्वात्याचेत्रा नेतानु सरार्द्यसा यहं अःक्षेत्रः क्षेत्रे वर्के अः अन्तुत्रः पादिना त्यायाः अः यक्षत्र अः पदिः गुतः अन्ति तर्राः। र्भूर-दे-स-लेब-ली स्वारि-श्रुव-रवा-वी-र्भूव-देन-वदे-वद-लेवा-से-स्वार-वर्हेन्। नर्ने अः यदे ः श्लुवः वरेन् यः स्टः नीः क्रिंशः में न्या अरः सेवेः यदेन् ः भ्लूनः नरः। ૡ૾ૼ૾ઌ૽૽ૡૢૼૺ૱ૺૺૺૺૹૺ૾ૡૢ૽૾ૡ૾ૺ૾ઌૺઌઌૢૼ૱૽ૢ૽ૺૢઌૢ૽ૼ૾ૹ૾૽૱ઌઌ૽ૡ૱ૹૢ૽ૺૹૠ मिलेम्बर्भादिः देवः केवायासा बुदायाहेशः द्वातुः नाद्दा क्रम्बर्धमा हुर्गे ৻ঀঀয়৻য়৾৾ঀ৻ঀড়য়৻য়ড়৻য়ৣ৾য়৻য়য়৻ঀৼ৸৾য়ৣয়৻ঀড়৾য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়য়য়৻ঀঢ়ৣয়৻য়৾য়৻ सर्केन् श्वेत-रु-द्रियाय हे सुवान विवाधिता

यथ.यर्थ. चेर्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्ययः क्षेत्र क्षेत्र

য়৾ঀৢ৽ঀৠয়৽য়৾ঀ৽য়ৼ৽য়৾ৼৢ৽য়ঢ়য়৽য়৾ঀ৽ৼঢ়৾য়ৼ৽য়৾ৄৼ৽য়য়ৢয়৽য়৽য়ৼ৾৽য়ৢ৾৽ ৻য়ৼয়৽য়য়৽য়ঀৼ৽য়ৣৢৢৢৢয়য়৽৻ড়ৢয়৽য়৾ঀৢয়৽য়ৼয়৾য়৽য়য়য়য়য়

मान्द्रत्वे त्यां विष्या विषया विष्या विषया विषया विष्या विषया विष

यदेशःग्रुटः।यः वःर्वेदःयवेःसेषाःग्रुवश्युवःतुःग्रुवशःविदःर्वेदःश्चेः सेषाश्रात्मव्यशः(वृत्वयुवःयवेःश्चेवःव्ययः(वृ

म् व्यायम् द्वायः स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् । व्यायम् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर स्वरः स्वर् स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरं स्वरं स्वरं । । स्वरः स्वरं स्वरः स्वरः स्वरः स्वरं स्वरं स्वरं । ।

ন্মীন'শঙ্গী

क्रू.श्रे.श्रे

श्चीं त्यूंते स्वास्था स्वास्य स्वास्था स्वास्थ

स्टरमाक्री स्मान्य समान्य समान्य

न्यत्यःश्चीट्यःस्रोवदःक्रेवःट्रेतःक्षटःश्चैं:क्र्यःश्चीया । याट्यःक्षवःस्रवःट्याःस्रावयःयःस्ट्र्यःश्चेःह्या । भेयःस्यःववःश्चःत्रेःश्चेःश्चेतःयावेःस्ट्रःयवस् । वश्चयःयाश्च्यःसर्वेःश्चेतःश्चेःस्त्रेःस्यःश्चेःयाःहृत्यःश्च

ફે નવે લેં વનવે મેં દર્, સૂત્ર દન નો તેં સ્ત્રેન ફિન્સદ સેંવે ફિ.સ.સુદ અપ્લે : ૡૹઌૹૢ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼઽઌ੶ઽૣઌਗ਼੶ૹ૾ૢ૽੶ઽૣ૽ૺઽૻ૾૱ઌ૽૽ૹૻ૽ૼૼૼૼ૱ૹઌ૱ૡઌ૽૽૱ૢ૽ૺઌૢ૾ૢ૽ૢ૽૱ૹૡ૽ૼ सञ्चरान्द्रात्राचीत्र उत् मी सूत्र प्यार्स्स् न विन् देवा न्वीयायस्य स्वीता *૽*૽૾ૢૺ૾ૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻઌૢ૿ૡૢઌૻ૽૾ૼઌ૽૾૱ઌ૽૽ૢ૾ૺ૾ૢઌ૾ૹૻ૽૾૽ૢ૽૾ઌૣ૽૱૽ૺ૱૱ઌ૽૽૽૽ૺૢ૾ૹ૾૽ઌ૿૽ઌ૽૽ૼઌ૽૽૱૽૽૽૽ૺઌ૱૱૽૽ૣ૽ૼૺ૾ धेशःर्भ्रेवाशःग्रीतःर्धेन् न्यादःरुवाद्यादन्वाद्यादन्वाद्यात्वाद्यात्रात्र्यात्राद्यादन्यादन्या য়ৢৢৢৢয়য়য়৾ঀ৾৽ড়য়ৢয়৽য়ৄৼ৽ঀ৾৽য়ৄ৾৽ঢ়য়য়৽য়ৼ৽ঢ়ৢ৽য়য়য়ৼ৽ঢ়ৢৼয়৽য়ৼ৽ঢ়ৄ৾য়৽ यहें त'न्गव'व्य है। स्वर्थात पार्वित हैं ते से स्थाया न ना कवार्था स्वर्धना ૹ૾૽૾ૹૺૢૢૢૻ૽ઌૻૹ૽૽૽૾ૺઽૢૺ૽૽૽૽ૢૺઌૻઌ૽૽ઌ૽૽ૹૢ૽ઌઌ૽ૹ૽૽ઌઌ૽ૹ૽ૢૺઌૹ૽ૢૺઌૹ૽ૺઌ૽ૢૢ૾ૢૢૢૼઌૻૹ૽૽૾ૺ૽ૢ૾ૢૢૢૼઌૢૼ ৳*ৼ*৻৴৴৻য়৻৸ৠৢৢৢৢয়৻৸ৼ৻ৠৢৢয়৻ৼয়৸য়৾য়৻য়য়৾৻৻য়য়৾৻য়৻য়৾ঢ়৻৻য়য়৾৻য়৻য়ৣ৾৻ सर्द्र-सम्भः र्स्ने गुव-वस्प-दः र्स्टेंदे प्वर्ट्स-व-दि-स्कृद-त्रवा-वर्णे-द-विव-वर्द्या स्रावसः न्वरः स्वादेः स्रुद्धः स्वाः न्वेरः वर्हेनः र्स्नेरः विवाः क्वः दवाः वीः रेः वरः र्सेवासः য়ৢয়ৼয়৾৻ঀ৾৽য়৾ৼৢ৾৾ৼয়ৣ৽য়ৼ৻ড়৻ঢ়ৼ৽ৼঢ়৻য়ৢড়৻ঢ়য়৽৻ড়য়৾ৼয়য়ৼ৻য়য়৻ चवःचार्ल्याःचीःवर्ःनेशःनेवाःचाःसेरःवह्त्यःर्लेरःचःवेवाःरेन। श्चेरःप्यरःश्चवः <u></u> दवा से व्यॅदास पदि त्याद्वर में साम्याद्वर से स्वासा स्वदा बुवासा ग्रीसार स्टेंदि । भ्रम्भःश्रुः सःश्रुदः चम्यः स्रोदः स्याः स्याः

सरामिडेनान्त्रन्त्रा राक्ष्यः मार्थः मार्थः स्वाधः वर्त्ना स्वाधः वर्त्ना स्वाधः वर्षः स्वाधः स्वाधः वर्षः स्वाधः स्वध

ब्रॅन'ळेब'न्न'सें।

तर्से अर्दे द्राया शुर्या व्यव विषय हिंदा हो। सन् स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर प्रस्था स्वरं स्वरं स्वर्या स्वयं स्वर्या स्वर्या स्वयं स्वर्या स्वर्या स्वयं स्वर्या स्वर्या

৲নেশ্ৰে'ব্ন'নন্ত্ৰ'শ্ৰুঅ'ই্ৰ'ক্ৰী'শ্ৰুম'নপ্ন'শ্ৰ।

ने स्पर्ना के ते निर्मा के त्या वित्र के स्था वित्र के स्था के त्या क

र्जट-जट्टा । र्याय-र्याय-ज-अ-अ-य-१। ।

याबदः श्रद्भारः श्रीः यद्याः श्रीः बेद्या য়ৄৼয়ৢ৾ৼয়ৣ৾৽য়ৼৄয়৾য়য়ৢয়৽ঀৠৼ৻৸

gananahaltel Legarang xarang ggt gt 20x2001000 यदे वर मी र्वे वर मी र्ने हुर १ रे मी मी साम वर्ष रे वि स्मान रामी सम्मान मी मी नदेर:नहर:नवे:सग्र:स।

> ष्यःच दे हे ने नि द हेन्।। **ॻॖॱ**ळेॱढ़ॱॺॸॖॸॱॺॊॱहेॱढ़ॱऄ।

ऍर्य.ये.कु.रंबीय.ये.कैंय.ग्री.ली.य.ग्रीटी । यशः र्केषः ग्रीः न्याः र्केः नक्कः प्यरः नर्ह्रम् । ष्पनः क्रेत्रः श्रीःषाः सरः नदः श्रीः नहिष्या । याठवःयाबदःदेःखुशःशेदःद्वेशः। ।

र् र्भः रवसः महिसः सदेः भ्रवसः ग्रेः श्रुः क्रुयः वक्रुरः सः श्रेः गुसः वहदः सः ৾ঀ৾_৾৽ ৺ন:শ্রীনম:শ্রি:নর্জন:র্ম:ন্:ড্রম:ম:নর্জ্ব:শ্লু:हे:गहेश:গ্রী:শ্রম:শ্র:শ্লু: पर्विट्या मि.मूर्याक्ष्यावयाक्ष्या भ्रेययार्ट्र स्थु माम्याक्ष्या शुः लूट्रत्युः क्षित्रः संयः स्थानः र्ह्रेचन्नाः श्वीयानः कृषः सूर्यः क्यानाः सूर्यना वादः स्वीः য়ৢড়৽য়য়৽ড়৾৽ৼয়৽৴ৼ৽ৼ৾৽য়ৣ৾য়৸য়৾ঢ়৽য়৾য়৽য়৻য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়৽য়৾ঢ়য়য়৽ च्या च्ची चिका स्त्रीन स्त्राचा स्त्रीय स्त्राची स्त्राच

র্ম্রন্যরর শ্রমার্টর শ্লবশা গু ছিন্ট্রা শ্লুন শন্ শ্রী শ্লুরী

म् क्रिं आक्र्रे ह्या अभी अभी या स्वाप्त स्वा

ध्यायाव्याचे स्वास्य स स्वास्य स्वास्य

श्चै.योशय.योशय.हुँ.हूयोश.श्चेश.श्च.तीजो ।कै.येटू्।।

क्षित्रास्याविषाः इ.स्. प्रवास्त्राक्ष्यः म्यूर्यः म्यूर

र्मेट्नी सुः भना यह द हिंद में ब्ह्न ने श क्रें के हिंदि मार्टे या ही । क्रें के क्रें के क्रें के मार्टे या ही । व्यास्त्र मी क्रें के मार्टे या ही । व्यास्त्र मी क्रें के मार्टे या ही । व्यास्त्र मी क्रें के मार्टे या हिन था । व्यास्त्र में क्रें के मार्टे या हिन था । क्रें के क्रें मार्ट् के मार्टे या हिन था । क्रें के क्रें मार्ट् के मार्टे मार्टे या हिन था । क्रें के क्रें मार्ट् के मार्टे के मार्टे मार्टे या हिन था । क्रें के क्रें मार्ट् के मार्टे के मार्टे के मार्टे मार्टे मार्टे या हिन था । क्रें के क्रें मार्टे मार्टे के मार्टे धर:वा

्रिंत्र में जित्ता ने कार्य प्राप्त क्षेत्र क

শ্রীরামানান্দ্র বিশ্বর বিশ্বর

र्टे अळ्- प्रेमें अप्यादीयाया ही अप्रार्चे प्रमुद्राप्ता से विषया सुप्ता पश्चिम्यार्थेव पुतरा केवा क्वा क्वा स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापत र्राची छिन् के शक्षन नु चुरानवे न्यरश विन् ग्री श्रुवारण राकेंदे ने कुवे षह्राज्हेंदश शर्ह् सैट. वी. व्याया त्रीया ही. क्याया ही. पर्याया भ्रे-क्षु-च-र्सेन्यक्ष-सेन्य-व्यक्ष-विद्य_ि सेस्रस-व्यन्तर्सेद-सेंदि-नानुन्यकानङ्ग्रह् · सूर-पकर-पेंद-नादी हे नदुंद-से न्य-रख-सवि-सन्य-सवस-सव्-मेंद-शी-सूद-म्यानी निश्चम्याह स्वास्त्र स्वा कॅट:अदे:क्वुत:अट:र्रे:बेवा:र्देश:दहेत:क्वु:ॲट्:रा:ब:च|बेवाश:द:र्रेट्:अदे:टवा: त्यः स्टः निवेदः श्रुवः स्वाः क्रें तः स्रोदः श्वासः तितुः स्वीसः देवः स्वीसः देवः स्वासः स्वीसः स्वीसः स्वीसः षः नम्भरमा ही हिन् नमा सून रना नमाना मा मे से से रामा सामा सून रना नमा नः भेदः सः प्यतः हे नायः तुया नययः नगवः नः वेवाः यः तः व्रेवः न्दः स्वेदः स्वाः તા.શું નઃશું નઃશ્નનશ્વ.શું. નિ.ક્રેના.લાના.લૂં ને.ગું. તજૂં. ન.ને ન.શું. ગીધ. ધરા જાંધી ના. स्थार्श्वेट्रिन्द्रवे स्वर में अपित्र में स्वर में नर्हे अः ख़ुत्रः दन्तुनः दनाः ने ना नी ख़ुत्रः दन्ति । बुत्रः क्षेत्रः नार्रः अदेते ः वेंदिरः अः दन्ते वेः <u>ञ</u>्च: ब्रेन्:नु:नङ्के:क्रुवे:यम्बन्ने:नेर्नेन्:हेश:स्वश:य:मःक्रेंश:विस:नर्गेश न:नुमःमः वयर। ८.२८. इ.से. जेश.संदे च स्त्रूर स्नूस र्से ५ वा ई कवारा खु स्त्रूवा यश से र

ઋૂન'નાનુશ'મું,સંદુધ,શ્રુંન'શુંન'શ્રુંનાશ્રાતાના વધિશ્વાસંતુ,તનેશાનશ્રાસ્ટ કુન'શ્રન'શ્રુવ:શુંન'શ્રુંવ-શુંન'શુંન'શ્રુંનોશ્રાતાના વધિશ્વાસંતુ,તનેશાનશ્રાસંત્ર

अळ्स्रशत्दी द्रश्याचे द्रश्याचे स्थाप हो स्याप हो स्थाप हो स्थाप

हे नड्द से यथा नने द नये ने से पी हिन के भावतुर नु के द न से निय न

स्यान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान

इ. प्रबृच् क्यू म् प्रकानिया । ब्रेस म् म् स्या । ब्रेस म् म् स्या । ब्रेस म् स्या । ब्रेस म् स्या । ब्रेस म् स्या । ब्रेस म् स्या । व्या में स्या में स्य में स्या में स्य में स्य में स्य में स्य में स्य में स्य में स्या में स्य में स्या में स्य में स

অহ:ব্য

द्वेव्यव्यव्यान्यः स्ट्रित्। । व्यायाव्यः ह्रित्यं स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः ह्रित्यः । क्षेत्रः व्यायः द्व्यः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः । स्वयः

नवे ने मान्य विद्यान स्थित के या निर्मा

শুস্তুস'ন'বন ম'নইবি'ন'বন'ব্সবশ্নুট্টের'নস্পশ্সস্তুর'ন'ই।

र्रम्भियार्वेर् अर्वे श्वरमी र्व्यरमित द्वारामित द्वाराम र्रिं च्यार्रे सुव सुव र्वार्यर ल सेवारा दे:श्रुेश:तु:ब्रॅं:इस्देवे:ब्रॅव:तु:तु:्ह्या कु'यद्देव'बेट'नश'य'ख्ट'गुव'हु'कुया । *बे.तह्स.कर.चशुज.*दक्के.स्ट्री ર્ક્ર.ર્જ્ય-ક્રે.શૈયા-જે.૮૫૪.ગુલ.તજા.તહિંટી I रे क्रेश अं हें न वहें क्षेन ५ र ल अंता भः अदि दे नवर कुर मेश मर सर हिन। . कर-वृत्यःबहवः क्वेंत्रः धेन्देंदरः दवाशःवः ह्या । बर-दगर-केंद्र-सेंदे-मर्नेन्। बुर-कर-ग्रीश-नक्ष्म। व.वव.ह्नि.टी.वि.वै.ची.वी.नवेरमाञ्चरी। वनाशक्यामशेनवश्याम् नासर्केनविन्देव।। शेरकेव से र्नेग व नसर गृतुर य पहुंस। न्त्रासुर्भःश्रूर्रास्त्रेर्स्यादेशो किंत्राप्त्री । नापुः सर्नेना स्टः हूँ रशः सुसः क्षेत्रः क्षेत्रः रे से निविता <u> श्च गुर-तृगर-वगःश्चगःर्ग्वेर-हेव-वलेव-व्येव।।</u>

विश्वास्था स्वाधितास्य विश्वास्य वि

હૈંદ.હૈંત્ર.લુંદ.ફૈંદ.જૈંદ.જૈંદ.લૈંદ્યી | ૮૽૿ૺૠૹ૿દ.૮૫૪.કુંદ.ઌ.૫લી.શ્રૈ.લૈયો | ૮૽ૺૼૺૹ.૫૧૧્દ.દઌ.કુંજ.ધ્રી.૫લજ.જી|

र्भर विवा वोर क्रेंब नशु प्रव्यक्ष नु क्रेंबा यविराव्यक्तितरायहित्रव्युः धेर्यावेरया । सःबेटःवर्जेन<u>ःब</u>टःनःश्चेटःनश्चा। वेश: १८१ अ: अर्देदे: १ अ८श: ह्यु: पश क्रूॅर-ऍर्अव्यय्यअविगरेगकुर्ने। नाव निवाद स्वाप्त निवास के स्वाप्त स्व हिःमूर-इ-ध्वात्तर्रेर-किंग्यर् न्गर-भें न्ह्यः क्रे-सेव यः सेन्।। इ.पर्रेट.श.क्रॅ.लेंब.चेंट.लेंब.प्रेटी । बे.क्याश्राश्चारायः विद्यावस्थानेता । नार्डर विक.मी.चोरेश रेतु ज्याचा नार्थ का ह्ये.भुभभग.लर.कुभ.ध.त.परी। <u>झ'พर'र्देव'वज्ञश'हे'क्कुश'धेवा ।</u> श्चेर शेसरा वर्षे खेते हैं वा परी। ळे: धर हेव से हे छूर धेव।

য়ूनःश्चीरशःश्चीयः भूवा विश्वशःश्चीशः स्वायः प्राचीयायः चक्र्यः प्रदेशः स्वयः श्चीयः सः स्वेयः प्रयः स्वयः स्ययः स्वयः स

월조:월51

सन्तर्भावितान्त्रीयाः वित्तर्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्भावित्तत्

ষ্ট্রন'শুর'নান্ত্রিম'না

वेदु:नूर:में न्यूयाहे न्यून्या वेदु:वाहेशायान्य्याहे न्यून्या खेतुःवाशुक्षःसः र्देनः ठकानसूत्रःस। गाःसेनः क्रुतः हुनः सन्ति ।

रट्स् विद्युत्र्रिक्ष्य्र्युत्रम् ५८। श्रुवः क्रॅट्रांसाधीवः सवैः क्रुवः वाः वोदुः ५८ः वेर्यः २६ सः वास्त्रवः वादुः धोः क्षेटः द्राचक्षेत्रस्ट्रम् क्ष्यं प्रकृत्रस्त्रम् द्राम्यस्त्रस् র্টুন্ম শ্লুব ন নত্র নাধ্যম নথা

- ५८:र्से स्रुद्ग:८वा वी सुरु:८वा वी सुद्ग:८वा वी सुद्य:६वा वी सुद्य:६वा स्रुत'र्न्गाः क्रेंनास'नडर्'त्दे क्रुंय'नत्र्न्'या से वेर्म्रास्य केनास'नडर्'वार्ट्न् *_* ५८.५चेल.चष्ट,र्श्चूर.क्ष्त.ची.सू.५४.२चे.४.५च४.२७५.२५। सूनास. नन्दा होतासन्दिर्धानहरूष्ट्रायस

> ८८.मू.मूब.८म.मी.जैश.ह्य.चर्चर.च.ची श्रेक्ट्रसदे इन्यायम् सुरु है 'दे बिना वर्दे द संधी। र्<u>देव</u>्यी:इय:नठट्र:ळेन्न:मी:बेटा ।

दर्देदे दर्जेल न र्रेन् सम्बन्ध रामा सूद्र त्वा मी खुरा ही सळद हेन् मार $\frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{r} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{r} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a} \cdot \vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a}}{-30} = \frac{\vec{a}}{-30}$ मिरः विष्य क्षेत्राः क्षुत्रः स्थान्य स्थान्त्रः स्थान्य स्थान्त्रे स्थान्य स्थान्य

क्षेत्रायत्रद्र्याधिताः भूत्रयः शुःक्षेत्रायः द्रिः स्रव्रयः या क्षेत्राः भूतः स्रितः स्रितः

ळेंग्। नरः निवे : इवः त्यः द्वे रः व्या व्यथः द्यारः ळेंग्यशः द्याः रहः क्याः क्ये थाः । व्यथः प्रश्लेवः प्रस्ते व्याः क्ये थाः । श्लेवः श्लेवः प्रस्ते व्याः क्ये थाः । श्लेवः श्लेवः प्रस्ते व्याः क्ये थाः । श्लेव्याः प्रस्ते व्याः स्त्रे व्याः स्त्रे व्याः स्त्रे व्याः । श्लेव्याः प्रस्ते स्त्रे व्याः स्त्रे व्याः स्त्रे व्याः ।

बेशन्ता न्ययः र्वेत्रः स्तुनः सुषः स्रीक्ष

श्चीर-धियः सूचा । कुरा-रटा । स्ता-र्ज्ञवः स्टर-या । स्त्र-र्ज्ञवः स्त्र-र्जा ।

হহ:বীঝা

द्वान्यस्य क्ष्या । क्षेत्र स्वान्त्र स्वान्य

१ वित्रभः निग्नमः स्त्रीं विश्वः प्रमान्ते वित्रः प्रमान्ते वित्रः प्रमान्ते वित्रः प्रमान्ते वित्रः वित्र

হ্ম-গ্রীকা

ल्याकाः श्रीकाः संस्था । लेकाः पटाः । वः पार्त्ववः स्टाः प्रतः सहस्य । श्री स्वाः त्यो । क्षेत्रः पटाः स्था । श्री स्वाः त्यो । स्वाः स्वाः ।

४) क्र्यायानुवारमार्ज्ञायानुया

ळेंगा नर दुगा ध्रव तरे त्या इस रा गार्स सामक्री सामि

१ বর্ষানার্দ্রেনার্ক্র্

द्विस्तान्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य । विस्तर्याच्यात्रस्य स्त्रस्य । विस्तर्याच्यात्रस्य स्त्रस्य । विस्तरम्बद्धिय स्त्रस्य । विस्तरम्बद्धिय ।

रट.ग्रीश

४) श्रुःविनशःस्टःम्वायःयनशःग्रीश

बिट्यार्थेव्यायात्रवात्यात्वा । विट्यार्थेव्यात्रव्यास्त्रम्यात्वा । केंद्राय्येव्यात्रक्ष्यास्त्रम्याः । केंद्रायात्रक्षयास्त्रम्यात्वी ।

रट.ग्रीश

ब्रिट्-श्रुव:रण:य:नक्ष्र्यःव।।

ह्में न्यून्य क्षेत्र क्षेत्र

३ रूट:ब्रॅब:बन्बन्धःग्रीश

क्षियः स्वयः व्यः क्षुॅटः यः योव्यः | विश्वः पटः | यक्कें यहेटश्वः शुः वह् याः वहें प्रवा | क्षेक्कें यहेटश्वः शुः वह् याः वहें प्रवा |

रट:बीश्रा

ह्रेय.यश्वर.ग्रीश.ट्यूट.श्रीय.ट्यूश | ब्रेश.स.हे. ब्र.झ्ट.ग्री.श्व.द्यांश्वरात्त्री | ब्र.श्वेर.ग्री.यो.ब्रश्चर.श्वां ब्रेश.द्या.ग्री.यंवर.क्ष.टी |

ৰ্শ্।

ळेंग'नर'नर्द्र'ठद'वर्दे'त्य'वर्द्दे'ळुंय'नदि'र्षेर्'र्दे।

१) (अ:सर्देदे:न्सर्य:श्रु:प्यग

म्बार्यायस्य विश्वास्य स्त्रात्म स्

रट:बीश्रा

श्चेत्रायः द्वें प्येः सहें द्रारेत्। द्युद् प्यें द्राव्यः प्येः प्यवः सेत्। केंगान युद्दाव्यः प्येः प्यवः सेत्। देवः वित्राव्यः स्थायः स्थ

१ र्वेरवा ररक्ष्यायम्भाग्रीश

द्याक्त्रुव्यस्यात्राच्यस्य स्थान्यः । विश्वस्यः । व्याद्यम्प्रत्ये विद्यस्य स्थान्यः । व्याद्यम् विद्यस्य स्थान्यः । । व्याद्यस्य स्थान्यः । ।

र्टर्यारः र्ह्ने नवरः ह्वेदः वयः ग्रीया

धेन्द्रं नी क्रुन् कंय वर न्।

स्यःसहंशःशुःशेःर्हेष्यःयव्दःस्या । स्याःदेदःषोःतुदःयदेःह्विःस्याया । स्याःदेदःषोःतुदःयदेःह्विःस्याया ।

रट:बीश्रा

क्तुयःश्चे त्यास्य स्थायते स्थाने न्या । स्थाय स्थाय

३ रे हे नडुंद से ल रसायश

यदितायित्वास्त्रक्त्रक्त्रक्ति। विश्वाप्तः। यद्यात्वास्त्रक्ष्यात्वस्त्रक्ष्याः स्वात्वास्त्रक्ष्यात्वस्त्रक्ष्याः सार्ष्ट्रवाक्ष्यात्वस्त्रक्ष्याः सार्ष्ट्रवाक्षयात्वस्त्रक्ष्याः।

रट:ग्रीश

यर्वित:रुअ:सेया:याबुर:अ:श्वेर:बिरः।।

यश्रुवःयः ह्र्रेनायते श्रुवः ह्वायदी । धर्मासुन्यतेव : दुर्वः स्वर्मा । वेशःयः स्वर्मा ।

< नेरदःग्रीश

चीरःबरःस्थःकुषःसकुषःसुषःसुष्टाः ट्रेशःसह्टंजुःसुःसुःसुःसुःसुष्टः। इट्टंचलःकुःचाबूषःकेरःचाश्चलःच।। चारशःकुर्षःशःकुषःसुषःसुष्टाः।

ঊব'নম'নকুন'শ্ব'ডব'শ'ন<u>ন</u>ী'শ্বঁশ'দ্বম'শ'নৰি'ম্বা

१) गुव्रस्रिव्यन्स्यः नगर्स्यः विष्यः वश्यः व्या । वेशः नः । द्रायः यहं सः तः श्चीरः योः श्चरः योः श्चिरः । से । योर्ने रः न्यारः खुव्यः श्चीः श्चे । योर्ने रः न्यारः विष्यः । विशः नरः । सः स्रायः योषे स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः । विशः नरः । विश्वः । विश्वः नरः । विश्वः । विश्वः नरः । विश्वः । विश्

रट.गुर्था

स्यायात्राचा च्याची स्थान स्था । स्यायात्राचा च्याची स्थान स्था । र्थुत्। रसकायमेषायबुद्धायक्षिरासाधिरासमायसम्। बिशासाक्षेः शक्ष्याचीयासदाक्षेतासमान्नेयासमाना।

ধ ঠুমদ র্মুঅ অবাশ গ্রীশা

चक्क्यात्र्युशःश्चीः त्यनाः ह्नन्यशः श्चितः त्यः त्विन । दक्ष्यः श्चितः श्चीः स्वतः त्यव्यः श्चित्रः । इनाः श्चितः श्चीः स्वतः त्यव्यः श्चित्रः । इन्यायः श्चितः श्चीः त्यायः स्वतः स्वतः स्वतः ।

ম্ম:ব্যাঝা

श्रेश्चर्ग्युः नश्रास्त्रवे द्वाप्तः स्वाप्तः हित्तः । श्रुव्यासः में वे क्षेत्रः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्व स्वाप्तः स्व

३ रे स्टार्ब्रेयालयोशाग्नीश

यो.चि.श्रीया.वी.स्या.यी.चट.सर्ह्स्ट्रसी । यो.चि.श्रीया.वी.स्या.यी.चट.सर्ह्स्ट्रसी । दनन्-वर्ड्ड् वर्ष्य्वरत्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्

হহ:বীঝা

द्वी:क्ष्य:द्वर:क्क्र्य:क्क्र्य:क्क्र्य:क्क्र्य:क्ष्य:यक्क्र्य:क्ष्य:यक्क्र्य:क्ष्य:यक्क्र्य:यक्क्रय:यक्क्

रे इं नडुंद से ल रस्य प्रश्ना

रट:बीश्रा

द्रिः भ्रुक्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस विद्यासः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः स् विद्यासः स्ट्रिस्तः स्ट्रिस्तः

র্বন্ধর রাজ্য ব্রং ব্রা শ্বী নার্ক্র বর্জী প্রান্ধর বর্জী । ভাষা ব্রামান ব্রা প্রান্ধর বর্জী শ্বী প্রান্ধর বর্জী ।

१ বৃদ্দ: শ্রুল: অবাশ:শ্রীশা

देर:तुश्वः कॅदः सेवाशः ग्रीः वार्षेवः बुः व्यः व्या। व्येः व्यः क्ष्यः वाष्येरः वीः द्वारः तुः श्रुरः हो । श्रुः व्येवः वारः क्षेदः ग्रीः ग्रीः वाः वः तुः श्रश्या। क्षेवः श्रक्षंवः क्षेवः सेवः तुः व्यद्यः वरः ग्रीदः हो। । वेशः दरः।

रट:बीश्रा

देर-सर-तुस-स्वस-ग्री-ह्र्नि-विहेर-वस्त्रस्त्। । स्रोटेश-द्या-स्व-ति-वि-वस-स्व-स्ट-स्त्रा-। स्रोट-स्व-स्व-से-वि-वस-स्व-स्त्रा-। से-से-दिव-से-स-स्व-से-वि-वस-स्व-स्त्रा-। विस-स-स्-तुर्दे।।

१ व्ययः नगरः व्यायः चुनार सर्वे वः श्रीया

द्यार्थः नजुः ज्ञेत्रात्यः स्वायः स्वायः स्वायः व्ययः । प्रायः नजुः ज्ञेत्रः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः । द्येःषीःक्तुःसर्ळेःक्रेदःस्यःस्यःश्वन्यःग्यः। । देरःसरःसरःषःसदःसःस्यःस्वन्यःस्यस्य। । वेसःदरः।

লম্প্র ম্ম্র্রিঅ:ক্রীশা

न्यां से स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्य स्वत्य

रट:बीश्रा

३ र्रे स्वरःश्रेतः हेयः क्षेत्र श्र^{द्}रा

र्मि: नित्र नित्र क्षेत्र क्ष

न्नरः र्केशः समुद्रादे भेवाना से से रहेशा । बेशान्या

रट:ग्रीश

১ মন্ট্রিঅ:অবাম:গ্রীমা

यन्ताःचीःसनीरः तन्ते त्यस्य स्वाकः शुः स्ट्रां । ब्रेकः न्तः । स्वाद्यः स्वादः स्वा स्वादः स

ष्परःदःस्रःग्रीश

स्यान्यास्य स्वान्यात्र स्वान्य स्वान

५ रेन्धेर वा रम बीया

न्गुरःग्रवःवःतुरःअर्देगःगे ह्वःयःभर।। क्रम्भःमविमान्द्रकुरःदर्द्रभःग्रीःविद्यःद्येःदर्। । 'નુગાન:નુ:છુંવા:બેન:ર્સુ:બેવા:શુ:લૅન:નુગાન:વન્ની | न्दो नर्गेन्द्र मुँग्रास्य धे सहय गाडुग्रस नेत्। डेस्पर स्थानुर्दे।

ౙఄఄ౺౽౽౽ౙఴఄ౾౺ౙౢఀఀఀౙౢఄ౷ౙౘౘ౾ౙౘౘౘ

১৴ ২৮.ট্র্লেনেমাশ.গ্রিশা

नन्नार्क्वे ते ते ते ते ते नन्न नुकुर नि বর্ক্টর্বের্ঝান্ত র্মান্ত বর্মান্ত বর্মান্ত বর্মান্ত বর্মান্ত भूनर्यायम् इयावायेटावीः र्श्वेनाः हुन्यदे स्टे*।* ॱड़ॺॱॹॣॺॱख़ॗॺऻॱऴॕॺॱॸ॓ॱॼॺॺॱॺॱॹॗॖऀॸॖॱय़ॱॺऻऻॿ॓ॺॱॸ॔ॸॱऻ

षर:द:रर:वीश

શુ..બેશ.યાંફે.શૈયા.યો.સૈંચજા.શે.તર્જીજ્ઞજા.સ.ધજાી ! र्ह्वे प्रत्ये प्रत्ये अप्ते व्याप्त विश्वास्त्र विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्व धेन⁻र्झेट्स-झुद-र्से-र्ळे नन्। सेट्-प्रह्मस्थ-प-ट्न । <u> इं.र.अ.अ.ज. ध्रुंच च.ख्रेच ख्रुंच च.ख्री च.च.च विश्व च.ख्रेच विश्व च.ख्रेच विश्व च.च्ये विश्व च.च्ये विश्व च</u>

१ गुन्यहिन्यइ, नग्र सेंश

न्यत्र केत् की अर्केना ने क्षे स्वा नी अप्तर की । न्यतः में न्द्र स्वायतः वर्ते क्षेत्र नात्वेत न्द्र न्या । न्यतः केत्र स्वायतः वर्ते क्षेत्र नात्वेत न्द्र न्या । न्यतः केत् क्षेत्र केत्र केत् केत्र केत् की । क्ष्य केत्र की । क्ष्य की ।

बेशन्दा रदावीया

बुर्दे। ।

द्रयाकाः संबंदा की. क्र्यांका क्रायाका श्रीकाः श्रीत्वाः निर्धाः । विकासाः श्रीत्वाः स्वाः निर्धाः क्रयाः निर्धाः निर्धाः क्रयाः निर्धाः निर्धाः क्रयाः निर्धाः निर्धाः निर्धाः निर्धाः निर्धाः क्रयाः निर्धाः निर्धाः

३) विचरा नगर कें ग्रा नुग र में वा की श

भूनर्थःभूनर्थःशुःसाधेन्यःस्ते त्युःस्ते । हेर्यः प्रस्ते । हेर्यः । हेर्य

रदःग्रीश्रा

ब्रीट्र क्षेत्र का के किया वाली के किया वाली किया वाली किया के किया वाली किया वाली किया किया किया वाली किया वाली किया वाली किया किया वाली किया वा

< र्रम्सः वीका

र्म्यन्भ्रिं त्राव्ये प्रति त्र्ये प्रस्तान्य स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्

বুৰ্না

५ रूर्रा में आ

निशःरेनानीःश्चितःश्चिरःकेदःस्यः तह्नायः तिश्वः । यक्ठेः दुरःनीः यसः वितः दुसः दःशेः तृयः यस्। । श्चःक्ष्यं यशःश्चेः व्यवः सेः र्तृनाःश्चेनाः नीदः दु। । र्वेदः रेनासः श्चेःयसः र्देदः यश्चुनः र्दोसः नार्वेदः दुः क्षे। । विसः यः श्वः

বুৰ্ণ

৫ ৴ মন্ র্রাঅ অবাশ গ্রীশা

सर्हे त्रयायानदे यया ही हे या धी पर्वित ह्या नुसःक्षेत्रःसळ्त्यस्य स्थान्यः सुनः क्षुः यदः स्थेनः त्या न्ययः सामिति से माने सम् से स्थान *'નુશ'ન્* કુત્ર'ન્તુa'એન્'ન-'ખબ'ફ્રું'ત્ર્વ:'કે'ઍન્ |કેશ'ન્દ'|

रट:ग्रीश्रा

सहस्य नेवानगर सुवर्शे महस्य रेखे हैं स्वी सर्वे कु पहें व ५५५ मा व में र रे ५५ मी र पर्या य:रश्यःप्रकुषःर्यःत्रुःकुषःपत्नेत्रःप**।** । श्रेस्रशःस्प्राद्धरःह्माशःसुःख्वरःदेः। । ब्रेशःसःसूःनुद्धे । <u>ૹ</u>ૢ૽ૣઌૺ.ઌૻૻ૱ઌૺ૱ઌૺ.૱ૡૺ.ક્કુૹ.૱૾ૢૺૹૺૹ.ૡ૽૽ૢ૾ૢ૽ૢઌ૽૽ૡ૽ૻ૱ૹ૽ૺૹ૽ઌ.ઌૺૹૺૹ. यक्षेत्राने।

१) ব্রি:বর্ল ক্রেম:গ্রী:গ্রি:য়য়

सद्राय देवे व से के ना ना सर्य प्राय प्राय के प्राय *ऄॸ*ॱॸॱड़ॴॱऄ॔ॺॱढ़ॺॱढ़ऻॕॖॺॺॱक़ॱऄॸॱढ़ॸऀॱऄॗॕॗॱॸऻॎ *बदः ब्रेद*्कुदः ब्रेदः त्यरः क्टें :द्दः तः त्यदे :द्वादः प्यदः। । <u>क्तुंब प्रवर्भिया पृ 'वस्य प्रयम्ब क्ष से प्रवर्भ 'र्स्सु 'या । विश्व प्रप्रा</u>

न्गे.पन्यःक्रूश्राप्त्रेषाःश्रीश

रट.ग्रीश

ৰ্শী।

१ रूरःश्रीश

३ रूप्तीश

बॅ.ल.रचोट.क्ज.र्रट.क्ट.चटु.मु.मु.कु.जी.री । ॱॺक़ॕज़ॱॺॊॱॺढ़ॺॱॺढ़ॺॱॳॱॸढ़ॖॎ॔ॺऻॺॱय़ढ़ॱॾॣॕॕॺॱक़॓ढ़ॱॺ॓ड़ॱॴॸॱॎऻ ૹ૾ૼ૱ઌ૽૾ૢૺઌઽૢૺઌ૽૽૱ૡઌૣૄ૿ૢૼૢઌઌ૽૽૱ૹૢઌઌ<u>૽</u>૱ઌ૽ૼઌૢૢઌૢ *સુનાસ:શૈ:વ*ર્તુક,સ:ને.તથીય.તણ.શ્રીન.ધી.તણવાનુ विश्रायाष्ट्रा

ৰুই||

ने।

ૹ૽ૼઌૄૻ૽ઌ૱ૻઌ૽ૢ૾ૹ૽૱ૡૼૹ૽ૼૼૹ૽૽૽ૢ૿ૺૡૢૹૡ૽૽ૺ૾ૡ૽ૡ૽૽ૢૺ૾ૹૣૼૡઌ૽૽ૢૹૢ૾ૢ૱૱ૹ૽૾ૹ૽

१ ৴ৼৼয়ৣ৾৻য়৻য়য়৾য়৻য়ৣয়৻ વાદ રિક્રા નિયાના શું શા સ્ટ્રેસશાયલે ત્રદ મેં ગાયા રેક્સા ચૂર ગાર્વે દ્વા | ळंद'रेग'यग'इय'य'र्सेग्रथ'र्धेद'नृद'लेश'द्यु'सेद'द्या । निर्देश्चर स्ट्राय मुल्ला स्थाने स्थाने स्थान स्थाप ।

551

হ্ম-গ্রীশ্য

ष्ट्यःक्षेटःक्रानुसःन्तुषःचदेःसँ क्रूटःसँ सँ इसःम। । <u> हेद'सळंद'सु'ह्युद'ग्राथेद'द्ये'कु'ख'ळुद'य'सद'द्या ।</u> — ४० —

त्म् । विश्वासंक्ष्यक्ष्यं भ्रम् । वर्मे न्यत्रे न्यत्रे न्यत्रे स्वयं स्वयं

४ रे-४-र.श्रेज.र्ज्ड श्रे क्रि.शक्कुश

য়ৢঀॱয়ৢঀॱॸऀढ़ॱॼॖॆॱक़ॖॱॴऒॹॖॸॱॸऀॖॴ ॴॱऄॺॱढ़ॾढ़ॱक़ॕढ़ॱॸॖॖॱॸॸऻॿॴॺॱय़ॱॸॗ॔ड़ॺॱॴॺख़ॱॹॖॆॱढ़ॕॸॱॶॖॸॱऻ ॾऀॱख़ॖॺॱॸऻॖऀख़ॱढ़ऻऀॺॕॸॱॹॖॆॱॸॸॴॱॺॕॱॠॖॖॱॸऻढ़ॏॱॵॱॸॸॸॱॾॗऀॴ ॱ ॾऀॺॱढ़ॺॱॾॆॱॸड़ॖ॔ॺॱॹॖॆॱक़ॖॱॺॱॺॗऀॸॱॸय़ॖॺॱॶॱॸॿॖॴॺॱऄॴऻऄॺॱॸॸॱऻ

रट:ग्रीश्रा

श्रेप्ट्रिन्द्र्यः श्रुप्त्री ।

श्रेप्ट्रिन्द्र्यः श्रुप्त्री ।

श्रेप्ट्रिन्द्र्यः श्रुप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्री ।

श्रेप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रीः विद्याः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रीः ।

श्रिप्तः श्रेप्तः श्रेप्तः श्रीः विद्यः श्रीः श्रेप्तः श्रीः ।

श्रिप्तः श्रेप्तः श्रीः विद्याः श्रीः विद्याः श्रेप्तः ।

श्रिप्तः विद्याः श्रेप्तः ।

श्रिप्तः विद्याः श्रेप्तः ।

३ रेन्नेरःदा इरःन्गरःर्ह्वे नवरः बेदः समाग्रीमा

<u> चुरःङ्ग्रुचरः ष्परशः सें मिषुः षो मिर्बेरः सः दरः २५ ।</u>

बुर्या। स्यानः वर्ते न्यान्यः अर्के न्यानः स्यानः स्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यान स्यानः वर्ते न्यान्यः अर्के न्यानः स्यानः स्यानः स्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यान स्यानः वर्षे न्यानः व्यानः व्यान

रट:ग्रीश

वेशन्तःकृत्ति ।

ळेना नर नर्ड निल्य क्रिया मिट हो स्वाप्त क्रिया मित्र क्रिय क्रिया मित्र क्रिय क्रिया मित्र क्रिया मित्र क्रिया मित्र क्रिया मित्र क्रिया मित्र क्र

युनःरेग्राश्हुःसर्केग्राग्रीश

 यद्गः म्यायाः स्त्रीत्राः क्षेत्रा । क्षियः श्रमः न्यः स्त्रितः स्त्रेः यद्गितः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स् यद्गे । श्रम्यायाद्ये । क्षियः श्रमः न्यः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्र यद्गे । श्रम्यायः स्त्रित्यः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः

यप्रशः द्वरः द्र्गेवि सर्वे वा मुः सर्वे श

चीर-भूर-सुषु-र्त्तुट्या । विश्व-दर्ग सहस्य-कूट्या । प्राचित-स्रीयस्य-स्यान्त्र-स्यान्त्र-स्यान्त्य-स्यान्त्य-स्यान्त्र-स्यान्त्र-स्यान्य-स्यान्त्य-स्यान्य-स्यान्त्र-स्यान्त्य-स्यान्त्र-स्यान्त्य-स्यान्

रट.गुर्था

यगव्रावाचरः से प्राप्त व्याप्त व्याप्

मून्या अव्यान्या विषया विषया

श्रुवःत्वाःस्रावस्यःयःयः व्यक्षः स्त्रेन्यः व्यक्षः त्यः व्यक्षित्रः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः सः वार्के वासः व्यवेः स्वत्यः स्थः यदेः व्यतः स्वतः तुवासः स्वतः स

য়ড়য়য়৻ঀ৾৾ঀ৴ড়৾ঀৢয়৻ৠৢ৻ঀৼৢ৻য়ৼয়৾৻য়৾ঀ৻ঀ৾য়ৢয়৾য়৻য়৻ঀ৾য়য়৻ য়ৣ৾য়৻য়৻ৼ৾৻ৼয়৻য়ৢয়৻ঀঀ

श्रुव:रमा:ब:दह्मा:चदे:बशा

*শ্লু*ন'শ্লুৰ'না

मे में दासि है नि

ब्रेस्ट्रियःक्ष्र्यः देवायःद्वरःयाद्वेदःद्वरःद्वरःयःवव्वी । ब्रेस्ट्रियःक्ष्यःक्ष्र्यः

र्शेषायादी

र्के. व्य. माना हे माना अध्यान अध्यान अध्यान विष्य स्थान है । स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

नर्हेन् चुदे र्ने नाडेना र्जे व्यागिषा नाष्ठिषा व्यागिषा व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप श्रुम रहे र सबदे र चुदे ता नाडेना नीषा नाष्ट्र वाष्ट्र स्वाप्त स्वाप्त

वर्षामानी

यदे दि र्र्स्स्न सार्क्ष सास्त्रह्म हिन्द्र साम्येश मान्य स्त्रीया मान्य सिद्ध यहि सा मान्य मान्य स्त्रीय स्त

न्दिरःश्रुवःस्याः शेर्यास्यायः यो चिर्द्धः स्थाः स तक्ष्यः त्रवे त्रव्यासः स्प्रात् । श्रितः स्थाः स् विष्यः त्रवे त्रव्यासः स्थाः स्थाः

ଵଵୖ 'ॺ'ଞି ୩'ଞ୍ଜୁ୩'ଵଵ୍ଟ'ॺ'ଵॆ ।

ଞ୍ୟଞ୍ଜିୟଂଅଂକ୍ୟୁକ୍ୟଞ୍ଚି

ગાલું અ.તા. ક્ષેત્ર. જ્ઞા. જાલવા તાલું ક્ષેત્ર. તાલું તાલું ક્ષેત્ર. તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું તાલું જો. જ્ઞારા ક્ષેત્ર. તાલું તાલું

देःलटः ब्रुवः क्रॅटः सः लेवः यदेः क्रुवः तः त्येतुः दृहः स्रूरः दृहेशः नश्चवः नहुः र्षेदः दे।

₹"ন"অঝ

श्चर-व-र्व-दृदशःसहस्रःहेन्-दृदः।। श्वव-दृदःश्वेव-हु-वार्विव-य-दृदः।। द्वि-वाश्वयःव-दृदःकु-के-वा। वहिन-दृदःसहस्य-दृदःहेन्-दे-वहिना।

बेशःकुदःचङ्गःषाकुःवारःघशःभरःक्षेत्रेःवर्देदःक्ष्यःचन्दरःश्रवाशःसरः

हिरादहेव सक्षाहिर श्रुराव स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

र्श्वितः सः स्वर्धः वात्रः वात्रः वात्रः व्यान् वात्रः व्याः व्यान् वित्रः व्याः व्यान् वित्रः व्याः व्यान् वित्रः व्याः व्याः वित्रः व्याः व्याः वित्रः व्याः व्याः वित्रः व्याः व्याः वित्रः वित्रः व्याः वित्रः वित्यः वित्रः वि

3 |

प्रिंश क्रूट, लूट स्ट्रेंट अधिकास स्थ्योग अग्नी श्रुव त्यो व्यापावव हिना व्या

वश्चमारगुद्र-द्रमायः खेमाश्रास्था

त्र्वर्यात्रात्रात्रीत्रम्यात्रस्त्रीत्रम्यात्रस्त्री । स्राह्मम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्री । स्राह्मम्याद्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्री । स्राह्मम्याद्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्ति । स्राह्मम्याद्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्ति । स्राह्मम्याद्रस्त्रम्यात्रस्त्रम्यात्रस्ति । स्राह्मम्याद्रस्ति । नेशन्तासर्मयाधेत्रसदेखसायम्बर्धा वर्त्ते.ज.ये.केर.चड्ड.चटु.श्रुश्याःश्चयःसूरि हेनानाहर् हे प्यर सेर्प्स दे : इ.क.व. है। । र्देन:इशःश्चेनाः कुरः अर्हेन: नदेः सेनाः ननः उत्। महेदायमान्याया चुम्रमायदे में विमासी। *त्*र्वासामाराज्ञुहार्क्केमायदेग्यसाक्षुग्रेम् । गुत्रः ग्रीयः गर्ये प्रवेशहायः ये ५ ५ ५ ५ मतः स्री। न्यरः भ्रीत्रस्य खुवः होत्रस्य देशस्य अपने देशि ব্যব্যর্থী ব্যব্ধব্যব্যক্ষ মধ্য বিশ্ব মৌ । र्र सेयमाञ्च यर में नदे वया वर से । याडेया हेट र अर में प्रदे हेव प्रचेता समित्। नुः अर्दे नार्डवार्हे ग्रथः प्रदेशवः क्रा

म्बर्यानिकायित्वे स्वान्ति स्व स्वान्त्र स्वान्ति स्वानिति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वानिति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वानिति स्वानि

सर्ने अर्-स-र्गे पर्यं क्रिंश वसेया ग्रीश

बर.क्रब.स.सबर.श्रन्तिः स्ट्रीस्त्रिः क्रिश्च स्त्रीत्त्रित्ताः । ।
सन्त्रीतः श्रन्तिः त्रम् त्र स्त्रीतः स्त्र

तर्ने त्या विवासे नित्त स्वतः नित्तः व क्षेत्रः स्वतः स्वतः

অহ:ব্য

स्रेत्रव्हिष्यभाग्नेः र्नेष्यभाग्यस्य व्यवस्य ह्रास्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्वस्य विश्यस्य विश्यस्य विश्वस्य वि

ૡૢૺૹ੶ਖ਼੶ૡૢ੶ਜ਼ૢ੶ਜ਼૽૽ૺૠ૽૽૽૽ૢૺૹ੶૱૽ૺૹ૽ૺ૱૱૽ૼૡૢૡૢઌઌૢઌ ૡ૽ૺૹ੶ਖ਼੶ૡૢઌ व गर्विव श्रुव रण पर शेर हें र ग्रीश व्याश्राशेषार्हेना ने अर्वे सुना नर्षे विद्या इ. भ. हे वा. वी. रसाव. पर्वे र. यहा । यव्यान्। व्यवस्य म् स्यान्य स्यान्य । न्वेबःभ्रें चनानीः भ्रेंचः न्धेंबः इबः वें।। निरनेर:५गर:ग्री:५त्रुग:य:भ्रेग:क्रुवा। भ्रःर्क्.र्यारःग्रुःक्षरःक्रःक्षेतःक्रुवा । र्-इ-राम्ध्याग्रीः हेराययनेन्यदे। खुरु कें निर्वामी श्रूट में इत दें। इयः ईग्रायः येदः ग्रीः द्वुदः तुः नेगः नेग म्बि:पहेंब्र:बेर्-ग्री:कर-प:न्वा-न्व देन् । १३वा स ५८ - १३वा स ५८ - १३वा स बे'सु'नडर'ग्रे'क्ष'पर्श्चेर'इन'र्वे।। <u> क्</u>ष्म् अनुमः द्वारकः श्रीः वि. च. अमः चन् । थेन्-न्वेन्रु-र्रम्म वी-वेद्यन्तु-प्यन्त्रम् । श्रुेअ:सुमा:नर:ग्री:र्देर:बेगा:ळं:नदे।। विदासम्बदादिनामी क्षेत्राके वादवादि । वश्चमाः चरारमा श्री हार् के रावहेवा दे। বহার ঐ ব্যাশ হী বার্শ বর বর্ষীর বী । त्त्वं प्यटः दुसः दः द<u>शेः क</u>्रें गः हो नः पदे। र्नेत्रव्रस्थायेत् ग्रीः चन्याः में 'इत् ही । रशाम्र मिर मेर मेश अरव में मिया पर्या <u> इश.क्रु.मुरःग्रेश.इस.नेश.स्राथ.दर्ग</u>। श्वेरापाकुराव ह्यानाकेंगामदी। क्रिंक्यप्रधित्रशेः क्रिंक्यप्रकार्वे। न्वर्रिस्यो से अन्तर्वा व हि: ५६: ५ ग्रम् ही: हे ५: र्बे : ध्वाः वी। भुःगुदःह्निःग्रीःग्रन्थःर्भेषःनदी । म्राप्ति हेत् श्री के अप्याद्व रेत्। <u>इं.र्ह्रेय.स.लु.क्रूश.क्ष्त.ट्रे.रटा ।</u> महस्य मेर्ने प्राप्ती मार्च संस्कृति । संसमार्येषान्। नुसंसम्बोधान्विषान्। ग्राम्याः ते प्रमानी ज्ञासा इत दे । तुन नने के दारी अर्थे दारे में माथा। न्राधुनाम्बेनानीः श्रेन्यस्य नि दळे'क्×ायेद'ग्री'कुय'न'इव'र्वे। । <u>इं.रचाय:य:य:रचाय:य:ग्रेर:यंद्री ।</u>

यर्चेर.वर्ट्र.वर्च्चा.वर्ट्र.क्षेत्र.चब्चेट्य.क्ष्री । क्षे.चेत्री । व्यूट्र.क्षेच्या.च्चे.क्षेच्ययं.ट्र्ट्र.चक्य.क्षे । यर्च्च.क्षु.क्ष्ट्र.ट्रेश.श्चेच.सद्य.ट्र्ट्र्यक्षा ।

न्वेशमा सेतुःन्वेशमान्यस्ते।नन्दामा

र्देव:म्यान्यः विद्यान्यः विद्यानः विद्यान्यः विद्यान्यः विद्यान्यः विद्यान्यः विद्यान्यः विद्यानः

श्रुव-न्यानी क्रुव-बिश्य-न्यन्ति ।

विद्यान्त्र स्त्रुव-न्यानी क्रुव-बिश्य-न्यन्ति ।

विद्यान्त्र स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्र स्त्रुव-स्त्र्य-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्रुव-स्त्र

<u> বিশ্রুব'স্তি'</u>সঞ্চব'রিব'নপ্র'মা

ૻૄૼૢૼ૽૽ૢ૽ૺૢૼ૽૽ૢ૽ૺ૽ૹ૽ૺૼૼૼૺૺઌૣૹ૽૽ૡૺઽૹ૽૽ૺૹઌ૽૽ૺઌૺૹૹૹૹૢ૽ૹ૽ૺૼૼઌૹ૽૽ૺ૾ૺૹ૽ૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽ૺ ૱ઌ૽ૼ૱૽૽ૢૼૡૼ૽૽ૢ૽૽ૺૼૡૼ૽૽ૺ૽ૺૼઌ૽ૼૹ૾ૺૡ૱૱ૹૢ૾ૹ૽ૼઌૣૹઌઌ૱ૠ૾ૢૢૼૡૼઌ૽૽ૺ૾૽ૢૼૡૹ૽૽ૺૠૼ ૹૹૹૡૢૡૹૢૹૹ૽ૼઌૣૹઌઌ૽૽ૺૹ૽ઌૣૺૺૹૢ૽ૺઌૣ૽ૹ૽ૢૺઌૹ૽૽ૺઌઌ૽ૺ૱ઌ

*ব্*ৰ'ক্সৰ'গ্ৰী'বন্ত্ৰ'বৰ্ণবা

र्दः निवि निर्दे निर्द

য়ৢतर्र्भूत्रंत्रंत्रस्य प्रमानिश्य प्रमानिश्वा।

स्त्रित्रस्य स्त्रंत्रस्य प्रमानिश्वाः

स्वर् स्वर्

त्मृं में क्रिक्ट्रात्मृं वास्त्र मिलक् त्मृं वास्त्र मिन्न स्थान स्यान स्थान स्थान

र्ट्र. इंश. तथा चैट. य. क्रूंच. यथा ख्रुट. त. इंच. क्रुंच. यी श्रेंथ। क्रुंच. ख्रुंच. या है या म्राचार्र्स् निविद्युष्ट, स्वाची स्वाचार्य स्वाचार स्वाचार्य स्वाचार्य स्वाचार स्वचार स्वचार स्वाचार स्वाचार स्वचार स्वचार स्वाचार स्वाचार स्वचार स्वचा यर्भ्यायर्ह्न् ग्री: क्रुद्रायत्वे त्यया श्री: प्रोप्यस्यायर्ह्न्। यावे वाद्राप्तराह्न् क्रूभःचाडेचाःसदःचर्स्रभःचर्ह्न। क्रूंबःस्रेनःचर्ह्न्यःग्रीःक्रीवःचाशुस्र। ५करः लय.क्षेत्रका.क्री.खेट.क्षूंय.तथा.सेजा.वैट.क्षेत्र.चखे। ट्रेट्य.क्रा.च.क्षुं.चय्यात्रा.क्री. ૹ૽ૺૢૹૢ૽ૼૺૣૹૢ૽૱ૢૼૡઌૢ૽ૣ૽૱ૢૺૹૼઌઌઌ૱૽૽ૢૼૼઌૢઌ૽૽ૺ૾ૹૢ૾ૢ૱ૢ૽ઌ૿ઌ*ઌ*ૹૺઌઌઌ૽ૣ૱ र्नः हैंग शेस्रशंसेन रनः हैंग गी क्रुम गड़िश देश स्त्रु उद नि । ५५ स्त्रु उदा श्रेवःवयःश्चःच्वःश्चेःद्वेरःवर्हेदःवच्या क्वेवाःश्चेरःवेदःहःश्ववःवेदःवययःद्दः বর্ত্তীর-বর্ষানাবিধ,লেইবা,নকার্ছী,ছিপ,বই,ইবা,লকার্ড্রকানত্ত,ছিঁ। স্থান্ত্রকা यदः है। क्षात्रधूर के है। है रुष लेष हेर के खे बद र्द्ध से रादे है रिष् देवाश्वाञ्चेत् देवाश्वायदेः क्रुदेः क्रुदः दुवा दवादः श्रुः विवायो। दवीदः यः <u> ત્રાજાતા સૂર્ય ત્રજાર જાતા કથે. શું ક્ષેત્ર ત્રજ્ઞ જાતા કથે. શું ક્ષેત્ર ત્ર શું ક્ષેત્ર ત્ર શું ત્ર શ</u> नर्सूत[्]र्र-पाश्रुस्यायशक्त्रायानर्सूत्रर्र्न्नःग्रीःग्रुत्। स्यायानर्सूत्रर्न्नःग्रीः क्विरामहिषा भ्रम्यासेदानर्सेन्यान्यान्यान्त्रीयान्यान्यान्यान्यान्यान्त्र्या क्चित्रश्र.कं.जन्नारूय क्चिय पश्चरकी रेनुमायरूरी प्री.पश्चरक्षेत्रा वीना चीना पर्री. र्श्चेन.क्ष्य.यष्ट्र.र्केष.यर-२.यर्केश.लूरी स.ष्ट्र्यु.सैर-रेस्। लीज.योजुशी रेयोवः नावम् नर्गोन्या वेंनाया उमा आक्रान्य का की मुना ननाया नर्या निया निवास न वर्षा गीयःसयः नटः मिक्रुः यदः मिषा स्रीयः मिषः नटः त्यायः यदः मिषः स्वायः मी कुत् न्न्रम्भः द्वरः न्नरः भ्रूनभः नर्ने सः न्रेभाषाः सः वर्ने वरः से : सुरः नः सः धोदः हों

से में इ.स.चरा

श्रुव् त्याःश्राविष् सेदिः क्वें त्याः त्यायाः त्या त्याः त्या स्वेदः त्याः त्या स्वेदः त्याः त्या स्वेदः त्या स्वेदः त्याः त्या स्वेदः त्याः त्या स्वेदः त्याः त्या स्वेदः त

५५:व्यः ४८:५३ विष्यः ५५:५५

सळ्द'हेर'र्रा र्हे'रा'गहेरा'यश्

८८:म्.अक्ष्यः भेटःसी

ॸ॔ॣॕॕऒय़॔ॱॸॸॱॺॊॱॸॸॱॸढ़ॏढ़ॱॺॱऄॗॕॱॷॖॸॱॷॸऒॸॖ॓ॱक़ॖॖॖॖॖॹॴॷॗॱ ऄॗॕॱढ़ॴॸॣॕढ़ॱॻऻॴॺॱॸॸॱऄॕॣढ़ॱय़ॱऄॗ।

> याहेशःसःन्त्रीःसःदी नेयाशःन्दःग्रःसःर्पेदःहदःह्या ।

श्चें श्चें योड्या यो भारे दे रे रे या भारतस्त्र स्वेत्र स्वर्ग स्वर्ग स्वेत्र स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वर्ग स्वरंग स्वरंग

₹'ন'এঌ৻

बे.क्र.चट्टी.ट्या.क्र्या.चह्या.क्रेया । मर्जुय.स.म.ट्र्या.श्रिस.झेट.क्या । मर्जुय.स.म.ट्र्या.श्रिस.झेट.क्या । सक्क.च्र.ट्या.क्र्या.सहस.क्या ।

য়ড়ৢते।वार्नेवान्त्रमःबिनःन्द्वीत्रमःत्वानाः। वार्वेवाःसःसर्नेवाःश्वरःत्वे रेवाःद्वाःसक्षेत्रःसःन्न। सद्येत्रःसःन्यानःश्वरःन्वे।वार्नेवाःश्वरःश्वरःत्वे। र्षे विने न्वाःवःक्षेवाःवह्रसःस्श्वरःश्वरःश्वरःत्वे।वार्नेवाःश्वरःश्वरःत्वे। त्वे स्वादेवाःवःव्यत्वाःव्यत्वाःश्वरःश्वरःत्वे।वार्वेवाःव्यतःश्वरःवःवे।वार्वेवाःव्यतःश्वरःवःवःवे।वार्वेवाःव्यतःश्वरःवःवे।वार्वेवाःव्यतःश्वरःवःवे।वार्वेवाःव्यतःविन्वःव्यतःविन्वःवःव्यतःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःवःवःविन्वःवःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःविन्वःवःविन्वःवःविन्वःविन्वःविन्वःविन्वःवःविन्वःव

व्दे वे देवाय रूट विव वर्डे द यदे क्रुवर्दे ।

र्वे दिव दर्भ अधुव भन्ने द्रभेर वर्दे दिवे। ग्रह्म कें प्रदार प्राया प्रवर केंश्र श्रुसःबिदःवहसःमवेःवन्नःवृतःपवःनान्न। र्श्वेन्यश्चर्यसम्बद्धाः स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् स्त्रेन्द्रम् म्रीनःसःनश्रेषःनःहिंदःकेःहःमें :इदि । (1) ॿॕॗढ़ॱज़ऀॸॱक़ॕॹॴॹॾॺॴॴक़ढ़ढ़ॱढ़ढ़ॱॸॖॱॸ॓ॴऻ

ष्पर:दा

'ব্নঅ:শ্বুব্ঝ:মান্ব:ক্টব:ব্ন:ক্ট্র:ক্ট্র্র:শ্রুমা ব্যাদ্রন্থের বের্ট্রী ব্যাহার হার স্কুর্ম বি ર્શ્રેના તારી સુર્યા ચેર્ચા સુરા સુરા તારી કરા ો ব্র:দৃশ্বি:सह्द:নম:ॡ্রিন্ম:ন্রিম:ন্রন্ম:ব্রুব:মধ্রুম।। ्रेत्यः येटः श्रेतः त्ययः यटतः यदेः क्रुवः गुतः नय्याया ।

रट:ग्रीश्रा

ર્શ્યું વ.ચતા.ત્રાજ્ય-ટેનું તુ.ત્યદ.જ્ઞુ. નવે ટે.સું ી सन्दर्भः स्ट्रमः द्वारमः द्वा दुः स्वः पदे । व

र्वेदःश्चेदःयःम्हःयः द्राः अर्थेदः द्वेदः विदः प्रायः विदः कुषः विदः कुषः विदः कुषः विदः विदः विदः विदः विदः व — 70 —

बुश्यास्य सुद्री । रीश्याम्बुद्धाः स्टर्शः क्षुत्रः स्टर्शः सुद्रः स्टर्शः सुश्चा । चनः बुर्स्बुद्धाः स्टर्शः स्टर्शः स्टर्शः सुद्रः स्टर्शः सुश्चा ।

শ্রীশ্রান্ত্রানামরার ক্রান্ত্রী

क्वतः प्रदेते स्प्रें नाबेर न्य इत्य प्रें र स्ट्रें व्य स्ट्रें। इत्य बि होत्र स्ट्रें बियाः

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वे र महें दि दे

वेशन्ते हिंद् सदे सुवाद् नाव सुवादे नाव त्र नाव हे त ही शास हिंदा विदान स्वाद है नाव स्वाद स्व

র্বি-মোদশ নথা

योर्त्यान्त्रादे त्वीर स्थान्य स्थान्

<u> অন্যৰ্শন্ম শ্বীদ্ধান্ধান্ধ ক্রিব, শুলাঞ্জিন, শ্রীদ্ধা</u>

स्त्रियाहिकाले नेकास्त्राचिका गुरुषा मुद्री । द्वान्याहिकाले नेकास्त्राच्याका श्चीता महिका मुद्रा । स्वान्याहिकाले नेकास्त्र स्वान्याका श्चीता महिका मुद्रा । स्वान्याहिकाले नेकास्त्र स्वान्य स्वान्य ।

रट:बीश्रा

निशुअ'स'ॲं ब'तृब'र्र्स्न'ने ब व'नहें द्र'स'वे।

क्रुव् प्देनेदे में निवेस नवना मंदे क्षेट निविस के अया ध्विन हो । क्रुव्यामा अया में संक्षेत्र मा क्षेत्र

र्वे देव दरस्य बुव यदे दिने स्वर्हे दिने

র্মুন্মানমানমা

र्म्यात्रभः नेशः तुः गुद्दास्य स्थाः स स्ट्रसः स्यः स्यः हुः वे वे वे द्वाः स्थाः स स्थाः स्था

व्यास्त्राचित्रा । इत्यास्त्राचित्राचित्रयाचित्रयाचेत्रेवाययाचित्रप्ते प्रम्याचित्रप्ताचित्रपत्तिचित्रपत्तिचित्रपत

> धरायान्यस्य सम्बद्धान्यम् स्वर्त्त्वीयः स्वर्त्तान्यस्य । स्ट्रास्त्रात्यस्य स्वर्त्त्रात्रस्य स्वर्त्त्रस्य । स्ट्रास्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य । स्ट्रास्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य । स्ट्रास्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य । स्वर्त्ति स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य स्वर्त्त्रस्य ।

হহ:বীশা

म्दार्थियायायदे स्थित स्य स्थित स्थ

स्यप्रतानिक विवास स्थित

न्हें स्यासे हो . ह्या सामित्र महिना स्रें स्यायसाहिन मिले हे से हिन के साम्याय स्यासे स्थापन

₹'ন'এঝা

ष्टुःसर्क्ट्रम्। कुःसर्क्ट्रम्। भूत्रःस्यःस्यः स्वाः । भूत्रःस्यःस्यदेः स्वःस्यः। । म्यून्यः स्वःस्यः स्वःस्यः। । स्वाः सर्वे । ।

 त्त्री (त्त्रेक्षेक्षः वारावद्गर्यवाचेर्णः) वाष्ट्री (त्त्रेक्षेक्षः वारावद्गर्यक्षेत्रः वार्ष्णः वार्ष्णः वारावद्गर्यक्षेत्रः वार्ष्णः वार्षः वार्ष्णः वार्षः वार्ष्णः वार्षः व

र्वे दिव दर्भ सम्बद्ध स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थान

हे नहुंद से ल रस्य स्था

यद्ग्यक्षेत्रभ्याय्येत्रः श्रीः य्वत्र्यः स्ट्राय्याः द्राय्याः यद्ग्यायः स्ट्राय्याः स्ट्रायः स्ट्राय्यायः स्ट्राय्यायः स्ट्रायः स्ट्राय्यायः स्ट्रायः स्ट्रा

অম:ব:র্নুই-মোদর্য:বর্ষা

स्याः म्याः स्याः स्य स्याः स यदःदग्रस्त्रः चित्रं श्रेटः द्यः स्वः स्वः स्वः । व्यद्याः श्रुः सेवाः दग्रस्ते स्वः स्वः स्वः । व्यद्याः श्रुः स्वः द्यः व्यवे सः क्षेः स्वः स्वः स्वः । व्यदः वसः हसः चित्रं स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः ।

रट:बीश्रा

ৰ্বন্ধ্যপ্ৰ প্ৰকৃত্য

चर्या सक्त्य.कुर्र.रेटा, रेग्री.यो सर्थ्यस्य.योशका.स्य.स्र्री.स्रीट.यन्तर.योशिस.

८८.स्.सब्ब.क्रेट.ब्री

न्हें ५ जुते रें ब जी ५ तो ४ जुत्या ५ तो ४ व जी ५ हें स से ५ ६ । ५ तो ते १ ५ हें स से जाहे स सब सहुत सहुत सहित्या के स सहुत सहित्या सहित्या के स

र्मेयान्तर्भात्र । स्वायान्तर्भात्र ।

यदे.ज्याद्ये.दराद्ये छ्वायव्य छ्वायदा अर्ड्य यदा अर्ड्य या अर्था होत् यो व्यव्य छेत् । व्यव्य छेत्य । व्यव्य छेत् । व्यव्य च्या च । व्यव्य च्या च । व्यव्य च्या च्या च्या च । व्यव्य च्या च । व्यव्य च्या च्या च ।

ळॅंअ:५वे:५१ॅअ:५वे:वर्क्केन:स:५८। । यवःद्ध्वः द्वे : द्रः देशः यदे : द्वे । देशस्त्रेन्द्रने न्दर्वस्थान्ते न्दर्भ दुष:वुर:रव:वहग्रथ:इ८:वुर:५वे। । र्क्रेट्यर्द्रचेर्क्केयरमहत्र्वेषयः द्वे। श्चर-५८-अव्याकेन श्चर-पदे-५वे। । नस्ग्रान्द्रान्द्रेद्दार्यदेदायवायानवे द्वो । न्ययान्दर्भे न के निर्मान . शुद्र : सेंद्र : सेंद्र : सेंद्र : सेंद्र : देशे । श्चेन् सेव न्ये न्य स्याप्त विश्व इस्रावशुरावर्षेटाचाटमार्टेनाद्ये।। ्वः ते प्रदेशप्त स्यात्त्वः स्यार्श्वे स्यार्श्वे स्यार्थे । । क्रुं धी: द्वी: श्रे: श्रुय: हु: यहिया | विय: श्रें |

नन'सॅ'ॐस'नसे'के।

য়ড়ৢ৾৾ৼ৵৻ড়ৄ৵৻৴ৼৄ৵৻য়৾^{৻য়}৵৻য়ৢঀ৾৻৴৻ৠৢ৾৾৾ ৽

म् अर्द्ध्यःक्ष्यः न्यान्यः वात्रान्यः वात्रान्यः विद्यः अर्ध्यः विद्यः विद्यः

र्वे देव दिन स्वत्र स्वतः द्वे र वर्षे र वर्षे द वि

हे नडुंद से ज रस मा

र्त्रेयाः यद्वयः सुं क्षेत्रः यत्वेदः दृष्टिम् । यद्वयाः संस्त्रः स्तः यत्वेदः दृः यद्वद्याः । यः स्यायः यद्धदः दृष्टः यत्वेदः दृः स्वर्यः । सुंद्रितः सुंवाः स्वरं देशः यत्वेदः दृष्टः । ।

লম্প্রাই নপ্তর গ্রীশা

क्रिंगःस्त्रात्मस्यास्त्रेःश्रुवास्यस्याः विस्रासःस्त्रेन्स्त्रेन्यस्यसःविद्याः विस्रासःस्त्रेन्स्त्रेन्यस्त्रेन्। विस्रासःस्त्रेन्स्त्रेन्। विस्रासःस्त्रेन्।

षटा हे न इंदर से त्य रा

वन्तराके के के नानवादन्तर्वा ।
वन्तराके के के नानवादन्तर्वा ।
वन्तराक्ष्यकार्या स्तर्मा के नानवादन्तर्वा ।
वन्तराक्ष्यकार्या स्तर्मा के नित्तर्वा के नाम के नित्तर्वा के न

र्वेर-तु-नुय-तु-र-व्यय-वन-कुय-र्केय| | म्हार-प-तुन्न-प्रते-तुन्य-विह्य-क्षेत्र| |

ম্ম:নীশা

ন্ত্রীর প্রান্ত্রীর প্রান্ত্রী প্রান্ত্রীর প্রান্ত্রী প্রান্ত প্রান্ত্রী প্রান্ত প্রান্ত

षक्दरशःक्रूशःर्टूरशःश्रःशःश्रूशःचरःश्रृग्वाशःवशःवीःचरःग्रुशःसःश्रे।

₹"ন"অঝা

हिंन् ग्रेनिंन्देन्दे सन् सन्ति । सेनान्ना खड्डसः हेंद् से निवेदा । वेस सः हेंस निवेदा हेंन्स । ने दे ने ने से से से से निवेदा ।

हिंद्रिं श्री मिंद्रिं ने इंड्रा माश्यर मानविदार्हे । श्रिमा बुद्र हे स्थ्रह्म स्ट्रें स्वार्थे ने स्वार्थे स्व

चल्वेत्रक्षेत्रभावाभवाःक्षेत्रक्षे । नवेत्रक्षेत्रभावाभवाःक्षेत्रक्षे । नवेत्रक्षेत्रभावाभवाःक्षेत्रक्षे । विक्रित्तर्भावाभवाःक्षेत्रक्षे । विक्रित्तर्भावाभवाःक्षेत्रक्षे । विक्रित्तर्भावाभवाःक्षेत्रक्षे । विक्रित्तर्भावाभवाःक्षेत्रक्षे । विक्रित्तर्भावाभवाःक्षेत्रक्षे ।

हे नडुंद से या रशामश रे विया र्यय में अविय वर्धे वर्ष क्चिनः से खुः धे : सि : ब्रह्म । अनुव:रे:अ:धे:यर:न्द:पद्या ग्राप्यान्ते मुत्यायळंत्र तसुरानात्र् । गर्धेव:दे:मङ्गः हो:न:वड्या नीट से अर्केट सदे ख़ुर्से रहा। कु:र्रःकु:स्रवःश्विशःतुसःदर्।। श्रृया:८८:याउद:याउद:र्से हि:५५। । इ:८८:३:२१म्थः३४:धुम्यःवद्या श्च-८-श्रुंदुःश्चित्रः सक्रेत्रः वड्।। व्रत्वुवरदह्दरळेव् इस्यायपरद्रा ब्रूट.कर:बेस.तु.सक्टॅट.ब्रीव.५५१। श्रर-८र-भे र्हेना सङ्ग्य दर्।।

षरः तः प्रह्मः न्व्यः स्वितः महोतः नहेः न्वरः सँश्।

तक्ष्यं न्या स्वाप्त स्वाप्त

रट.ग्रीश

द्याश्राक्षित्रवास्त्राचित्रा

୩ୄୡ୴୴୷୴୕ୢୖୣ୕୕୶୷୷ୡ୕୳ୣ୷ୡୄ୕

⁴ विरःवज्ञशःनुसरःर्गे।

হ প্রদেশ-শূর-প্রনিধ্য-প্র-বর্ণা-প্রবিধ্য

द्ये द्ये उद्यास्त्र द्वंद र्चे न्ये ह्वं वा सार् है।

₹'ন'অঝ

वर्ड्-रायः क्षेत्रः वर्ष्ट्-रायः क्षेत्रः प्रे । विश्वः याः या क्ष्यः व्याप्तः विश्वः या । वर्षः याः या क्ष्यः व्याप्तः विश्वः या । वर्ष्ट्-रायः क्षेत्रः वर्षः या ।

र्मे द्वार्ट्यस्वार्यात्रे द्वेर वर्हेट्वी

न्तरः भ्रे भः कुः वहें वः बेटः नकः सहें भः नरः नुका। विक्रवः कुः वः वः विवः वेदः न्यावः निवः न्यावः । व्यावः ने व्यावः विवः व्यावः विवः न्यावः । विक्रवः कुः वहें वः वेटः नकः सहें भः नरः निवा। न्यावः कुः वहें वः बेटः नकः सहें भः नरः नुका।

लट.य.र्नात्मा श्रीट्या श्रीप्या क्षेत्र, हुं ता क्ष्या हुं स्क्रिया हुं स

में स्ट्रिया-न्यायः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः । न्येन-न्यायः न्यः न्यायः स्ट्रियः । स्ट्रियः न्यायः न्यायः स्ट्रियः । स्ट्रियः न्यायः स्ट्रियः स्ट्रियः ।

হহ:বীঝা

चक्षकः चेत्रः क्ष्यः क्षेत्रः क्ष्यः क्ष्यः व्यक्षः विद्वा । सः क्ष्यः स्टेत्रः क्ष्यः स्टेत्रः स्टेत्यः स्टेत्रः स्टेत्र

निष्यंत्र स्टुंन दि 'वै। द्ये द्र द्ये स्ट्रंस स्ट्रंस द्ये स्ट्रेस स

इन्त्रःसम् ইন্ট্রিন্ট্রন্নিন্নেল্বিক্ট্নেস্ট্রুমন্ট্র।

⁷ ব্য:খ্যাব্য

ङ्-भुभःनवेद-५-भुःन्यन्य। वेभःनःनद-द्वाध्यःन्यन्यन्यःदे।। इ-भुभःनय्वेद-एदेःनद-द्वापः

न्ये उदाद सुरा न्ये सुन्य स्था निवेद दे सहस्य न्याय सुन्य सुन्य स्था निवेद दे सहस्य न्याय सुन्य सुन्य

র্বি-মোদশ্যন্থা

न्यान्त्रेश्यान्तेश्यान्तेश्चेश्वात्त्रेश्चेश्वात्त्रेश्चेश्चात्त्रेश्चेश्चात्त्रेश्चेत्रः विद्यात्त्रेश्चेश्च वर्षात्त्रेत्त्रम्यस्यात्त्रेत्त्यात्ते स्वस्यान्त्वेत् । वर्षात्वेश्चेश्चेत्रम्यस्यस्य स्वत्त्रेश्चेश्चित्रः व्यत्त्रे । ।

लट.यो रेशेटश.श्य.रेयोट.ध्रुशी

वन्यायान वर्षा निष्ठा के स्थान निष्या में स्थान निष्या

यान्याः श्रीः से त्यां स्वार्थः न्यान्याः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्य

रट:ग्रीश

<u>פי</u>איאאיאליקאיאּן

सक्दरमान्ये पर्मेन्याने हिं साममानिक सेन् हे माने मान्यान

हें।

₹'ন'এঌ৻

वित्रावयायत्याक्षेत्रात्त्याव्यावयाय्यावयाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय विकायायाय्यायायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्याय विकायाय्याययाय्याययाय्यायय्यायय्याययय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्यायय्याय

हिंद्रिक्षे विषक्षित्रे के किंग्य इदि त्यदार्स्ट के सम्बन्धि कर के दान

सर्ह्यत्याक्षी देल्यस्यान्वत्यतः द्वे हे श्रेन्यस्य प्रेत्वे हे स्थान्यतः स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

न्यासंक्रिंद्वराद्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यः स

अट.व.ट्नाचा.श्रुट्यायावत.क्रेव.ट्नाच.क्र्ट.श्रॅ.क्र्या.ग्रीया

इस्र यहेत् गाइंग मी क्वत् स्र्वेग देश | क्विय त्रेर गाइंट मी गास्ट त्य स्था | इसे व्यासित स्था मी क्वा स्था |

रट.ग्रीश

ह्यः वर्ड्स्यायः क्षेत्राच्यः व्यवस्थः स्त्रेः क्षेत्रेः व्यवस्थाः । व्याप्यस्यायः व्यवस्थः स्त्रेः क्षेत्रेः व्यवस्थाः ।

> तुन्।'स'नेस'अे न्'ग्री'न्से'क्री ने'सूर'श्रेन्'सम्बद्धारमण्याम्'स्री

₹'ন'এঝা

देखियाः हिंद्रायां द्रियः स्तर्भा । इस्यः द्रोत्याव्यक्तः स्टर्स्यः । वायः हेः स्पृद्धं द्रियः स्तर्भा । विस्थाः स्तर्भे द्रोत्ते स्तर्भा ।

रे विना हिंद् र है ज्वयार या ते खूना सें र हो व्यान ये सह नाय स्वराप है या त्र र दिया है या त्र र प्रति । दिये विद्या का स्वराप के स्वर

र्वे दिव दिन अधिक स्थापित स्था

ग्रह्म कें न्वर न्यय प्रवस्ती श्र

स्त्र मुद्दारम्य स्यास्य स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्य

लट.य.र्नाता.श्रीट्या.श्रीच्या.कुय.ट्रीया.क्टट.श्ली.कूया.ग्रीया

रट:वीश्रा

सक्षभादादेग्याद्भभाष्यभाद्भग्यादेग्। । निर्मभाषदेन्द्रप्रदेशक्षण्यम् । । निर्मभाषदेन्द्रप्रदेशक्षण्यम् । । निर्मभाषदेन्द्रप्रदेशक्षण्यम् । । निर्मभाषदेन्द्रप्रदेशक्षण्यम् । ।

ননুৰ্বাশনস্থ্ৰশনবি'ন্নি'ৰী।

८ द्रमत्मः शुद्रस्य गुर्व सिद्धेत् स्ये मुः क्रेस्य ग्री विद्युदः चार्वस्य

⁹ बुर्-सर-स्वित-र्स-सिद्धेत-र्ना

महिन्नान्त्र्यु नदे ज्ञानान्त्रियात्या स्त्रिन्त्र न्त्र ज्ञान्त्र स्त्र न्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्

हिंद्र-वर्द्द्द्र-सहेश-स्वादिः द्व-धिश्वा । इत्वतः क्षेत्र-त्यश्चात्रीश्चात्वः स्वेश-स्वा । स्वतः क्षेत्र-त्यश्चात्रीश-ग्रादः स्वेश-स्वा । स्वे-तदः वश्वश्वश्चात्वेश-स्वे-त्यो-ध्वादः स्विश्वा ।

म्बूश्यम् नश्वरायदे न्ते लेशन्य स्वरायस्य म्यूष्य स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्व

यद्गे.ल.श्रेश्चार्थः सद्गःस्ट्राः ह्रेश्चार्थः त्यूं त्यद्गे सर्वेट्रशः वाश्वयः द्यूंशा द्ये.ट्टर्ट्यः ह्रवः कूट्यंटर्वेट्यः ह्रेश्चार्थः त्यूं त्यद्गे सर्वेट्यः वाश्वयः व्युःश्चर्ये ।

र्वि-र्नेव-प्रस्वि-प्रयोग्-प्रयोग्-प्रमेग्-प्रमेग्-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्रयाक्ष्य-प्रयोग-प्

नम् र्श्वेन् मृत्युन् स्थ्यायः म्याययः सम् स्थायः सम् । विकानमा

नशुन्तः इसः निव्यक्षः स्थान्यः स्थान्यः स्थाः स्थान्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स स्थाः स

रदःग्रीश्रा

यान्त्रः उद्गः स्रोतेः स्तुन्यः सर्गेदः र्गेन् । विकारः स्तुः तुर्दे । ।

यक्तः स्रोनः त्वः त्वः त्वः त्वः त्वः स्वतः त्विः त्वः । ।

यहः त्वः त्वः स्वः त्वः स्वः त्वः त्वः त्वः । ।

यहः त्वः त्वः स्वः स्वः स्वः त्वः त्वः त्वः । ।

यहः त्वः त्वः स्वः स्वः स्वः त्वः त्वः त्वः । । विकारः स्वः तुर्दे । ।

यहः त्वः त्वः स्वः स्वः स्वः स्वः तुर्दे । ।

ने निष्ठेशकेंश्वान्त्रम् निष्ठेशकेंशकेंश्वान्त्रम्

₹'ন'শ্ৰশ

ক্সু আম:মম:নত্ত্ব:শ্ব্রু:শ্বিদ:মা

वित्रित्रीः वित्रात्ते वित्रित्ते न्या । सर्वे न्यो नित्रात्त्र स्थानितः स्यानितः स्थानितः स

हिंद्रश्चित्वयात्रे हिंद्रश्चे त्यात्र स्वत्य स्वत्य विद्या विद्या हिंद्रश्चे त्यात्र स्वत्य स्वत्य

न्ये : उद : द : विद्या न्ये : त्ये : त्य भूगमानम्बद्धाः विद्या : विद्य

र्वे दिव दर अधुव अदे दिवे र वर्दे दिवे

র্মুদ্রমানমানমা

त्तर्यक्षम् स्वर्णस्य स्वरत्य स्वर्णस्य स्वर्यस्य स्वर्णस्य स्वर्यस्य स्वर्णस्य स्वर्णस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्य स्वयः स्वर्यस्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वर्यस्य स्वयः स

८०० स्थान्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य स्थानिक स्थानिक

श्रमाः क्ष्र्राध्यायम् । ने त्यमा श्रम् त्यम् त्ये ने क्ष्यायम् त्या । नक्षाः त्रे व्यास्त्रास्त्रास्त्राः त्याः । नक्षाः त्रे व्यास्त्राः त्याः । न्याः त्रे व्यास्त्राः त्याः । न्याः क्ष्याः त्याः व्यास्त्राः व्यास्त्राः व्यास्त्राः । न्याः क्ष्याः व्यास्त्राः व्यास्त्राः व्यास्त्राः व्यास्त्राः ।

र्र मीश

कुषाःष्परः स्टाः केट्रार्ट्यः न्यादेः क्षेत्रः स्टाः । वेकाः सः स्टाः स्टाः स्टाः स्टाः स्टाः स्टाः स्टाः स्टा त्रह्यः स्टाः स नवित् स्टाः स्टा

<u>ব্</u>যুণ্ড'মহ'বচ্গ্ৰম্প'বৃথ'ষ্ঠী

बोद्रायात्वार्व्यद्राय्यम् क्षुं विद्यायात्रम् विद्यायात्रम् विद्यायात्रम् विद्यायात्रम् विद्यायात्रम्

हें।

₹.শ.লপা

ने भी प्रतिवाद्य प्रतिकार हिन्स्य । स्पृत्ते का ह्वा प्रतिकार हिन्स्य । स्पृत्ते का स्थाप प्रतिकार ।

बेशमायने हैं स्वायहमाशान्ये।

हिन् ग्री निवेद न्यान्य सम्यान्य सम्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान स्थान्य स्थान

न्वायान्यस्त्रा न्वायानस्त्रा

र्वे दिव दर अधुव अदे दिये र वर्हे दिवी

র্মুন্তর্মান্তর্মা

योल्.यपु.क्र्यान्यां प्राचित्राच्यां माल्.यपु.युं माल्यां प्राचित्राच्यां प्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राचित्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प्राच्यां प

लट.य.र्राचनमार्श्वट्यामाय क्रेय.र्राच क्रिंट्स् क्रिंग्सीमा

क्र्यान्त्रीत्यान्त्रेयास्यस्य स्वत्यान्त्राच्यान्त्रा । इत्यान्त्रीत्यान्त्रेयास्यस्य स्वत्यान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेयाः मञ्ज्ञाशात्रशास्त्रशास्त्रोत्ता । र्हेन्द्रान्त्रशामान्त्रम् स्ट्रिन्स्याधेता ।

रट:बीश्रा

नष्टुःय'ऋत्'हुन'नी'न्ये'नै।

न्ने उद्गन्ने भान्ञ्चुदानु सेन् पर नहें न पर से

₹"ন"অঝ

बेशन्यत्वेत् क्षेत्रः स्वी । श्चेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः त्वे । वित्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वित्रः क्षेत्रः वित्रः क्षेत्रः वित्रः क्षेत्रः वित्रः क्ष

नायाने न्यानासहै यासङ्कार्याञ्चेदासायोग्यान्वेदास्यायार्वेद्यास्य नार्वेदास्य स्वादेशस्य स्वाद्यास्य स्वादेशस्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स्वाद्यास्य स अन् चुन्न मी क्रिया नर्गेन प्रायने दे दे अन् चुन्न मी निर्मे क्रिया শহ্বা

र्मे देव दर्भ सम्बद्ध राज्ये द्वे राज्ये दिन

<u>इ</u>.ट्र्ट्राघ.सश्रा

र्यःयहेर्फ़ेर्यदेःय्रार्थःग्रेयःद्रःषेःवया । र्यः सहें अर्चेर रें मार्चे वर्षे प्रमें प्रमें प्रमा र्नासून कुन्यरमार्श्वेषयायास्य हेन्त्। र्निन्गरः भ्रे. स्रिन्दिन्दिः स्टब्स्यः सर्ग्युर्।

অন্বেন্দ্ৰ ক্ষুদ্ৰ আন্বন্ধ ক্ৰিন্দ্ৰ ক্ৰিন্দ্ৰ ক্ৰি

वर्द्धरःविश्वयश्यः वर्रः श्रेः त्रुवाः हः द्या । वर्ह्स्स्र स्ट्रीट श्चित्र सर्के ना स्तर देश क्रूब.मूब.मुब्य.मुब्य.मूब.क्षेत्र.सूब. श्चर ग्री सः सदे द्रायायाय वाता ।

रदःग्रीश्रा

हे[∙]सदे∙दें5्वग्रयःयदः5ुःदिध्यःतःधी । र्के. शरश्रास्याची त्यसुत्यात्विस्त्यहें त्र श्रीत्यहें न । हेश्यासा स्थानुर्दे । । यहत्र प्रति प्रतिस्ति से सिंदी स्थान स्थाने से स्थान स्थानुर्दे ।

নদ্ভু'ন্টিন্'ন'ঈ্রম'নবি'ন্ন'রী

न्वे न्वे क्व नु विद्यालया वर्षा के स्व स्व न्या स्व न्य न्यो न्यो न्या स्व न

₹'ন'এঝা

लेश्यः हिंद्ग्यार्द्द्रः स्ट्रिंत्य्यः स्ट्रिंत्यः स्ट्रिंते स्ट्रिंते स्ट्रिंत्यः स्ट्रिंते स्ट्रिंते स्ट्रिंत्यः स्ट्रिंते स्

রুম:মাদম:নমা

तुरःनवे अश्वेन श्रुव अहं व के वेदि।

মুন্দ্রেবান্ত্র,শ্বন্ত্রর্ শ্বন্দ্রের্বান্ত্রর্ শ্বন্দ্রের্বান্ত্র্র্বান্ত্র্র্বান্ত্র

WE'র'দ্রশ শুদ্রশ মাদর ক্রির'দ্বিশ ক্তুদ র্ন্ধ্রি র্ক্টর শট্রী মা

ल्रेन्द्र्याः न्यायः अदे न्याः व्यायः व्यायः

रट.ग्रीश्रा

र्थर.श्रर.तु.व्रिट्ट. देव.चड्ड्याश्राह्म्। विश्वास.क्रे.चेत्। व स्रम्प्तर.येग्रे.चरेय.पर्य.क्रेयां.चड्ड्याश्रा च्या.चे.चथ्याश्राद्ध्यां.चड्ड्याश्रा स्रम्प्तर.येथ्याश्राद्ध्यां.चड्ड्याश्राद्ध्यां।

नहुःनदिश्यःयःवे खेँ अःन्ये दी।

ર્શેલ ફેલે ૹ૾ૢૺ ત્રયાનને નેંત્ર સહ્દર્યાનન નશ્રુત ના શ્રે

₹'ন'এঌ৻

यन्। तृर्यः स्थाः विष्यः स्थाः विष्यः । विष्यः विष्यः स्थाः विष्यः यदस्यः । यन्त्रः विष्यः स्थाः विष्यः स्थाः विष्यः ।

वेशमायने दे दे हे के सम्मा

त्ते व न्यानः विद्यान्य प्रत्ये न्या स्थान्य स्थान्य

र्वे दिव दिन स्वत्र स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वति स्वत

लट.य.ट्रेनज.श्रॅट्य.श्रावय.कुय.ट्रेज.क्टर.ध्रॅ.क्ट्र्य.क्रीश

એ[.]ફેંગ'બુક્વય'ફ્રેવે'એદ'|

र्श्चितः चीर्यः तर्द्विताः स्त्रीयः चीर्यः तर्द्वितः स्त्रीयः । यदः स्रतः देत्वायः स्त्रायः चीर्त्वितः स्त्रायः । यदः स्त्रोतः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः । स्रतः स्त्रीयः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः स्त्रायः ।

रट:बीश्रा

ৰ্ক্||

য়ড়ৣ৾৽য়৻য়ৢয়৽য়৽য়ঢ়য়৽য়য়য়ৼঢ়য়৽য় য়ৣ৽য়৻ড়য়৽য়৽য়৾ঢ়য়য়ৼয়ৣ৾৽য়ৼয়য়৽৻ড়৾ঢ়৽য়৽ৠৢ৾

₹'ন'অঝ|

য়ॖॱॺॱऄॗॸॺॱॿॖ॓ॸॱॺॾ॓॔ॺॱॺॱॺॸऀॗॎ ॿॖॱॺॺॱख़॔ॸॱॺऻ॔ॖॕॸॱॺॸॱॺॱऄढ़ॗॗॎ ॸ॓ॱऄॖॸॱॺॖॕॎॸॱॹ॓ॱॺऻॕॸॱऄऀॸॱॸॕ॔ॗॎ

वेशन्यः वर्दे वे मान्त्र सेनशन्ये।

डे.पर्ने.वे.वस्यापितः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः व

त्तर्यासीत्रास्त्र क्षेत्र स्वाधित क्षेत्र हुत्त क्षेत्र हुत्

चै:विनाःक्रॅनाःसः प्रेसःमदेःसक्रमःसूनाःच्या । स्यःसहेंसःसम्बदःसःस्यःमदेः त्तुःनःसेद्या । गुःनुःनस्यःसदेःसम्बद्धःसक्रमःस्याःच्या ।

<u> रमार्नरःश्रर्के व्युरःभ्रंश्रेवे वियार्ग्धेयारेशा ।</u>

रट.ग्रीश

देशक् में हे स्वाक्षित्रक्षिण्यहेश्रम्भुम्मे । बिकासक्षित्र्वि । म्यत्यक्षित्रस्य स्वत्यक्षित्रस्य स्वत्यक्षित्रस्य स्वत्या । स्वत्यक्षित्रस्य स्वत्यक्षित्रस्य स्वत्य स्वत्य । । क्षित्रस्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य ।

नङ्ग्नबै'स'श्चुर'नदे'न्से'कै|

₹'ন'এঝা

नश्रमान्त्रम् । न्यत्यान्दास्य न्दान्तः स्वान्तः वीशाः न्यत्यान्दास्य न्दान्तः स्वान्तः वीशाः स्वित्रः स्वीत्य स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः । स्वित्राः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः ।

यशिस्तर्रात्ते,योशकाचीराम्बस्यारी,योश्यात्मान्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त् सक्ष्र्य्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र इ.ख्रिस्यात्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्यात्त्र्यात्त्यात्त्र्यात्त्यात्त्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्यात्यात्त्र्य

र्येर्थःसद्धः क्षः योष्ट्रेरः त्याः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य

दे: द्वायायळं दाययायहें यायायी । द्यादाययायें द्यां हु: या उद्या । द्वाद्याययायें द्यां हु: या उद्या ।

रट:बीश्रा

ग्रीय-र्श्नेस-प्र्ट-(चेचीय-चक्री-चट्ट-क्षे-स्ट-स्ट्री) | बेश-स-क्ष्रेस-स्वाध्य-स-स्ट-स्ट्रीयीय-प्रत्नेस-स्ट्री | व्यय-प्रत्नेस-स्ट्रीयीय-प्रत्नेस-स्ट्रीय-स्ट्रीय-प्रत्नेस-स्ट्रीय-प्रत्नेस-स्ट्रीय-प्रत्नेस-स्ट्रीय-प्रत्नेस-स्ट्रीय-स्ट

बुर्दे। ।

भुरःश्वेंरः।

स्त्रविद्या हिन्द्ये हिन्द्ये हिन्द्ये हिन्द्य हैन्द्ये हे स्क्रान्ये स्वर् स

हेन्द्रिया स्वायह्नाद्रिया श्रुस्य स्वय्य स्वय्य हेन्द्रिया श्रुस्य स्वय्य स्वयं स्

ଞ୍ଜିନ'ଅଣ୍ଟ'ନ୍ତି'ନ୍ୟା

নউ'শ্ৰ'ন'ষৰ্ষ'ৰীব্'গ্ৰী'ব্নী'ৰী।

न्ते न्ते छत् निहेश सर्ह्य शक्षेत्र के स्थित स्

₹'ন'এঝা

য়ড়ৢৼয়৽য়৾৾৻ঽয়ৣ৽ড়৽য়ৄৼৼঢ়য়৾৽য়ৢৼৄ৻ য়ড়য়৽ঢ়ৢ৾৾ৼ৽ৼয়ৼ৽ৼৢ৽য়ৢৼ৽য়৻ য়ৣৼ৽ড়৽ড়৽য়ৢৼ৽৻ৼৼয়ৢ৽য়৽য়৻ঀ য়ৼৢয়৽ড়য়৽য়ৢ৽য়৽য়ৢ৽য়৽য়

देवरःश्चेद्राक्षयःश्चेदःवदेःद्ये। तुःर्केःद्यः क्वा विवःसद्धंद्रभः वास्यः श्चेरःश्चदःविकःर्देवःश्चेःसद्धंद्रभःर्केश। सृःयःगूःवःव। विकःयःयेग्रसः श्चेरःश्चदःविकःर्देवःश्चेःसद्धंद्रभःर्केश। सृःयःगूःवःव। विकःयःवेग्रसः देशःवः मृदःयःश्चेःसदेःर्देवःश्चेंशःदग्यरःवग्रसःश्चेशः श्वेवःय। विकःयदेःर्देवः धेव। देःवेःद्येःवग्रसःश्चेःश्चिदःर्केशःधेव।

न्मे उदानु से त्या सुराञ्चनम् । सामक्सामदे देवा सामानामा त्यदानुदे

प्रमण्डेयः क्रियः स्वाप्ता । वित्रायः स्वेतः स्वेतः स्वायः स्वायः । वित्रायः स्वेतः स्वेतः स्वायः स्वितः । स्वायः स्वेतः स्वेतः स्वायः स्वितः । स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः । स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः ।

बर्स्य द्वीर स्थापने स्थापनी । व्यय त्या क्षेत्र क्षेत्र स्थेत् स्थे । व्यय त्या क्षेत्र क्षेत्र स्थेत् । व्यय त्या क्षेत्र क्षेत्र स्थि । व्यय त्या क्षेत्र स्थापनी ।

न्तवःश्चर्यःस्वत्रः केतःनेवः कुरः र्ह्वे केंशः श्रीश

हे नडुंव सन्दे शुस्र हेव नुः सँ नविवा । यडु नुवा त्यर हें मा श्वे न त्ये वा न्य से न्य हे न विवा । यड्ड नुवा त्यर हें मा श्वे न त्ये न

रट:ग्रीश

र्श्चे च्या अविश्वः सः द्यादः द्यरः वीश्व

ल्ली माड़े श्रासे माड़े श्री माड़े श्री माड़े श्री स्था हो है स्था हो स्था हो स्था हो स्था हो है स्था हो है स्था हो स्था हो ह

बेशमदी:न्व्रम्भःउदाःसान्ये:न्म। सम्मार्थे:दूःन्ये:उद्या क्वेंपाःभ्रमः

ড়৾৽ঀ৾ঀ৾৽ঀয়ৢঀয়৽য়ড়ৢৼয়৽৸ৼৼৼৠৢ৽য়ড়য়৽ৼঢ়৾ৼ৻য়য়য় ৼ৾৾ঀ৽য়ৣ৽য়ড়ৢৼয়৽৾য়য়৽৽ড়ৼয়ৼ৽য়ৼ৽ঀ৾ঀঀ৽য়ঀ৾৽য়ড়য়৽য়ঢ়৾ৼয়য়য়

नृहुं तुन्।याञ्चन्।यते।न्ने।ने।

र्ने श्चर्वं त्र्यार्वे उत्राह्य त्र्याया शु न स्रवाया स्रो

₹'ন'এঝা

देन्द्रमायस्य देन्द्रिन् क्षेत्रस्य स्था । सक्द्रस्य सायस्य क्ष्यान् वित्तास्य स्था । देस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य

र्वे दिव दर अध्वात निष्ठ देने र निर्दे र वि

र्स्व न न देश द्वा न स्व न स्

पारात्रान्यवाञ्चन्यास्यास्य केत्रानेवाकुरार्त्ते केंसाग्रीस्य

য়ৣঀ৾৽ঀहु৾য়৽য়ৼৼয়৽৸ৼয়ৼয়ৢঀৢঀ য় য়ৣঀ৽ঀড়য়৽য়ৼৼয়৽৸ৼয়৻য়ৢঀ৽য়য়৽য়ৣঀ৸ नेश्वन्तः श्रेन् मित्रेश्वर्त्तः स्त्रेन्यः स्त्रेन्यः स्त्रेश्वर्त्ता ।

হহ:বীশা

नङ्ग्पतुब्र्'यात्रश्चन्यःयवे'न्ये'बै।

र्वः वः नर्मन्य वः सदेः क्षेत्रं त्रयः सद्धंद्रयः सरः नर्म् दः यः दी।

₹'ন'এঝা

र्बेन'नुस'मङ्कस'प्रहेना'हेन'ग्री'सेस'र्वे' क्वंदस'मप्रद'नक्क्षेन्'म'प्रेन'ग्री ह्वंन'ने'प्रहेन'स्क्रेस'प्रहेना'हेन'ग्रीस'महिन'ग्रीहन'म्स्रिन'म्स्रिन'म्स्रिन'म्स्रिन'म्स्रिन'म्स्रिन याने न्यान्ता हिन् की याने ति न्यान स्थान स्थान

र्वे द्वाप्तः सम्बद्धान्य स्वाप्तः प्रम्य स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः सम्बद्धान्य स्वाप्तः सम्बद्धान्य स्वाप्तः सम्बद्धाः स्वाप्तः सम्बद्धाः सम्बद

लट.य.र्राचनमार्श्वट्यामाय क्रियाचिता क्रिटार्श्वे क्रिया श्रीमा

यहें व्रायदे हिं व्यव्येश्वर्य स्वा हे व्यव्ये स्वा । श्रेन् प्रायदे स्वा नी श्रा हे व्या ने व्यव्ये हे व्यव्य स्वा । ने प्रनः के व्या सहंद्र श्रेष्ठ्र प्रायदे स्वा । श्रेष्ठ्र स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा ।

रट:ग्रीश

सर् न्यू प्रत्या स्था निकास स्था

য়ৣ৾য়ৢৼড়য়৽য়ৼৢ৾। য়য়৽য়ড়ৢয়৽য়ৼৢ৾ঀ

₹"ন'অঝ

13

ॲवःॸॖॺॱॺ॒ॺॱॺॖॺॱऒॗॖॕॖॿॱय़ॹॗॸॱॴॸॱॎ ॿॖॱॸॱॺॖॕॎ॔ॸॱॸऻॸॕ॔ॸॱॺख़ॖ॔ॸॺॱॿ॓ॺॱॸऻ ॸऻॕॾ॔ॸॱढ़ॸॕ॔ॸॱॸॸॺॱॸॏॱऄॸॱय़ॱॲॸऻ ऄॺॱय़ॱॸऻॕॾ॔ॸॱढ़ॸॕॸॱॸऄॱॿ॓ॺॱॸऀॺऻ

न्गरःबेटःगर्डरःचदेःर्धेवःहवःवय। रःरेशःश्चेवःनुःवश्चरःष्यरःवःगरः

¹² विंदात्ते। बिंशुं विंशुर्वा १८१४ मे हे क्षेत्र स्वेद के स्वेत हैं। विंशुं विंशुर्वा १८६० वर्षा है से विंदा है से विंद है से विंदा है से विंद है से विंद से

[্]র্বিন:বি। १९१५विं न:कु:वान:बे:न्यन्य:सःन्यःवड्व:न्दःवडेन्य:कुंवःकुं:ब्रे:ब्रेन्य:नेन्।

चति त्तुः चः त्वते हिंद् ग्रीः वार्देदः यः द्वः हिंद् ग्रीः विश्वः यदि । द्वेः क्वत्वः क्वतः । द्वेः क्वतः विश्वः विश्वः

र्वे दें त्र दर अनुव मदे दिये र वर्हे दिवे।

র্নু ব্রাদ্রমানমা

श्चितः त्रायः त्रायः स्त्रितः त्र्यः याश्यः श्चेतः त्र्यः । वायः हेः श्चेत्रः श्चेः त्र्यः यायः द्वेतः श्चातः श्चेतः । । स्त्रुत्यः स्त्रेतः स्त्रेतः याद्यः श्चेतः । । सक्तेत्रः स्त्रेतः स्त्रेतः याद्यः स्त्रेतः । ।

त्तर्यः देशवाः श्रीर्याः श्रीययः कृषः दुवाः क्षरः श्रूष्टे श्राधीया

सहंस्यान्यस्त्वत्वसःक्ष्याः वित्तत्वत्त्वाः स्थाः । स्थिनः वित्तः स्थिनः स्थाः स्थाः । स्थिनः वित्तः स्थिनः स्थाः स्थाः । स्थिनः स्थितः स्थाः स्थाः । स्थितः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः ।

হহ:বীশা

म्रिममान्द्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम् स्वात्रम्

वृत्तःश्चित्रायः न्याः वीः धीनः त्यः यह्न । हे सः सः स्थः तुर्दे । वहें नः वर्देनः वर

নম্ভূ'ব্ৰূ'ম'বৰ্ঝ'নবি'ব্ৰি'ৰী

र्क्ष्यान्त्रेत्री व्यवस्थितः संस्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्र

₹'ন'য়য়|

त्त्वः वक्कुः सः नृतः श्रृं तः क्कुः नृतः । वितः क्कुं वे क्कुः स्वरः त्वावः वे शः स। । ने वे त्वावः ववे ः नियः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः ।

यद्भत्। विन्धाः स्वादः सङ्गा न्ये सङ्ग्याः सङ्ग्याः सङ्ग्याः स्वादः स्व

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

बे केद कुय क्या ग्रीश

योड्डेया:श्रान्त्र्व:स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वस्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्य स्वास्त्रःस्व स्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वास्त्रःस्व स्वस्त्य स्वास्त्रःस्त्य स्वास्त्रःस्व स्वस्त्रःस्य स्व

अट.व.ट्रेन्य.श्रुट्य.श्राव्यक्त.क्रेव.ट्रेन्य.क्रेट.ध्रॅ.क्र्य.ग्रीया

स्त्रित्रस्त्रस्य स्त्रित्रस्य प्रम्या । महंगा स्वर्गा स्वर्गाहित्रस्य हिता । मह्मा स्वर्गा स्वर्गात्र स्वर्णात्र स्वर्गात्र स्वर्गात्र स्वर्गात्र स्वर्गात्र स्वर्गात्र स्वर्णात्र स्वर्गात्र स्वर्णात्र स्वर्णात्य स्वर्णात्र स्वर्णात्य स्वर्ण

रट:ग्रीश

क्षे'सु'स'न्यम्'सदी'न्से'कै।

इ.च.लन्। रेनुन्नः प्रचाव व्युक्षः निष्णा प्रवे क्ष्यः व्युक्षः स्था स्था हो।

> देशस्त्रत्वितः सुद्यस्य स्ति । स्याद्यस्य देश्चित् स्वित् स्वितः स्ति । स्याद्यस्य स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः । स्याद्यस्य स्वितः सुद्यस्य स्वितः स्वितः

र्वे दिव दर्भ स्वत संदे द्वे र वर्हे द दे।

র্মুন্মানমানমা

स्त्राचा न्या स्त्र स्त

लट.य.र्नात्म श्रीट्यास्त्रिय क्रिया क्रिटार्से क्रिया श्रीया

द्वरःग्रीःस्वरःक्वांशःदव्यवःग्रीःस्वरःशः । द्वांवःग्रीःद्वरःक्वांशःक्ष्यःदःचयः।। देःक्षयः।वःचदःक्वांशःक्ष्यःदःचयः।। कुःक्षयःश्वरःक्वांशःदव्यवःग्रीःन्वरः।।

হহ:বীঝা

য়ড়৾ৼ৾য়ৢঀ৾৽য়ৢঀ৽ঀৼ৽য়ৣ৽ঀয়ৼয়৽ঀয়ৢঀৢঀ ঀ৽য়ৢঀ৽য়ৼয়৽য়ৣৼয়৽য়ৣ৽ঀয়ৢৼ৽ঀয়ৢঀ৽য়ৢঀ য়ড়৾য়৽য়ৼয়৽য়ৣৼয়৽য়ৣ৽ঀয়ৢৼ৽ঀয়ৢঀ য়ড়৾য়৽য়ৼয়৽য়ৢৼয়৽য়ৣ৽ঀয়ৢৼ৽ঀয়ৢঀ য়ড়৾য়৽য়ৢঀ৽য়য়ৢঀ৽য়ৢ৽য়য়য়৽ঀয়ৢঀঀ য়

केन'न्छ न'स'अहे' स'स'न्द्र'नङ्गेन'न्द्रो'के_।

न्ते उद्गायार्टे नर्सून् ग्री र्जे वा ग्रीया सह्द्र्या यर नस्द्र्या या स्ट्री इ.च.वास्री

हिंद्रिं ग्री मिर्द्रित ने से प्रमास के तथा विश्व मानी सामक व स्वास सहस माने स्वास के तथा है दें प्रमास के तथा के

र्वे दिव दर्भ स्वरंभित देवे र वर्हे द देवे

भूगाश्चर्याव्यानिकार्ह्णकात्याय्यक्ष्रस्यायाः भेत्। ।

क्ष्राय्याद्वर्यात्रस्य स्वर्यात्रस्य स्वर्यात्यस्य स्वर्यात्रस्य स्वर्यस्य स्वरत्यस्य स्वर्यस्य स्वर्यस्यस्य स्वर्यस्यस्य स्वर्यस्य स्ययस्यस्य स्वर्यस्यस्य स्वर्यस्यस्यस्य स्वर्यस्यस्य स्वर्यस्यस्यस्

लट.य.र्यत्व.र्श्वट्य.प्राप्तय.कुय.र्युव.क्ट्रि.क्ट्र्य.ग्रीया

पड्टेन्यरान्नम् र्ह्न्यान्यस्यः र्स्तृत्यः याद्यन्तर्भा । स्वाः स्कृत्यस्य स्कृत्यः स्वाः वित्यस्य स्वाः । स्वाः स्कृत्यस्य स्कृत्यः स्वाः वित्यस्य स्वाः । स्वाः स्कृत्यस्य स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः ।

रट:बीश्रा

त्र्यात्माक्षेत्रस्त्रम्भ्यक्षेत्रम्भः स्त्रम्था । वेशःसः स्राव्यक्षाः । वेशःसः स्राव्यक्षाः । वेशःसः स्राव्यक्षेत्रः स्वरः स

बुर्दे।

ॿ॓ॸॱॺॿऀॺॱय़ॱॸ॓ॱॿऀॸॱॸॾॕॸॱय़ढ़ॱॸॺ॓ॱॿऀ।

द्यः द्यः उत्राविश्यः या विष्यः यम् स्थितः ख्रावायः वर्हे दः या स्रे।

त्दीः वे निव्यत्ति । त्रि निव्यति । त्रि निविष्यति । त्रि निविष्

न्यानः बिरः सहें अः यः यदी दी न बिदः न सः क्षेत्रः ने हिंदः ग्री से वाः विद्या । विदे न से स्वतः सः स्वतः स

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वे र महें दि दे

র্মুদ্রমান্ত্রমা

लट.य.र्यत्मता.श्रुट्यास्मित्र केत.र्द्या.क्ट्र ह्यां क्रिंया

नेश.ची.कु.लाट.भाष्ट्रिय.सपु.मूं.मूं.श्र.श्री । श्र.कू.चाश.स्य.कुय.सीट.सू.कुट.श.लूया । लुय.मु.चय.लाटश.म्.भकूतु.पहंटश.स्यश.मुया । पर्ट.कुट.पहंच.शकूचा.टश.सपु.ला.नुश.स्वयशी ।

रदःग्रीश

सहेत्रःश्चित्रायः स्वेत्रः स्वेत्रः त्याः स्वेत्रः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्व स्वेतः स्वेत सहेत्रः स्वेत्वायः स्वेत्रः स्वेत्रः स्वेतः स्व सहेत्रः स्वेतः स्वेतः स्वेत्रः स्वेतः स्

केन'नशुअ'स'तुब'ॲन'ऄब'सदे'न्से'वे_।

यहेगाःहेवःवःन्ये गाववः यःहेन् वर्षः स्टःन्ये सः ग्रुशः सः हे।

बेशन्यः बुद्धः स्ट्रान्ते । यद्याः स्ट्रान्ते द्वान्ते द्वाने । स्ट्रान्यः स्ट्रान्ते द्वाने । स्ट्रान्यः स्ट्रान्ते । । स्ट्रान्यः स्ट्रान्ते । ।

यहेना हेत न स्ट्रां । इ.न. न स्ट्रां ने स्ट्रां स्थान स्थान

র্বি-মাদ্রমানমা

हो-दुवे-पहो-भेट-नासर-संदे-सळ्ट-सूना-प्यमा । इस-सर-पर्वेट्स-स-स्वाह-सु-क्र-हो । (14) होट्-सुवे-द्वे-ह्वर-व्यम-स्वास-स्वास-स्वास-स्वास-स्वास-स्वास-स्वास-स्व

¹⁴ ईिंहे यग र्से।

बोन्-द्येर-रूट-होन्-सर्द्धरूष-न्वोर-नम्भूब-त्य-वर्नुन्। ।

लट.य.र्यत्व.र्श्चट्यान्नाच्य.कुय.र्युवा.कुट.र्झ्च.क्रूयाचीन्या

धेन्द्रिं श्रेन् श्रुवा श्रेवा धवा धन्य स्था । सक्के बोन्द्रवित्त वर्षे श्रेत्र स्था प्रकेश वर्षे श्रेत्र स्था । वित्र श्रेन श्रिन स्था वर्षे श्रा वर्षे श्रा वर्षे श्रेत्र श्रेत्र श्रेत्र श्रेत्र स्था ।

रट:बीश्रा

यालव्यत्तरे प्रति प्रति स्थित स्था । विकास स्था विकास स्था विकास स्था । विकास स्था विकास स्था विकास स्था । विकास स्था वि

केर'नबि'स'तुन'के**न**'की'नबे'की

सक्र-विद्यान्य स्त्री। सक्र-विद्यान्य स्त्रीय स्त्रीय

₹'ন'এঌ৻

यन् स्रासहे सामदे स्रेट में गुर्वा

दन्तयः विना-न्ता-हः नश्च्रुश्यः यः नविह्या । हिंन् : श्रीः नार्ने सः वेशः विश्वः । ने वे : श्रीः स्वेशः ने विश्वः से विश्वः ।

र्वे दिन प्रम्थ मुक् मिले प्रमेर मेर्हे न दी

অন্তে, ন্দ্ৰৰ শ্বীশ্ব প্ৰামৰ ক্ৰিব, দুল, প্ৰথ শ্ৰেছি, প্ৰূছৰ শ্ৰীক

श्चरमायाक्षातु द्वादमा उत्रादमा मी स्था

रदःग्रीश्रा

केम'ख़'स'क़ॕॖॸॱऄॺॱॹॆॖॱॸऄॱऄॗ

₹'ন'এঝা

त्तुः निह्नम् स्वायः स्वयः निह्नम् । इंक्ष्यः स्वयः द्वे स्वयः स्

र्वे दिव दर अध्वत अदे दिवे र वर्डे दिवे

য়्वाप्तिः ध्रुवात्वस्रमायः मुकाः व्याप्तः स्वी । क्रमः क्षेत्रः स्वेतः स्वेतः स्वाप्तः स्वी । क्रमः क्षेत्रः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वी । स्वाप्तः स्वेतः स्वेतः स्वितः स्वाप्तः स्वी । स्वाप्तः स्वेतः स्वेतः स्वितः स्वाप्तः स्वी । स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वी ।

लट.य.र्राचना श्रुट्यायावत केत्र देवा कुट ह्वें केंया ग्रीया

द्यास्त्रभीयः स्टिन्स्याम् स्टिन् । न्यो न्यतः क्षुः त्यायाः त्यायाः स्टिन् स्टिन् स्टिन् । न्यो न्यतः क्षुः त्यायाः त्यायाः स्टिन् स्टिन् स्टिन् । न्यायतः स्टिन् त्यायाः स्टिन् स्टिन् स्टिन् । न्यायतः स्टिन् त्यायाः स्टिन् स्टिन् ।

रट:ग्रीश

केर'तुब्दायायदावि'दवे'क<u>ी</u>

र्यः सर्वे नर्गे र्यं नर्गे र्यं स्थान हेर्या विष्ट्रिया विष्या स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

₹'ন'শ্ৰশ

व्ह्वःहुः न्हः हुः न्हः हुः न्हः । हुः क्षेत्रः श्रेषायः विद्यः हुः न्यः न्यः । स्वाः व्यायः विश्वः हुः न्यः न्यः । व्यायः व्यायः विश्वः हुः न्यः ।

ङ्क्तर्रा ग्रम्था ग्रीकुर्रा ह्वा निर्धास क्षेत्र क्ष

र्वे दिव दिन स्वत्य स्वतः द्वे र वर्षे र वर्षे

लट.य.र्नात्मा श्रीट्या श्रीप्या क्षेत्र, हुं ता क्ष्या हुं स्क्रिया हुं स

त्र्वा गुरु सर्व निर्देश निर्मा स्था भीता है त्र निर्मा स्था में क्षेत्र है ते मुक्त स्था में क्षेत्र है ते मुक्त स्था में क्षेत्र है ते में क्षेत्र है ते

रट.गुर्था

बुर्दे।

केर'नतुब'स'इब'तशुर'ग्री'न्से'वे।

हेन्द्रिः न्येश्वरः व्याप्तय्याः प्राप्तः व्याप्तयः व्याप्तः व्यापतः वयः वयः वयः वयः वयः वयः

ख़ॖॖॴॹॱॿॖॕॸॖॱॻॖऀॱॸढ़ॏढ़ॱॸऒढ़ऻ ॿॖॱॸढ़॓ॱॸ॒ॻॖऀज़ॱढ़ऻॺॕॸॱख़ॴॸऻॕज़ॱॸढ़ॏढ़ऻ

बेशन्यत्वेत्त्वश्चात्व्यः विश्वान्यदेवे के स्थानक्ष्यः प्रवेश।

श्चार्यात्त्त्र्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्यत्त्रत्यात्त्रत्यात्त्यत्त्रत्यात्त्रत्यात्त्रत्यत्त्रत्यत्त्रत्यत्त्रत्य

र्वे दिव दर अध्यक्ष स्थे दिवे र वर्षे दिवे

रट:बीश्रा

मट्टीन,सेट्राल्य,स्ट्राल्य,स्ट्राल्य,संट्राल्

*केर'नक्चर'स'*सेर'नदे'नदे'कै।

ૹૄ૽૽ૠૣ૽ૼૼ૽ૼ૱ૹૡ૽૽ઽ૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૡ૽૽ૺ૱૱ૡ૽૽ ૹ૽૾૽ૹ૽ૣૼ૽ૼ૱ૹૡ૽૽ઽ૽૱ૡૢ૽૱ૹ૽ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺૺૹ૽૽૱ૹ૽૽ૺ૾૽ૹ૽ૢૼૹઌ૱૱

₹'ন'অঝা

द्र्यःश्रेशः हेवः यत्त्रेशः स्थान्यः यः यत्त्रेत्। । हेवः यत्त्रेवः हेवः श्रेशः सम्बदः यः यत्त्रेत्। । इसः यसः यार्वेवः यसः हिंदः यः द्रययाः ।

वह्रव लेगने वे से मने निमा

न्ये हैं। स्यान्य स्वान्त्र स्वान्य

र्वे दें न्दरस्य मुक्त सदी द्वी र निर्मा निर्मे दिन

ব্রহ্ম:ডব্:ব্লাফ:র্রুমা

য়्वात्रते भ्राक्षेत्र म्याद्वीत् क्ष्रियः प्राप्त स्वात्त स्व

<u> অংব:২নন্মরীশের প্রথমির কুর.১ন্তর:য়ৄয়্র্</u>

न्धेन्'ग्रे'नुस्यस्यस्य करम्बूद्रान्ता ।

रट:बीश्रा

हैं मिंब्र-पूर्ट-क्रिंश-इतः क्रिंग-या क्रिंग्स-क्रिन्ति। देश-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-व्रित्ति। क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग-क्रिंग्स-क्रिन्ति। क्रिंग-क्

*केर'न्तु'स'न्न्'न्व'*कु'न्ये'के।

ण्यां तर्श्वास्त्र्त्रम्त्त्र्त्त्रम्त्त्रम्त्रत्त्रम्त्त्रम्त्त्

₹'ন'এঝা

हिंद्र-पार्द्द्र-सेनादिःसे-नह्द्दःविदः।। र्स्यःसे-सेद्दः चेद्र-द्र्यः न्यायः प्याः। प्रद्र्यः स्क्रेयः सुद्र-चः नार्थः स्व्दःदे।। गो-स्टर्ना नीर्थः सर्केदः नविदः सहेस्।।

हुँ न् ग्री मिर्ने न् अहे साला अवा अवा अवह स्वा मिर्य के से प्रे प्रे के ने ने स्व ने स्व के स्व के

र्वे दिव दर अध्यक्ष स्थे दिवे र वर्षे दिवे

र्धित्रायहें तृ तृ नुस्रमः स्था द्या तृ स्य हैं है या तहें ते त्यहं सान्यामः उत्रा । द्या है या त्रमः त्री तृ त्य वसान सुन्या साते । वा त्यते है या स्रमः तहे वा सामते हैं । वे स्पर्ते हैं यो साम त्री हैं से स्पर्ते । विद्या स्था स्था ।

ब्रिंट्र ब्रुवाश के शन्त्र हैटशन्त्र पा पदे क्रेंट्र । মট্রিব'বস্তুত্ব'স্কঅ'অম'রব'দ্রীম'র্কুমা | শ্র'বাশঅ'অঅ'রশ'ৼৢ'৽ৄ৾৾ৼ'ডর্|| देर्-बेर-र्गामीय गर्धे नविव यहेया ।

र्रायोग

धेन देन श्रुन पानने श्रुव सर्वे पर्देन सदे। न्गरः वहुं अञ्चल्ते वर्षे अञ्चला बुरः वर्षे ज्यन्ते न्। र्यः अहे अः द्वायः ग्रीः खुद्वयः द्यारः देविः ळवा । ब्रूट[,]क्के.चर्य.क्ये.होट.चर्यायक्र्यंय.चलेय.सहंग्री विश्व.स.क्षे.

র্বী ।

नविवाञ्चानु स्रवे निमेन महिन दी।

र्गे दिव दर अध्वत प्रते द्रोर निर्देश की

'ব্যঝ'শ্বুব্ম'অবিক্টের'ব্রিঝ'স্কুব'র্ন্ধ্র'র্ক্টম'শ্রীমা ळर:श्वेत नवित नुः श्वेत निर्मेत ग्रीश । न्धराग्रीः हानविष्युहारे माञ्चा। सर्देरमासम्बद्धान्त्रम् श्रीमानविद्यः दुःदी।

হহ:বীশা

न्तर्स्याः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं निवास्त्रः स्वरं । विकासाः स्वरं स्वरं । विकासाः स्वरं स्वरं । विकासाः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । विकासाः स्वरं ।

ৰ্ক্||

ਖ਼ॖॖॖॖॖॖਲ਼ਖ਼੶ਫ਼ੑ੶ਜ਼੶ਫ਼ੑ੶ਜ਼ਁਖ਼੶ਜ਼ਜ਼ਜ਼

चर्हेन् चुते र्नेष ने हिन्हे नयः चर्गेन् यश ने न्या स्थायस्य स्य स्थायस्य स्यायस्य स्थायस्य स्थायस्य

₹'ন'এঌ৻

यद्धियः स्थान्त्रः स्थान्त्यः स्थान्त्रः स्यान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त

 श्चार्ट्स्यायायम्ब्रुश्चार्यः मृत्यव्युत्तात्वेषायाः विवादेशास्य स्थितः श्चेत्रायाः स्थितः स

र्के द्वार्या अधिक स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्व

हे नहुंद से ल रस्य प्रश

५८४४:४५८५४:इतः स्वाप्त्र्येतः स्वाप्त्र्यः स्वाप्त्रः स्वाप्तः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्तः स्वापतः स्व

लट.य.र्राचन श्रुट्यासावत केत्र देवा कुट ह्वा केंया ही या

द्वेत्रः त्रमाः हुन्युवः त्रिक्तः ह्म्याया । त्रुयः त्रेयः चुदः प्यदः द्वयः यदः त्रवेत्या । त्रुयः त्रुवः त्युवः प्यदः द्वयः यदः त्रवेत्या । द्वतः त्रुवः त्युवः त्रुवः त्रिवः ह्म्याया ।

रट.ग्रीश

ळेब-२ॅवि:सळ्ब-श्रुब-१२हेंब-२:ग्रुट-१३८-४२॥ । टेश-२ॅव-इस-१२डेव-ग्रुय-१३८-१३८-४२॥ । स्यत्यायः क्रुः नवे सहे सः हो न्यायः स्वायः हिन्। । हे सः नः क्षः नुर्दे। । स्व

য়৽ঀড়ঀ৽য়ৠৢৼয়য়ৢয়ৼঀয়৽ঀ

₹'ন'অঝা

ત્રું ત્રિં સાન્વાશ્વાસાર્થે તે સાન્દા | ફિંન ત્રે સાસુન સેવા છે છેના | ને ખેશ ને વાશ ભૂત ભૂ સેત નના | ફિંન જીશ સે ખે વનવા મેં વર્દે સશા |

বর্ষপ্রমার অর্থকে শ্রুমান্ত্রী দ্রার্ট্র

र्वे दिव दर्भ स्वत संदे द्ये र वर्हे द वे।

র্বি-মোদমানমা

ब्रिंट् क्रिंग सन्देवा प्रमेच सम्बद्ध स्थान स्य

WE:4'54@'য়ৢৼয়য়ঢ়য়৳য়'ঢ়৾য়'ঢ়ৢয়ৢঢ়৾য়

য়ःनइःन्नद्धुनःन्निः वात्तः द्यः स्वाः सुर्वः व्यः विद्यः । देशः वे : नव्दः देशः सुर्वः विद्यः सुर्वः सुर्वः विः सूर्वः । विदः सुर्वः विदः देशः व्यः विदः सुर्वः सुर्वः ।

रट:बीश्रा

ब्र्नियाः हेत्राय्युयाः स्वेताः त्रायुः स्वायः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स यहेताः हेत्रा त्रायुः स्वायः स्वेतः स्व यहः स्वेतः स बुर्न्। बुर्-ग्रीशःबं-बंध-बयःब्र्श्याचियाची:पर्नेया । खुश्नासःक्षे.

ॲं'नविस'स'क्कु'भे'नवे'कै।

न्भे न्भे क्र महिशास्त्री क्र स्त्र स्त्र

₹"ন'অঝা

डेश्यार्थः सहेश्यार्थः त्वा । न्यात्रे त्वेत्रः श्रीश्वाद्येतः हेश्यः शुः श्वेत् । । न्यात्रे त्वात्रेश्वः त्वेत्रः हेश्यः शुः श्वेत् । । स्वात्यः स्व

য়ৢয়ॱय़ऀॱॺॖॎॕॸॱॠॖॱॸय़॓ढ़॔। ॻॗॴॱय़ऀॱॺॖॕॎॸॱॠॖॸॴॴ ॴॿॺॱॻॖॏॴऄॱॴऒ॔ॱॸॱॸढ़ॺॱॸॴॱॻॖऒऄॕऄॱॸऻऄ ॹॖॖॸॱढ़॓ॴय़ॱढ़ॎऀॱऄॖॖॱॸॖऄ॔ऻ।

र्वे दिव दर्भ स्व प्रति द्वे र वर्हे द दे।

वृट्-भी-अह्म-सम्बन्धः सम्बन्धः स्वट-स्टा । इट्-भी-अह्म-सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः स्वट-स्टा । र्वीर-विश्वासक्ष्ट्रस्य सम्प्राचित्र स्वान्त्री । वित्र-विद्यास्य स्वयः सम्प्राच्याः सम्बद्धाः स्वी सित्र-विश्वासक्ष्ट्रस्य सम्प्राच्याः सम्बद्धाः सि

अट.व.ट्रेन्व.श्रुट्य.श्राव्यक्तक्व.ट्रेच.क्ट्र.श्रुं.क्ट्र्य.ग्रीया

नस्रसः क्रुं क्रियास्य स्वयः स्वयः प्रमा । र्षे क्ष प्रकृत्वये त्या स्वयः स्वयः स्वयः । याववः स्वयः त्य कृतः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः ।

रट.ग्रीश्रा

श्चीर-श्चीरः। श्चीत्र-स्थार्ग्य-स्थान्त्र-स्थाः। श्चीत्र-स्थान्त्र-स्थान्त्र-स्थाः। श्चीत्र-स्थान्त्र-स्थान्त्र-स्थाः। श्चीत्र-स्थान्य-स्थान्त्र-स्थाः। श्चीत्र-स्थान्य-स्थान्त्र-स्थाः। श्चीत्र-स्थान्य-स्थान्त्र-स्यान्त्र-स्यान्त्र-स्थान्त्र-स्यान्त्र-स्यान्य-स्थान्त्य-स्थान्त्य-स्थान्त्य-स्थान्त्र-

यहेश हिन यर विंग यह नश्य स्ति। श्चन प्रति प्रति

శ్లైన'జిశ'డ్డ'న్న

क्टे.टे.विषश्चार्श्चेतास्था दयुःश्चित्रःश्चेत्रःस्थः श्चेतःश्चेत्रःश्चेतःस्याः गुःश्चेश्चरत्येत्रः टे.ब्र्चः प्र्येशःसदेः ट.क्षेःश्चेत्रः याश्चेत्रः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः श्चेत्रः स्थाः प्रवितः प्रवितः प्रवितः स्थाः स्थ

নৰী ক'ষ্ক্ৰ'ৰী |

४.क्रिंग.ञ्ज.र्या.स.यधुरी । अक्ष्म.र्न्नेया.लट.क्ष्र.र्ड्याश्व.यषुरायोर्ट्टा ।

रट:ग्रीश

रवःदग्रस्टर्स्यते तुः स्रिते तुन्। । वद्वः स्र्रेटः र्त्ते व्यापते स्वत्यापते तुन्। ।

শ্বস'বী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

त्तुः नदः त्यः स्वृतः स्वृतः स्वरः स्वरः । देः वदेः सदः तरः दहें ग्रायः दें या या दें ।

रदःग्रीश्रा

यक्ष.चैत्र.जट्य.क्ष्र्य.लुट्य.च्य्या । यो.चीत्र.जट्या.क्ष्र्य.क्ष्र्य.ची.व्या ।

ঙ্গ'ন্ত'ঙ্গী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

रट:ग्रीश्रा

नग्न-त्रह्मान्यः सहेत्राधित्वत्रक्ताः स्था । सहेत्राभुगाः नृत्यः सहेत्राधितः स्वत्यायः साधी ।

है'শ্বুহ'ৰী।

বিপ্রসাস্থীর:নথা

वयःलटमःसष्टियःयदःहःस्यानम्। वयःलटमःसष्टियःयदःसःसम्या

रट:बीश्रा

ई. ५५. में स. कुर्या है. कु. नर्या । इं. ५५. में स. कुर्या है. कु. नर्या ।

শ্বপূৰ্'শ'ৰী

বিপ্রসারীন্য নথা

न्ना हिर नवर नदे हैं न्य पदी। पहंसानु कु नेदे नासे र न्र समृत्।।

रट.ग्रीश्रा

इस:न्वाःद्ध्यः विस्यः विद्रः स्वः विद्राः। श्रेवः क्षेत्रे देन्त्वा स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं ।

*স*ম্ভ'়'নম'সি ব

বিপ্রসাস্থীতা,শুসা

यदःक्रिं उत्रः दृदः सहैं सः सदिः दृशय। । दृष्यः दृदः सुष्यः सहें प्रस्थः सह्यं द्रियः। ।

रट:बीश्रा

गुत्र-र्ब्ह्रेस्य-पह्नस्य-प्रमुद्द-र्या । यत्र-र्व्ह्रेस्य-पह्नस्य-प्रमुद्द-र्या ।

୴ଽ୲ଽ୶୲୴ୠୗ

বিপ্রসারীন্য নথা

म्बानक्षान्विन्यः हे न्यादे वह्य। । गुद्दान्दे सुदार्थे न्यादे वह्य। ।

रट:ग्रीश्रा

खुः हेना प्रद्वेस खुंस ग्रीः यह रहें न्या स्टार्स स्वा ।

*ষ*ন্ত্রস'ম'রি |

বিপ্রসারীজন্মপ্র

रेत्र केत्र विदाय स्तान स्

रट:बीश्रा

क्टरशः क्रेवः श्रश्चार्सः द्वोश्वः प्रदेः बुदः श्रेषः वीश्व। । वद्दरः ध्वतः वोः श्वरः होः धोः बुदः वदः श्रवः वीश्व। ।

अद्भारत्याः नामायः विष्

বিপ্রসারীন্য নথা

नडं त्रे ते सह राज्य प्रमानित स्था । त्रु त्रे सह राज्य प्रमानित स्था ।

रट.ग्रीश्रा

स्त्रीत्त्रम् त्वात्रम् अत्याधारम् विष्या विष्या । विष्या विष्या विष्या विषया ।

देश'य**र**'न्यस्य'द्रे।

বিপ্রসাস্থীতা,শুসা

कुः भूरः ब्रेटः वः देशः धरः वाश्यः। । व्यद्रश्रः ब्रेटः वः देशः धरः वाश्यः। ।

रट:बीश्रा

श्रुः सेत् प्त्रेत्र प्रत्यात्र स्वर्या ग्रीया । श्रुः सेत्र में प्रत्यात्र स्वर्या ग्रीया ।

ননাশ্বমানী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

महिरःक्ष्मः निष्यः निष्यः स्वः विष्यः वितः क्षेत्रः । महिरःक्षित्रः क्ष्में स्वाप्तः स्वः विषयः ।

रट:ग्रीश्रा

दह्यासहेत् भ्रुः कुत्रः सेयः तुरः दह्यः यः येय। । देः नर्वेतः मुक्तः कुत्रः सेयः तुरः दह्यः नः येय। ।

ন্*নুন্*শস্ট্র'ক্ল'ক্র'

বিপ্রসারীজন্মপ্র

म् म् न्याःस्याःस्यःस्यःस्यःस्यः

रट.ग्रीश्रा

यदःक्टॅं उत्रस्ते नित्तं मुन्द्रया । अङ्गयः द्रग्रदः सदे नित्तं मुन्द्रया ।

गवेज'सॅ'के।

বিপ্রসারীক্রমেপ্র

यर्षित् तुरि त्यास्य पानेत् से ती ।

रट.ग्रीश्रा

ন্মু'ল্লু'দী

বিপ্রসাস্থীতা,শুসা

देव'क्षेव'म्दान्द्व'द्व'क्षेत्व'क्षेत्व'क्षेत्व'क्षेत्व' र्वि'स्वा'देव'द्वे'द्वा'क्के'वेद्वा |

रट:बीश्रा

यः यहेव मिट क्षेत्रायः सहेयः यद्धः स्त्री व्यास्यः स्त्री ।

য়৾৻য়৾৾৾ৼ৻ৼৢ৾ঀয়৻য়৻ৡ৻

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

यहंत्रायदेःयकुःधेःर्श्वेत्रान्यमःन्दः। । वैयायदेःयवादन्वार्थेःर्थेन्द्रेवाया ।

रट:बीश्रा

त्रुः भी क्षा स्ट्रिन् स्ट्रिन्

বশুৰ্'ন'ৰী

বিপ্রসারীজন্মপ্র

त्रम्भानः सुरान्त्रते प्रमुद्धानः । र्क्षाना सुरान्त्रते प्रमुद्धानः ।

विश्वास दे में द्वे दायायायायाय ह्वा स्थाय स्वाद संदे में द्वि वि

হহ:বীঝা

इब्र्-मोशन्द्र-चार्यावयःयःस्वःवर्षुःनश्रा इक्-मोशन्द्र-चार्यावयःयःस्वःवर्षुःनश्रा

নহ্'ন'ই।

বিপ্রসারীন্যরা

स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य

रट:ग्रीश

मुर्लि तसुत्य के निते स्ते हु तहे के तहा | कुट मीश नहसामित कु तहे के तहा |

শ্লু'ন'ৰী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

कु:अरःबुरःचदःस्यःस्यःसःश्चा

रदःग्रीश्रा

लेयायाचीयायह्यायहेयायाचीयाचीयाचीया । स्थान्याचीयायहेयायहेयायाचीया ।

ইৰ্ম্প'সপ্তৰ'ই।

বিপ্রসাস্থীতা,বাসা

श्चेत्रः सदः वाद्यदः सेदः स्वायः स्वायः स्वायः । द्रायाः त्रस्यः सेदः वीः देवायः स्वायः ।

रट:ग्रीश

दग्नरःसहें सःसहेतः यहसः यहितः श्रीः दयत्यः सहे सः सस्। । स्यः दग्नरःगीः त्यः १० त्येः सेवासः सुः सम्। ।

*ই্*শস্ত্রপুর্

বিপ্রসাস্থীর নেখা

स्रुत्र मित्र स्त्र मित्र स्त्र स्त

रट:ग्रीश

द्यानाश्वरः ह्वायान्यस्य निर्देशः सः स्यान्यस्य । इत्यानाश्वरः ह्वायान्यस्य निर्देशः सः स्यान्यस्य ।

নানুন্বম'নদ্ধব'নী

বিপ্রসারীজন্মপ্র

र्स्नेत्रसेट्रस्यस्य वित्रस्य हिन्स्य । वित्रसेट्रस्य वित्रस्य हिन्स्य ।

रट:ग्रीश

य्येत्रः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रात्तः स्त्रात्तः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रातः स्त्रात

য়৾৽য়ৼয়ৢঀ৽য়ঀ

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

য়ৼড়ेवःश्चित्रःत्वाद्यः । इ.स.चहेवःसद्यः विसःस्वादः ।

रट:बीश्रा

नश्रसःसःसः इतः नश्चुः क्षेताः नृत्यवः नदेःसे । वत्रः स्वतः नःगुः तः नृतः से स्वरः से न। ।

*ষর্*ষ'ন'রি ৃ

বিপ্রসাস্থীতা,বাসা

नर्सेन्'त्रसमःर्क्षेत्रम्भ'त्ते' चन्स्यःसेन्'न। । नर्जुवे'सुन्दम्भ'र्केन्सम्

रदःग्रीश्रा

कुःश्चेत्रःयदिनःयदेःयदुः क्वेतःयदेः वर्षे । कुःश्चेत्रःयदिनः यदेः यद्वेतः यदेः वर्षे ।

*ন্*নুন্ধ'সম্ভ'্ৰম'ঈ।

गूर्याञ्चाराया

र्ट्. मुंचा तग्रीट. चर्चा भी. ला. क्या प्रश्नी । वर्ट् . मुंचा तग्रीट. चर्चा भी. ला. क्या प्रश्नी ।

रट:ग्रीश

ळट.भैज.पविस्त्रवृत्त्र्यम्यम्यः स्थ्री । क्र.चे.पी.टेश.स.लु.चेचीयात्राक्ष्ट्रस्यः ध्रेटी ।

अद'दन्य'यहत्य'<u>क</u>ै।

বিপ্রসারীক্রমেসা

न्नरः र्क्षेत्रः क्षुत्रः स्त्रः स

रट:ग्रीश

व्हेत्रान्यस्य न्यार में स्वत्य ने दे के वा से र वी स्वा विकास के स्वाप्त स्वाप

নহ্ৰ'ন'ৰী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

च्चित्रः सञ्जू स्वायः स्वायः स्वयः स्व स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः ।

*ষ*ঞ্চু**দম'ন'**ঈ।

বিপ্রসারীজন্মপ্র

यानुयायाः उदायाः स्थितः स

र्राचीश

ড়ৼ৵৻ড়ঀ৾৻য়৵৻য়ৣ৻ঽ৾ঀ৻য়ৢ৾৵৻য়৾।। ড়ৼ৵৻ড়ঀ৾৻য়৵৻য়ৣ৻ঽ৾ঀ৻য়ৢ৾৵৻য়৾।।

নানুন্ধ'অবঅ'রী

मूट्रश्चार्च्या

दे.चतु.ये.क्रुतुःश्रम् अहरःस्रेतुः वीचवीयः अध्या । दे.चतुः ये.क्रुतुः अर्ह्चत्र अहरः स्रेतुः वीचवीयः अध्या ।

रट:बीश्रा

खेर्-ग्री-इक्-चित्र-स्रीम्-स्र-की । स्र-हेम्-चेर-चित्र-स्राम्-स्र-की

अद'द्रम्'न्बस'द'द्रे।

मूर्याज्ञासम्

क्षेत्रभूद्रःच्याकुर्द्रःचयेःच्याकुष्यः। क्षेत्रभूदःच्याकुर्द्रःचयेःच्याकुष्यः।

रट.ग्रीश्रा

चन्नसःम्ब्रियः नावर् : ५ : श्रुवः समः नातृसः स्रितेः स्रो । चन्नसः म्ब्रियः नावर् : ५ : श्रुवः समः नातृसः स्रितेः स्रो ।

৺৺৺৺৺৺৺৺

রুই-প্রাধ্যমান্ত্র

स्ट्राची गादे में भार्त्रा सहे सामा स्ट्राची गादे में स्ट्राची स्

रट:बीश्रा

अनुव्रः शुँग्राभः वि।

র্মুন্সান্সান্সা

सर्वयः स्त्रीयाश्चार्ययाः नयस्यः सूच्यः स्वरः स्वर इत्रः स्वरः स

रट:ग्रीश्रा

स्त्रीय क्ष्या क्ष्या क्ष्या स्वाप्त स

ন্ম ম'ন্ত্ৰশ্বী

বিপ্রসারীলানখা

ब्रिट्र ग्रे. स्वाप्ता न्त्र प्रच्या । ब्रिट्स ग्रेंब स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ।

रट.ग्रीश

श्च-स्थतः से 'ह्या' दे 'च श्व- १ । श्च-स्थते : दे 'वे स 'दे च श्व- १ ।

নম্ব দ্বি

বিপ্রসারীক্রমেপ্র

र्सेचा.ची.स.लु.चांचेचांस्य कुं.रेनु। । लाञ्चयु.पद्मि.जुंट.चांलू.स्वयःयु। ।

रट:ग्रीश्रा

र्श्विरमः उदः सः धेः सहेतः सुः दिन्। ।

ইূন্'ন'বি

বিপ্রসাস্থীতা,শুসা

क्रेन्यायः स्वानविः वहं सः श्रीः श्रेटः । स्वान्यास्यानविः वहं सः श्रीः श्रेटः ।

रट.चीश्रा

स्यावश्चित्रस्यास्त्रास्याः स्त्रीतः स्त्रेत्रः स्त्रास्य । स्यावश्चित्रस्यास्त्रास्याः स्त्रीतः स्त्रेत्रः स्त्रास्य ।

ন্মৰ'ন'ৰী

বিপ্রসারীন্য নথা

য়ৢঀৢয়৾য়ৢয়৸ৼয়ঢ়ৼয়ড়ৼৼয়য়য়ঢ়ৼয়ৼঢ়ৼৢঀ ৢ

रट:ग्रीश्रा

त्तुः नवे सामायमा वर्षे उद्या । म्याम्यायमा वर्षे उद्या ।

ভূ**ন**'ৰ**ন**'ন্মৰ'ৰী

বিপ্রসারীজন্মপ্র

कुंद्रश्रासासेन्। सदेः यात्रेः त्रीत्रः त्री । सक्दंद्रश्रासासेन्। सदेः स्वतः स्वतः ।

रट:ग्रीश

योबुचःबुद्रःश्चेदःश्चवाःबुदःयःश्वरः वदः दस्य। । सुष्टःद्रःयोदेःसळ्दःश्चवाःबुदःयःश्वरः।

नन'तु'ङ्क्षु'न'ने।

বিপ্রসারীল:নগা

হহ:বীশা

धेन्-वाद्यवाशःवानुशःश्चेःश्चेन्-नःवन्। । श्चनःक्रेतेःवशःवनःस्वःमुःश्च। ।

য়৾৻য়৴৻ঀৣ৾ঀ৻ঀ৾৻

বিপ্রসাস্থীরা,শুসা

यर्निट-न्दः त्वः नः स्रेयाः सहे सः न्दः । देः न्यासः सळ्दः ससः स्रें स्रें नः र्ह्हेया ।

रट:बीश्रा

न्यानः अहं अः योर्नेनः सन् श्चेत्रः अव्ययम् । मनः त्र्याः केन् वर्षे अर्थे अर्थेनः श्चेत्रं ।

ইৰ্ম্প্সপ্তৰ্ভী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

श्चेन् प्रति केंद्र स्ट्रिस्य प्रते न्या गुद्या । द्या से प्रति केंद्र स्ट्रिस्य प्रति ।

रट:बीश्रा

गुत्र-यत् नर्डे न उत् श्री भ्रूग नश्य मान्स्। । सद्द नशेल दें सदे कु सर्वे ल देग्य समुत्। ।

য়ঀয়৽ঀৢয়৽ঀ৾ৢ

বিপ্রসাস্থীর:নথা

ब्रिट्-ग्री-ब्रियोश-ईश्वास्यरास्यस्य स्थान्य । वस्यास्याद्यः ब्रिय-दिन्दास्यस्य स्थानस्य ।

रट:बीश्रा

त्त्रेयः सक्र्याः य हे : क्षेत्रः य विश्वः न्ता । इंदः क्षेत्रः स्वतः यहे : क्षेत्रः य विश्वः न्ता ।

পূৰ'ই ন'ৰী

বিপ্রসারীন্য নথা

गुन:ग्रीश:बुन:सॅट:सॅट्श:बुट:स्। । वर्षिन:स:बुन:सॅट:स्ह:बुट:स्। ।

रट.ग्रीश

ब्रेय.सूर्-(धं.चैया.धर्मे.स्। । ब्रुयाया.क्री.सं.क्ये.श्रीर.श्राययाता ।

শ্রীন'অ'বর্'ন'রী

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

यहेनाःहेदःश्चनः नश्चाः सदः सरः नर्हेदा । कुलः नः वेंद्वः स्वानः नश्चेतः सदः नर्हेदा ।

रट:बीश्रा

च्याया केत्र कु प्यहेत् स्थेट प्यते केंग्या । स्याया केत्र कु प्यहेत् स्थेट प्यते केंग्या ।

ଵ୍ଞ୍ୟଟ'ୈ'ଔ'ଞି୩'ଞ୍ଜୁଟ୍'ବି।

বিপ্রসারীক্রমেপ্রা

यद्दर्यः स्वेदः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स

रट:बीश्रा

न्नरःर्क्रेव् तुरःसुन् निव्यत्येयः मास्या । व्यवेदार्ग्वेद्रासुन् स्वेद्रायोक्षः मास्या । यो.ज.मुस्तुः नियम्ब्यः क्ष्यः स्वरः स्

নশ্ৰস্ক'ৰী

বিপ্রসারীজন্মপ্র

सम्बद्धाः स्त्रीयः स्वर्षः स्वर्धः सम्बद्धाः । स्राम्स्यान्यः स्वर्षः स्वर्धः सम्बद्धाः ।

रट:बीश्रा

भ्रीर-त्य-बुन्न-प्रते-त्यह्र्य-प्रते-भ्रेन । भ्रीर-त्य-बुन्न-प्रते-त्यह्र्य-प्रते-भ्रेन ।

ক্রুশ'ন'বী

বিপ্রসারীজন্মসা

हिंद्र-वॉर्द्र-सङ्क्ष-वान्त्रस्येद्र-स्यम् । इ.स्रेट्र-स्यक्त्र-वान्त्रस्य ।

रट:ग्रीश

ब्रिंद्र-वार्देद-ज्ञःवार्बेद-र-देश-यश। इ.से्द्र-श्रःक्वत्य-रच्चदश-स्थःस्था।

শ্বন'ন'ৰী

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

क्यास्त्रिः यान्यास्यः स्ट्रान्यः स्ट्रा

रट.गुर्भा

दे:बदे:न्वुर्यःश्रुदःयःश्र्दःनदे। । वडन्:व्ययःश्रुदःययःश्रेदःनदे। ।

বন্ত্র'ন'বী

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

द्य-तृत्रःर्ह्चेन-ध्यः स्था । द्य-तृत्रःर्ह्हेन-ध्यः स्था ।

रट.गुर्भा

यत्र-अविःयहंग्रःहरःयहःयःभीता । यत्र-अविःयहंग्रःहरःयहःयः

अ'अझुक'ङ्ग्रेन'के।

বিপ্রসারীজন্মপ্র

यर्बिन् नुति यर्नि स्ट्रिस् स्ट्रिस् स्ट्रिस् व ।

रट:बीश्रा

व्यादःधेःर्ज्ञुन्तः स्थात्रः स्थ्रीत्।

ব্লন্থান্ধ্য

বিপ্রসারীজনাখা

वर्रेन् स्वते स्वतः स्वतः स्वतः । न्यमः नवे स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।

रट.ग्रीश्रा

हुँ पश्च स्त्रुव स्त्र इंग्रुव स्त्रुव स्त्रुव

বপ্ত্র'ন'ই।

বিপ্রসার্শীর্জারপা

देवास्य नबर सप्ती नम्सी हो । इतिसारम् स्थापन स्थापन

रट:ग्रीश

न्द्यमः क्षेत्राच्याः व्यक्षः स्वास्यः स्वास्यः । न्द्यमः क्षेत्रः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः ।

ฐารคิกสาดีไ

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

ॐ.स.५.लट.शैं.उनुनशःश्री । उन्तरभीष-अँ.कं.चेट.शिंट.ग्रीशा ।

रट.गुर्भा

द्याःदवाःवर्षेत्रः त्रवेत्रः चेत्। । द्याः दवाः वर्षेत्रः त्रवेत्रः चेत्। ।

ষ্ট্র্র্র্র্র্র্র

বিপ্রসারীজন্মপ্র

८चतः चतः वि८ स्य क्षेत्रः श्रेट् श्रुव। । ८चाः चनमः उदः विः देनम्यः सः श्रेट्।

रट:बीश्रा

বাৰ্ষ বাৰ্থ শ'ব : ধুব : ইবা : বগ্নী স: ধূঁ ।। বি: বন্ত : ধ্ৰী : প্ৰত : প্ৰত : ক্ৰি না ।

ঐ দেই দে

বিপ্রসারীজনাখা

सहंसामितः स्टानिव सास्ट्रेट स्ट्रीया । पक्के सेन् सुर्से स्टिन्स् ।

रट.चीश्रा

ब्रन्ट्रिन्द्रचेन्द्रप्तिः श्रेनाः ब्रन्तिश्रा श्रेन्द्रप्तिः श्रेनाः व्यक्तिः स्त्रेन्ति।

वर्नेन'स'र्ने।

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

श्रुवःयरः ग्रामाशः यदेः श्रुः क्रेवः र्येश। न्युरः यशः श्रुशः यदेः हः यदः वर्षेग।

रट:बीश्रा

र्का.स.म.ला.स्याळ्यामायते.स्याळ्या । इषा.स.म.ला.स्याळ्यामायते.स्याळ्या

₹ব্ৰ'ৰ'

বিপ্রস:শ্রীল:বপ্ন

त्तुन श्री श्री प्रमाया स्थान स्था । स्थान स्

रट.गुर्भा

মর্কুনানা শ্রুনা মন্ত দিলে, ই। । বননানা শ্রুনা মন্ত দিলে, ই। ।

শ্ৰন্থ শ্ৰন্থ

বিপ্রসারীজন্মপ্র

भेगातुरः इ'नदे खुङ्गः वा । न्यरः पदे 'द्यव्यः वा भूगः र्देना र्वे ।

रट:बीश्रा

द्रणवः ख्रुवः ख्रुवाः वीः श्रेष्ठः श्रेषः स्वः क्रें स्वरः । स्रावदः वः वः द्रेषाशः स्वरः क्रें स्वरः वाः क्रिवाः वीं ।

য়৸য়য়৸য়

বিপ্রসারীজন্মগ্রা

रे.च्र्र.हब्.च्रे.च्य्यायांच्यायाःच्या । यवेव.च्रे.ट्रेच्याच्यायांच्यायाःच्या ।

হহ:বীশা

भ्रात्युत्यः सर्वे न्यत्ये के के क्या । निर्धे त्युत्यः सर्वे के त्यत्ये के कि निर्मे निर्मे ।

अव्याप्त वात्र विष्या के त्र की प्राप्त की प

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

यटे.बुट.पर्चेर.सम्बन्धतम्यःग्री । व्यटमःभुट्टेर्स्यमःभुगवन्यःग्री ।

रट:बीश्रा

ਕਵੇਕਾਕਾਜ਼ੁਕਾਜ਼ੇਸ਼ਾਨੀ।

বিপ্রসাস্থীর:নথা

म्यास्य स्वाप्त स्वाप्त

रट:बीश्रा

श्रेस्थः हेन् नने न्यायाः ह्रेंन् म्यायः स्ट्रेन्। भूनः क्री चेताः येते स्यायः ह्रेंन् म्यायः स्ट्रेन्।

ঊশগর্উন্'রী।

বিপ্রসারীজন্মপ্র

हिंद्र-वार्द्दरङ्ख-व-त्य-त्यव्यव्यव्यव्या । यद्भवि-सार्द्धक-वार्वेद-दिं।

रट:बीश्रा

য়ु:ঀेष:बेर:नश:नर्ज़्रेर:नते:वि:नते:ब्रॅट्स| | सहेश:सश:मज्जुते:बर्नःस:स्टर:पर:गुर्हेर्| |

अ**ଞ्**रस'स'सस'गुर'झ्न्।स'ङ्गे।

বিপ্রসারীর নেখা

सर्द्धन्यःसःस्यःग्रह्म्ययः। सर्द्धन्यःसःस्यःग्रह्म्ययाः।

হহ:বীশা

इ.यब्र्य.सर्द्धरम्य.स.चन्य.म्य.स्याच्य.स्य.स्याचा । इस.र्या.क्ष्य.म्रिसम्य.यद्रःसम्बर्धः स्याप्ताः

<u>ইশস্ত্র'ক্র</u>ন'ম'নইশ্রী

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

इंश.श्.यट्य.यंच्या.यट्या.यंध्या.यी

रट.ग्रीश

चट्यानेबाह्यान्यामार्श्वेत्राचित्रः चट्यानेबाह्यान्यामार्श्वेत्राचित्रं

নুষ'নম'ন<u>দ</u>্বী'

বিপ্রসাস্থীর:নপ্র

रट:बीश्रा

व्यवस्थितः स्थान्तः स्थानः स्थान

<u>ই</u>শস্তু'ন<u>র্</u>শু'র

বিপ্রসারীজন্মপ্র

स्याचित्रसम्रोद्यस्यते स्थान्त्रसम्या । न्यान्त्रसम्बद्धाः

रट:बीश्रा

इट्स्इट्टियोश्यास्त्रे से स्त्रे स्त्री । मुखुर्से नर्गेट्रस्त्रे हेश्यासुरस्त्री ।

पक्के**न**'न'के।

বিপ্রসাক্ষীতারেখা

रट.चीश्रा

नय-य्येत-त-सिट-ह्र्य-श्रीतकुट। । नय-प्रि-अक्ट्योतह्य-यूश्यशकु-नश्रा।

ननॱसुंत्र'के।

বিপ্রসার্শীর্জারপা

यदः क्रिंते : दूरः र्वेदः चनः सः धी । वः कुरः दृष्ठे दः गृते : दरः कुषः प्रदेवा ।

रट:ग्रीश

चब्रेन्स्यःक्टःक्ट्रेंन्यःस्य। । चब्रेन्स्यःक्टःक्ट्रेंन्यःस्य। ।

वर्नेन'स'ने।

বিপ্রস:শ্রীল:বপ্ন

मर्बिद सुदे सुरू ग्री रेम गुर्मे । मर्बिद सुदे सुरू ग्री रेम गुर्मे ।

रट.गुर्भा

क्ष्मभः नगरः निर्धः निर्दे - नृहर्भः नश्चेत्यः सर्वेदेश । वक्षे स्थेनः नन्नन् निर्वे निर्देशन्त्र स्थितः सर्वेदेश ।

<u>ইশংস্তু'ন্ট্র</u>ি

বিপ্রসাস্থীতা,শুসা

ব্ৰহম:ব্ৰন্থ:বাৰ্ছ্ৰ-বৃষ্ট:ইম:শ্য:গ্ৰিবা |

रट:बीश्रा

चन्त्रत्युत्यःर्केन्यतेःहेशःशुःग्रेन्। । हेश्यःयःक्षःगुर्दे। ।

्रवहुर्यान्ययानीः श्रु श्रु रायदे दे विस्थरा श्रुवा सकत्त्व रे स्थितः स्यातः स्थितः स्याः स्थितः स

शुरःश्रुरः।

ষ্ট্রন'ঙ্গর'ব্যুন্

<u>ৰান্ত্ৰৰূপ্যভৰ্ণস্ত্ৰী'ক্কুৰ'নপ্ন'্ৰা</u>

सक्त केट न्या न्ते न महिसाय

য়ॱॸॖॸॱৠॸॱऄढ़ॱॹॗॸॱय़ॱऒ। ॸॎ॓ऄॱऄॸॱॸॺॱऄॱॴॖड़ॴॴड़ॺॱ ॡॸॕॸॖऻॎऄॎॴॸऄॱॸऄॱॸढ़ऻॹढ़ॸॸॎॸॖॱॸऒॕॸॱढ़ॴऄॴऄॎॴड़ज़ॱॾॴॸऻॕॾ॔ॸॱय़ॱ ॴऒढ़ॱय़ॸॱॹॱॸॖॸॱॸॖॱॷॸॱय़ॵढ़ॱय़ॸॱॹॗॸॱय़ऄॱॸऄऄॱक़ॖॖढ़ॱॸ॓ॱॴऄॱॸऄॱ ॸऄऄॱॴॖॖॹॖॴॴॶॱॸऒॕॸॱय़ॴढ़ॱॴॖड़ॖॴॴड़ढ़ॱॹॖऀॱक़ॖॗढ़ॱॸॖ॓ॱऄॎ॔ॱॸऄ

শঙ্গির শ্বান্

ष्ट्रिनः तस्यायः तयायः न्दः क्रुःधेः यात्रुयाया । स्वः न्दः त्रेः क्ष्वः क्षेतः स्वः स्वः । कः न्व्यः न्दः त्रेः क्षः क्षेत्रः स्वाः । स्वुः तस्यायः त्यायः न्दः क्रुःधेः यात्रुयाया ।

स्रु-र-प्रदेशमात्रुवाशः स्विताः सः स्वतः स्वितः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वितः स्वतः स्वितः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः

ব্ব'র্ম'বস্থুর'নবি'নারুনার'ডর'রী।

न्ये न्दः न्ये क्षात्र्यार्टे विते नरः नुः इसः नृत्वे नुषायदे त्यत्रे वा स्थः नसूर्यायः स्रो

₹'ন'অঝ|

न्स्रस्यविःक्रियम्यम्यक्षे । यन्त्रःश्रॅस्श्रॅप्ययम्यन्तर्भे ।

न्ध्रत्यात्रे तिहास्त्रे । प्रमास्त्रे । प्

र्के दिव दिन अधिक निष्य के स्वास्त्र के स्वास्त के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्

র্বি-মোদশ নথা

षरःक्रें स्रन्तुरःन्ध्रेनःन्धयःन्रःवःक्रें।। न्तुरुषःथ्वायर्षे रेषःश्चेनःळवःने वित्।

'৺৴৻ঽ৾৻৴৸৽য়ৢ৴য়৻য়ঢ়ঽ৻৳ঽ৾৻ঀ৾৻ড়৻ঢ়৾য়ৣ৾৾৾৽ঢ়৾য়৻ৠ৾য়৻

धेन्'वर्सेना'सळंत्'न्नेदे'त्वय'न्रशःह्व'नदे'र्नेश। *ॸॹॖॴॸऀॸॱॺॗॖॺ*ॱॿॖॸॱॸऀॱॸॗॺऻॴख़ढ़ॺॱॺॴॺॾ॓ॴ*ऻ* ૄ શુનાય 'ફ્રે' જન્ એન્ 'વેંન્'ન્ગાન નાર્બે 'જંચ શુંચા | भ्रवाष्ट्रवागुर्द्वाचवदायवेष्युर्दे कुषा

रट:ग्रीश

मुन नमूद्रागी ता भारे रागद्रया नव्या भीटा । षर्ट् किंट्र परिवालया प्राध्य प्राध्य के शास है या दह्रेन्यश्चवः देन्यश्चर्यश्चर्यः क्रियः सुद्रः दर्यया स्था । यन-नगर-गर्भःग्री-भेर-वो-कुल-चुर-डेवा |डेस-स-सू-तुर्दे। |

*ব্*রিঝ'ন'অ'ন<u>স্</u>ধুঝ'নবি'বারুব্যঝডের'রী।

द्ये द्ये उद्याचर की द्वा श्वास सम्बन्ध राज है।

₹.4.44

होत्तं सेत्यक्षेत्र स्थितः हो । से में ना मुस्य स्थितः हो न्या । स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त ।

यमानदि ति कि स्तर्भ क्रिस्तर क्रिस्तर क्रिस्त क्रिस क

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

हे नडुंद से ख्या

याबि'सद्ध्यायःहेन्'ग्रे'बिन्स्याया । याधान्नायःक्ष्यःस्ये क्षुःस्यन् श्रुम्। याधान्नायःस्यःद्वे स्थेन्'ग्रे'स्यं स्यान्या। याधान्यायःस्यान्त्रे स्थान्याः

র্মুদ্রমান্ত্রমা

सुराग्री विदेशकी मित्र के स्थित स्थान

रत्यः संदे से हिंगा डंग्रासामा थि हुत्य । दश्चर दर्दे द से मा मी सुर सामी या मी या मार्थे । क्वर से दे से मुंदर कंपा दि से से प्रस्ता ।

लट.य.र्यत्व.श्रीट्याक्षीयय.कुय.र्युचाक्य.श्रीया

यश्वश्चान्त्रम् त्रित्त्वान्त्रम् स्वाप्तः स्वीतः स

ম্ম:ব্যাঝা

ৰাম্ভৰণমান্তৰ প্ৰান্তৰ প্ৰ

₹'ন'এঝা

र्मे दिन प्रस्तुव परि प्रेर न्येर न्येर प्रे

यह्यान्त्रम्यान्ययाय्येषा श्रुवान्यायाह्याः श्रुवेः कुः नःया । यह्याः वृत्याः यहूः स्यार्टेवः स्यार्येषा । श्रुवः न्याः न्यतः यद्ये स्यार्थे । श्रुवः न्याः न्यतः यद्ये स्यार्थे । स्रुवे स्यार्थे व्याप्ति । स्रुवे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्यार्थे स्थार्थे स्था स्थार्थे स्थ

स्थान स्था

रट:बीश्रा

याल्लाक्ष्यान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्यः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त्यः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्

নৰ 'ন'ক্ড'প্ৰ'ন্ৰুন্ৰ'ড্ৰ'ই |

लया.वर.यांचीयां अ.श.स.चीयां यांचीयां अ.श.यांचीयां क.लेश.वर्ष.यं व्यात्वर. क.लेश.श्रं आचीयांचीयांश.श्री.यांचीयां क.लेश.वर्ष.यंश.लयं.

₹'ন'অঝ|

महुस्रार्स्से क्षुं सुर्त्ताः क्षेत्र हिन्द् सु । हिन्द्र महिन्द्र स्था क्षेत्र स्था स्था स्था । हिन्द्र सुर्वे क्षेत्र स्था स्था स्था । हिन्द्र सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे । য়ी.चाडीचाकाकी.चुम्ट्रांचकावाक्याची.चाडीचाकाव्याची.च्याची.

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे |

हे.पद्धंय.धु.जश

८.४४.४५४.५५५.५५५.५५५ । चित्रकारमुच्यात्त्रीत्त्रम्थात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारमुच्यात्त्रम्थाः चित्रकारम्थाः चित्रकारम्थाः

ग्रासंकें प्रदार प्राया प्रवर मुश्

गुव्रसिव्यक्ष्यः न्युक्षः मान्त्रः यन्त्री । स्यक्षः श्चेत्रः स्वर्धः श्चेत्रः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः श्चेत्रः । श्वरः स्वर्धः श्चेत्रः यस्य स्वरः स्वर्धः स्वर्धः । श्वरः स्वर्धः स्वरः स्वर्धः स्वरं । लट्यं न्या श्रीट्या यावि केत ने या कुट हैं। कें या ही या

ल्रि-पूर्यस्यक्रम् र्स्याः ह्रियाश्चारति यति स्थाना । सक्:र्स्ने भः मङ्गदेः तद्वासः सक्षेत्रः मदेः द्वासा र्श्रेप्तायो स्वरंदिया स्वरंदित्र वह्रअःभ्रुतःरगानीःभ्रुतःहेरुःधेरःस्तार्वेता ।

र्रायोग

चीरश.वर्ष.कें.श्रेषातसवीश.अक्ट्र्वा.सु.पर्देशी য়ৢৢঌ৽৲য়ৢয়৽ড়ৢয়ৢড়৽ঽ৸ঽ৸য়৽য়ড়৾৽ৼয়৽ঢ়ৢঌ৸ नुःविश्वरस्यानुरायदेःधेन् उद्यादर्भे । यदः यदेवे त्यसः यवटः यर्गे दः यदे खेदः यसः उदा विसः यः सूः

ৰুৰ্বা ।

প্র'ন'ক্ড'প্র'ডব'ন্ট্র'নার্ন্র'ডব'রি j

लय.जचा.क्य.चार्चियामा.शी.चगूरि.यमा लय.जचा.यमा.यमा.वीचामा.शी.मा গ্রুম্ম্ম

₹.4.44

गर्नेर-नदे प्रम्याश्चेश श्चेत पर्वेग हेरा।

शुंभःसदेःवाद्यभःभ्रम्भःसःस्त्रेभ। । श्रेमःन्याःगुद्धःहःन्यमःसःस्नेभ। । हुसःग्रेःकुःदेःवयभःसःन्रः। ।

र्मे दिन दर अध्वात परि द्ये र वर्षे र वर्षे र वर्षे र वर्षे

ই্'নর্ত্তর'য়'য়'য়য়

दह्नाहेराक्तीः विकास स्ट्रिया हेर्स हो । स्ट्रिया हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स हो । स्ट्रिया हेर्स ह

षाद्य र्रेस् न प्रति सुन न सून सुन रहेन सिन राष्ट्री भा

स्रुवः चन्यायः वहं सः स्त्रीतः स्वितः गुवः सुः स्वितः । कुः स्रुवः प्रवेतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वयः । स्टः चुटः र्क्षेवः प्रवेः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वयः । चित्रः र्क्षेवः प्रवेतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वयः । चित्रः र्क्षेवः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वयः ।

ব্ৰথা শ্বীশ্বাপাৰ্য জ্ব ব্ৰথা প্ৰশ্ন শ্ৰী প্ৰ

स्यः न्यानः विद्यः न्यः क्ष्यः विद्यः विद्य

रट.चीश्रा

भ्र. मृत्रा निष्य निष्य म्या निष्य म्या मृत्रा निष्य म्या भ्र. मृत्रा निष्य निष्य निष्य मित्र म

ৰুৰ্দ্য ।

<u>রুশ'ন'শ্বৰ'নবি'নারুশম'ডৰ'রী</u>

न्येदे रे में मान्ये प्रताये प्रताय प्रताय मान्य व्यव्या मान्य प्रताय प

₹.খ.লপা

हिन् ग्री मिन्न त्रिया विष्य है न मिन्न विषय है न मिन्न है न स्वर्थ के मिन्न के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्

र्वे दिव दर अध्वात प्रति द्ये र वर्षे दिव

हे. पद्धंत्र क्षे. त्यान्त्र प्रधाने हि. त्युंते क्षें प्रधाने विकास होते हो स्वाप्ता । दक्ष न्या क्षें प्रधान क्षेत्र क्षेत्र । क्षेत्र क्षेत्र प्रक्षेत्र विकास क्षेत्र । क्षेत्र क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विकास वि

बे के दामुख कं नामी भा

यान्त्र-प्रकेषः याचान्यः न्यानः स्वरः प्रका । क्षेत्रः स्वर्यः व्हिताः हेत्रः स्वरः प्रवेशः प्रका । स्वरः प्रकारं विद्याः स्वरः प्रवेशः प्रका । स्वरः प्रकारः याचान्यः प्रवासः स्वरः प्रका ।

लट.य.र्राचन श्रुट्यायम्ब केत्र देवाकुट ह्वें केंया ग्रीय

त्तर्यनाः चैताः द्वेतः नेताः नश्रुषः क्रेसः भी नि निरादितः सक्ति। नीः श्रुषः सङ्गेः न्याया। । स्थानः स्थानः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः । स्थानः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः । स्थानः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः । स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः । स्वायः स्वयः स्वय

ম্ম:ব্যাঝা

द्यासिक्षेत्रः स्वाप्तासिक्षेत्रः स्वापतासिक्षेत्रः स्वापति स्वापतासिक्षेत्रः स्वापति स्वापति

নন্ত্র'ম'ঐ'শ্ব্র'মবি'শ্র্শ্বশ্ভর'ৡ।

> योर्नेर-प्रने-प्रह्मायानिर-क्विः वित्र-प्रनः।। श्रुव्य-प्रवे-श्रेया-यो-श्रुक्क्य-उद्या। क्वि-प्रने-श्रुक्क्य-श्रे-प्रक्षाः। र्वेश्व-प्रकृत्य-श्रे-प्रकृत्य-प्रकृति।।

हिन् ग्री मिन्दि त्यो म्यान्ति । स्वत्य स्वतः स

र्वे देव दर्भ स्वात स्वीत दिन स्वीत स्वीत

র্নু ব্রাদ্রমানমা

 ८०० स्थान्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य केत्र म्यास्य स्थानिक स्थानिक

क्षर्यास्त्रः श्रीटा विचा चीटा चुते : कुर्या चार्त्यः स्त्री । चीत्रा केर्या स्त्री स्त्री स्त्रा स्त्री स्त्री स्त्रा स्त्री स

रट:ग्रीश्रा

अत्यःस्व नावव नार्य्यः त्रुं स्ट्रिंस । वत्यः नाश्यः स्वव त्रहेनयः श्रूटः श्रे स्ट्रिंस । स्यः नाश्यः त्रुं व त्रहेनयः श्रूटः श्रे स्ट्रिंस । स्यः नाश्यः त्रुं व त्रहेनयः श्रूटः श्रे स्ट्रिंस । स्वतः नावव नार्य्यः त्रुं स्ट्रिंस ।

बुर्दे।।

নক্ত্র্ব'ম'ঐ'য়ড়য়'মবি'ন্র্ন্ম'ডয়'ঈ|

त्रव्या अस्त्र म्या । इस्य । या शुन्य या शुन्य या । या स्वर्ण या शुन्य या शुन्य या शुन्य या । या स्वर्ण या शुन्य या शुन्य या । या स्वर्ण या शुन्य या शुन्य या । या स्वर्ण या शुन्य या शुन्य या शुन्य या । या स्वर्ण या शुन्य या स्वर्ण या शुन्य या । या स्वर्ण या स्वर्ण

₹'ন'থঝা

श्चिंशासदी साह्य सर्वे साम्यान्य स्वीता ।

श्चेत्रस्यते त्या स्तिर्याम् स्तिर्या । सिन्यार्ने राष्ट्रा नायीन सुन्या सीया । सिन्या हेत्रा मुख्या सीया ।

श्रेन् मश्रीं श्रामित्र स्त्रिं श्रामित्र स्त्रिं श्रामित्र स्त्रिं स

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वेर वर्हे दिवी

রুই-প্রাধ্য নথা

द्यानः सद्यः स्वतः स्कृत्याका याद्याः स्वतः स्वा । स्वानः स्वानः स्वतः स्वतः स्वानः स्वतः स्वतः स्वतः । स्वानः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । स्वानः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः । स्वानः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।

लट.य.र्यत्व.श्रीटश.भविष.कुष.रुव.क्रिट.श्रु.क्रूश.श्रीश

त्रभार्यः भारत्भार्त्त्राक्ष्यः भारत्यः विद्याः विद्य

ম্ম:ব্যাঝা

<u>ব্</u>ন্তুব্ৰেম্বৰ্ম্মনের শ্নুন্মভেক্রী।

र्न्स्यासंद्रिः हिन्द्रस्यासं त्वित्राचा है या व्याचित्र विवास स्वास्त्र स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थान्य स्थाः स्थाः

₹'ন'অঝা

ঐ্রর্ন'শ্রিস্'স্ক্রম্ন'ই'ফ্রেরি|| ন্ত:র্মির'স্কু'র্নাশ্র-স্ক্রম্নাশ্র প্র'মির'র্ন্স্নাশ্রম্মান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্র

र्यादः क्रूर्यः क्रीयः अक्वं क्रीयः क्रीयः हिम

त्र्वाचित्वं । त्र्वाचित्वं वित्रत्र्वं । त्रवादःश्रृंद्रानुत्वं क्षेत्र्यात्रेत्वे क्ष्यं वित्रत्र्वे विष्यं वित्रत्र्वे विष्यं वित्रत्रे क्षेत्रः वित्रत्यं वित्य

ब्रेश्वर्त्रः स्वित्रः स्वर्ण्या व्याप्ताः स्वर्ण्या व्याप्ताः स्वर्ण्याः स्वरं स्वरं

ॖ॔ॸॕॣ॔ड़ॱॸॖ॔ॱॿॎॖॸॱढ़ॾॖ॔ॴॱॺॊॴॷॱऄॹॸॸ॓ॕॖॴॸॴॹॗॖॱॸऻॸॗ ढ़ॸॣऀॱऄॖॸॱॿॸॴॸऄॴॸॿॎॴॱॸढ़ॎॱक़ॖॖॱॴॸॱॹॖ॓ॱॴॸॴॹॗॖॸॱॸ॔ॱऄॗॸॱॸॱॿॆॴ ॸ॓ॸऻॱॊ

यारशःयःश्रुवाःगर्विदःग्रीशा

स्रायमा अर्के वा न्या परि त्वा मा स्रोत मुखा सर्के में वा सर्रे.र्ययेश्वाधभाषाश्चराश्चे.पर्युषु.र्ययेशेश.क्रेरा। नर्ग्निन्यशन्यश्रेषाः स्वतः शासुदेः श्रुवः र्स्ट्रेन्सा यद्या नेयानुः देवा पदेः वाद्यान्य स्थानु वातु द्वा ।

अट.व.ट्रेनज.श्रॅट्य.श्राच्य.कुव.ट्रेज.क्टट.श्रॅ.क्ट्र्य.ग्रीश

सुरार्हेग्रयादीः सामेरायवे केरानुवे हेंग्। चन्द्रप्तर्भुवायदे में या ग्री हेरावर्गे द्रायया । .बुन.नष्ट्रव.इस.चर.कुल.नदे.कुल.सळ्द.५८) । लगः हें व. प्रेच्र-प्रवे वाधिकालगः मिका मैं र हिया।

হহ:বীশা

नवर्पः हैं हेवे विचया सेव देव केव हैंग। <u> र्ना अर्घे के के वे कुया अळवा हे रानर्गे दायशा</u> **য়**৲ৢয়ৢ৲য়ৢৢৢৢৢৢয়৽য়ৄয়৸য়য়ৢঢ়ৢ৸য়য়৸য়য়৸৸য়য়৸৸ क्षु.सन्नियःक्तृत्यःप्यःपाधुतःसन्तिः हिनाः । हेरुःसःक्षः

ৱৰ্ণী ।

ষ্ট্রী'রুবা'ঝাবশ'র'ব্বার'ব্বর'বাঁঝা

मुक् प्देवे हिन क्रिक है। नमे मुक्त न्देव ने स्थान क्रिक मिन हो मुक्त क्षेत्र हो नमे मुक्त क्षेत्र हो नमे मुक् स्थान

द्येर:वा

म्रीयःसतः स्रीतः स्रीयः स्तरः स्त्रीतः । विश्वः स्तरः स्तरः स्त्रीतः स्तरः स्त्रीतः । विश्वः स्तरः स्तरः स्त्रीतः । विश्वः स्तरः स्त्रीतः स्त्रीतः । विश्वः स्तरः स्त्रीतः स्त्रीतः ।

देश-द्यो-त्युरे-द्र्य-मृत्वुद्य-स्यायद्य-स्युद्धे-यात्युत्य-स-स्युद्धे । द्यो-दे-द्या-प्यशाद्यद्य-स्यायद्य-स्युद्धे-यात्य-स-स्युद्धे ।

द्ये इस्य कें व्याप्त स्थान द्वा स्थान स्

त्यः नृत्ये त्र पुर्वा न्यू सामान्द्र स्त्र त्र त्र त्र त्र त्या विष्ठा स्त्र त्या विष्ठा स्या विष्ठा स्त्र त्या विष्ठा स्या स्त्र त्या विष्ठा स्त्र त्या विष्ठा स्त्र त्या विष्ठा स्त्र त्या स्त्र त्या विष्ठा स

क्री-देन-पर्ट्-स्रिक्षा वर्षाक्षे-देन-पर्ट्-प्रवि-स्रिक्षा व्याचान्यक्ष्याच्याक्ष-व्याच्याक्य-व्याच-व्याच्याक्ष-व्याच्याक्ष-व्याच-व

*শ্লু*ন'ঙ্গৰ,বিশ্ব

*ন*ম্ভূ'ম'নৰ্মশন্তৰ'ৰী

न्ये उद्गर्म यो अ द्यान से होन्यम प्ववद ही हान होन्य अ हान प्रवाय न से

₹'ন'অঝা

यन्यः इस्ययः देश्वः त्रुसः द्वेनः । द्यः सम्दः व्यः प्यनः स्वेः न्य । हिनः वर्नेनः क्वः वसः वन्याः वेश । स्वेयः इस्ययः वर्षे वासः देनः नुः वस्था ।

याञ्चाराक्ष्यः स्वस्थान्यः स्वस्यः स्वस्य

र्वे दिव दर अध्वात अदे दिवे र वर्षे दिवे

ग्रह्माक्षे: न्वन्द्रन्वयाययम् ग्रीया न्यायम् विद्याययाययम् ग्रीयाय व्यायम् विद्याययाययम् ग्रीयाय व्यायम् विद्याययाययम् ग्रीयाययाययाययाययाययाययायय व्यायम् विद्याययाययम् ग्रीयाय व्यायम् विद्याययाययम् ग्रीयाययायययाययाययायय

लट.य.र्यत्मता.श्रुट्यास्मित्र केत.र्द्या.क्ट्र ह्यां क्रिंया

रदःग्रीश्रा

श्रम्भवायबराश्चित्रास्तिः श्रेत्रास्यायबर्द्धाः विश्वासाः श्रुः सक्त्वाःश्चितः वाश्वयः द्वीतः वादः त्वरः व्याद्वाः स्वादः स्वरः स्वादः स्वरः स ৰ্ক্||

নদ্ভ্'ন্টিন্'ন'্ধ্ৰু'ঐ'ন্সূন্ধ'ড়ৰ'ই|

क्रैंदश क्रुं अळत् क्रें क्रें त्रशान्त्र ना श्री

₹"ন"অঝা

ब्रैन्द्रे व्ययःस्यः कुः सर्वे द्राः । यद्गेनः हेदः क्रयः स्यः स्ट्रेन्दः स्वे। । ब्रेन्द्रेनः न्याः स्ययः स्वे द्राः स्वे। । ब्रेन्द्रेनः न्याः स्ययः स्वाः स्वे द्राः स्वाः स्व

र्मि:र्न्न, प्रस्ति स्वरं स्व

ब्र्वायःग्रीःहें हे त्यवायःश्राद्यन्त्रःक्षे । द्यवाःसेद्रःस्रृत्ययःसद्यःद्वेदःक्वयःगुदःग्री । वर्षेद्रःस्रृत्ययःस्यःद्वेदःक्वयःगुदःग्री ।

लट.य.र्यत्वताश्चरमाय्यक्ष्य.र्यं व्यक्त.श्चर्याश्चरमा

न्यःक्रॅथःब्रुट्र्र्र्यःवर्द्धेन्य्यःवर्द्धेन्यःवेन्यः भ्रुवाःवर्ध्यःद्रेय्ययःवर्द्ध्यःवर्ष्यःवर्द्ध्यः भ्रुवःवर्ष्ठेयःद्वेयःवर्ष्ठ्र्यःवर्ष्यःवर्द्ध्यः वर्षेत्रःवर्षेत्रभुःकृतःवर्षेत्रःवर्षःवर्षेत्रःवर्षः वर्षेत्रःवर्षेत्रभुःकृतःवर्षेत्रःवर्थःवर्षेत्रःवर्षे

ম্ম:ব্যাঝা

स्वास्त्रेन्यस्त्रम् स्वास्त्रिक्त्यस्य स्वास्त्रम् । हेस्यस्य स्वास्त्रिक्त्यस्य । हेस्यस्य स्वास्त्रम् । स्व स्वास्त्रिक्त्यस्त्रम् स्वास्त्रिक्त्यस्य स्वास्त्रम् । । स्वास्त्रिक्त्यस्य स्वास्त्रम् । ।

নদ্ৰু'ৰাজীঝ'ন'ষ্ক্ৰুম'ননি'ৰান্তুৰ্যঝ'ডৰ'জী|

न्ये क्र म्ये हिन माने ने। न्ये मान प्यतः स्तान ने हिन माने वितः मानुम्य सु नर्गे न् केरा। न्ये में स्वामित्र माने स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स्वामित्र स

श्चरःयःविगःश्ले।

₹'ন'অঝা

ब्रेन्यः श्रुमः निर्वे ना श्रुमः स्वि । इ.सं. क्षे स्व स्व हेनः श्रुमः स्व । इ.सं. क्षे स्व स्व स्व स्व । इ.सं. क्षे स्व स्व स्व । इ.सं. स्व स्व । इ.सं. संत्र स्व ।

म्यायास्त्रात्त्र्यात्त्रेयात्त्र्यात्त्रत्यात्त्र्यात्त्यात्त्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्रत्यात्त्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्रत्यात्त्यात्त्

विश्वास्य स्थितः स्थान्य स्थान्

र्वे दिव दिन अधिक निष्ठ निष्ठ

ष्ट्यःन्द्वर्यः यद्वित्यक्तः भ्रुयः स्वा इयः पदेवः वारः वित्यः कुः भ्रुयः स्वा

<u>ॠॱइंॱज़ऀॱॴऄढ़ॎऀॱक़ॖॖॴॱय़ॕॱॸॣॸॱॸढ़ॸॹऄॵॴ</u>ॗ

त्रुव् नित्र्यं निर्द्र स्व वित्रु निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे स्व प्रिया निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे स्व प्रिया निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे । ।

स्व प्रिया निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे निर्दे । ।

रट:ग्रीश्रा

चिष्ठमःश्चेत्रःन्वादःनदेःस्वाचीत्रःस्वःन्यःचीत्। विश्वःसःश्चः मुःक्वेःस्वात्रःन्वादःनदेःद्विश्वःस्वःस्वः। मुःकःस्वातःन्वश्वःनदेःद्विशःस्वःस्वः। स्वःश्चेत्रःन्वशःनव्यः।

ৰ্ক্||

নদ্ভু'নাধ্যুষ'ম'ন্ম নি'নালুনাধ'ড় জ'জী |

याञ्चयात्रात्र्यात्र प्रत्ये प्रत्ये

ই.ব.এপা

য়ुः यः त्यः त्वेः स्यः तुः त्यात्वा । यम्पायः यात्वे त्याः स्यः स्य त्यात्वः यात्वः यात्वः यात्वः यात्वः यात्वः स्ट्रम् स्याप्तः स्य स्य स्थान्यः स्य विष्णः स्ट्रम् स्थान्यः स्व स्थान्यः स्य स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान

न्यामः वित्तः नृत्यः स्यतः स्यवितः म्यार्ट्यः स्याः श्रीः श्रीः स्याः ग्रीतः नृत्यमः स्यतः स्याः स्यः स्याः स्याः

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

र्षेट्रअप्टेंद्र'वृ'द्रअर'राश्रा

४.क्रीशः श्चीः यदुः सूर्यः क्रीः विट्यः सः तस्या । सूर्यः प्रष्यः यद्राः स्वाप्तः क्षियः प्रः स्वाः सः स्वाः । र्यारः यपुः यद्रस्यः स्वास्तः क्षियः द्वाः यः यद्रशः । र्यारः यपुः यद्रस्यः स्वास्तः स्वाः स्वाः सः स्वाः ।

वज्ञेषाळन्द्रें व्यन्दर्ध्वरमाधी।

.बुन:नश्रुव:दे:श्रेट्:दे:वॅट:वहेंद्या । यर:टेंदे:वयेय:नश:नश्रुव:य:यी । देश:ग्रेश:गट:नदे:ब्रु:न:नवेदा ।

रदःग्रीश्रा

यास्त्र-र्युक्ष-सदिः स्तुर-स्तुक्ष-दिन्द्र-स्त्र-स्त्रिः श्री-सदिः स्रेया-वी-सिः कुः दश्चन-सः स्त्रिशः । श्री-सदेः स्रेया-वी-सिः कुः दश्चन-सः स्त्रिशः । कुष्यः गुद्दा-सदिः स्त्रिक्षः स्त्रिक्षः स्त्रिक्षः ।

বুর্দা।

নদ্ভু'নৰী'ন'ইৰা'ন'ডৰ'নী'ৰানুৰাশ'ডৰ'নী|

न्वे गर्डे में न्दर्ने उद्यायया गृहेश क्रिंश क्रिंश स्त्र प्या श्रूम क्रिंश समुद्रायम से स्त्र में में में प्रायम से स्वर्थ क्रिंग क्रिंश क्रिंग स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र

₹'ন'অঝা

क्षुः इस्यशः श्रीश्राः त्रीः ह्वाः न्याः निश्चाः व्यक्तिः व्यक्तिः व्यक्तिः व्यक्तिः व्यक्तिः व्यक्तिः व्यक्तिः विद्यक्तिः व्यक्तिः विद्यक्तिः विद्यकिः विद्यक्तिः विद्यकिः विद स्वानः स्वानः त्रिन् विस्वानः एक स्वान्तः स्वानः विद्वानः स्वानः स्वानः

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे |

म्ह्रास्त्रम्थायनम् श्रीया स्राप्तः निर्देश्चर्यायनम् श्रीया स्राप्तः निर्देश्चर्यायनम् स्राप्तः निर्देशः स्राप्तः स्राप्तः निर्देशः स्राप्तः स्रापतः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्रापतः स्रापतः

<u>ભદાતાના સુદયાયાત્ર છેતાને વાજદાર્કે છેયા છેયા</u>

श्ची: द्र्या: स्वाद्यः केरः श्चेदः स्वेदः स्वेदः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वाद स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वत

र्रायीया

न्याव्यान्यात्र्यः स्ट्रास्त्रात्र्यः स्ट्रास्त्रात्रः स्ट्रास्त्रः स

নউ'শ্ৰ'ন'নানুন্ম'ডব'ন্বী'নানুন্ম'ডব'নী

द्ये : उद्याक्ष : द्ये : द्यं : द्यं

₹'ন'এঌ৻

ब्रिन् मार्ने नः यन्यः भ्रीयः ने नः यने नः । श्रीवः यवेः यविः योनः यानवः या । स्यः श्लीयाः नवायः ययः यानः च्रीनः नि । वेयः यान्यायः ययः यानः च्रीनः नि ।

न्ये उत् हिन् ग्री मिन्न प्रत्य स्त्री श्राम्य स्त्रा न्ये उत् हिन् में मिन्न श्री श्राम्य स्त्रा स्त्री स

याधिवर्देश

र्वे दिन प्रस्तुन परि प्रमेर महिन हो।

র্বি-মোদমানমা

चित्रपतिः र्क्के त्राध्यस्ति द्वित्रप्तिः स्त्रीत् त्र्यस्ति । स्त्रीयः स्त्रीतः स्त्

लट.य.र्राचन श्रुट्यायम्ब केत्र देवाकुट ह्यें केंया

स्र्यास्त्रियः स्यास्त्रियः स्

হহ:বীঝা

मानव्यस्य स्ट्रिंग्य स्ट्रीयः स्ट्रीयः

गुन'न्यदिः छः दहेन मन् चुना हेन विन् ह्या । श्रुन् श्रुट्

त्यायः नवे मा स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

क्कॅन'ळ'क'नकु**न**'स।

सळ्य.धेर.रटा रेगु.य.याधेस.तस्म

קקיִאֿ־אַמּשׁקיּקּקיּ

श्चेते से वाश्वर वर्हे न् सदे श्चा के वा वो हिं वा सर पें न् स्था स्वा गाुद वाश्वर वर हो न् र वे।

₹.건.এ৶

विस्यासाम्यायस्तर्तुः विस्ययास्य चित्रा । उत्तर्भाक्षेत्रः च्यास्य स्ययः चित्रा । विस्यासाक्षेत्रः स्यास्य स्ययः चित्रा । चित्रास्य स्थानस्य स्थानस्य ।

क्ष्रीं न्याया वा व्याप्त व्य

र्वे देव दर्भ स्व स्व दे दे से स्व दे दे हैं।

द्वारासासुसामधुर्धास्य प्राप्तासामधुर्यास्य प्राप्तासास्य प्रम्य प्राप्तास्य प्राप्तास्य

लट.य.र्नात्मा श्रीट्या श्रीय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

स्ति कुर् द्वायः यद्वः स्वादः स्व सः स्वादः स्वायः स्वयः स्वादः स्व सः स्वादः स्वतः स्वादः स

হহ:বীঝা

व्यासः अर्द्व नुः वर्द्द्वा स्वतः न्यास्य स्वतः स्वा | विकासः व्याप्तः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व वित्र वर्द्देश्वः व्याप्तः स्वतः स

न्द्रिशमानुःनःङ्गन्यदेःन्द्रयःनुन्द्री

त्रुःळेवाॱर्वेवाःसरःवर्हेदःसदेःळेवाःदेशःर्देदःद्वेःसःवाशवःवरःत्वेदःसःस्रे।

₹'ন'অঝা

क्रुर्देःकुःश्वेरःनविःर्देन्यशःशुः। श्चेरःर्वेशःकवःनुःर्वेःठदःने।। विरःधुन्देःर्वेदेःविरुषःशुःपरः।।

हिंद्रा शे प्रवास्त्र मुक्ते के द्वा

यदेरः कुर्तः वेश्वारादे गुरुवे देन ग्रीश्वाद्य न्याया वे न्याया व

र्वे दिव दर्भ सम्बद्ध स्थित स्

हे नडुंद से वस्

লম্প্র ক্রিম্বর প্রাথম্য প্রমা

क्रूप्यान्य प्रत्यानी क्षेत्र क्षूप्य क्ष्यान्त्र क्ष्या । क्ष्यान्य प्रत्य क्ष्याने क्ष्याने क्ष्यान्त्र क्ष्या ।

नदे नर मुलेग्र पदे केंश कुंव वस्य उद गुरा । ब्रिन्'ग्रे'सिव्यानियः निव्यानियः सर्वेना सर्वे।

অন্বেন্দ্ৰন্থন্ধ মান্ব ক্টব্দী আক্তন ক্লিক্টি কৰি

क्रिशःसरः चुशः श्रॅःग्रों चे स्ट्रेंदः स्वरः नदी । हःह्यूरः उत् मुक्षः सङ्गदेः द्वादः क्यः हे। । क्रायदेव सर्वे वा वी शाये वा शायर प्रमान भी भी । गुरु यहित्र सः स्थार् निर्माये नम्रुव सः प्यता ।

रट.ग्रीश्रा

वसेवानम्युमार्ग्रे कम्स्वन्त्रेमावहेन्। ह्म नदे साम निव हु हु मान स्रे। <u>ख्र्मानम्बर्भराज्येते क्ष</u>्रेन्याम्बर्धस्य । શ્રું : ત્વું : ખેતુ: છે: ત્વાવ: વાવશેવ: વશ્ચ: છુદ્યા વિશ્વ: વાયું વુર્દ્યા

ঀয়ৢয়৽ঀ৽৺৾৾৾৾৾য়৽ঢ়৾৾য়৽য়৾য়৽য়৾ঀ৽য়ড়৽ঢ়৾ৢঢ়৽ঢ়৾৾ঀ

<u>चिः</u>र्देगः श्रेनशः धेंदः हदः क्षेः क्षेत्राः क्षेत्रः स्रो

₹.4.44

त्वरः भी भाक्ष्यः सहस्यः स्वरः स

म्याम्यास्त्रम्यस्त्रम्यास्त्रम्यस्त्रम्त्रम्यस्ति

অম্বেন্দ্রন্থম্ম আনব্রের্ট্রেন্ট্রের্ট্রের্ট্র্

सद्र-ह्रेश-स्-क्रुश-द्रेश-द्र्य-स्थानश्रुश-क्रुश-नगर-स-द्र-क्रिश-द्रेश-दर्भन-स्थानश्रुश-क्रुश । য়ৢ৾য়য়ৢ৾৾য়য়৾য়৸ঢ়ড়ৼয়য়ৢয়য়য়ৢয়য়ঢ়য়ঢ়৸৻ঢ়ৢ৻৻ नन्तुनःर्केशःग्रेःश्रूरःनःनम्यःनशःश्री

হহ:বীশা

वगःर्रे हेर्द्रे र्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र श्रेट्र व्युट्टार्से वहें दायदे निवेद रशन भ्रीनश्रामा स्री ॱॿॴॱॸॣॕॴॱ२॔ॴ.ॻऻॖॴॶॗऀॴय़ज़ॱ^{ख़ॖ}ॺॱॸॗॣॴॴ*ऻ* ૄ ૮ૹ.સ.૨ે.ૹૡુ.ૹ૬્૨.ૡૹુંૹ૾૾ૢૹ૾૾૱૱ૺૹૺ૽૽ૺૡૢૺૹ.સ.ૹ૽૽.ૹૺઌૢૼ૽

ଵଵୖୣୣ୲୴ୡ୳ଢ଼ୡ୳ଢ଼ୡ୕ୣ୶୲୴ୡ୕୳ଵୣୣ୷୷ୠୣୠୣ

इसान्चे न्वयायदे यासवानु दर्भवासर नर्गे दाससान्धेयार्दे दान्चे सा सन्नदः द्वा वार्यस्य चरः हो दः संभी

₹.4.44

वियः वह्रमः इसः मोर्देदः यः माद्रशः प्रशा **नृ**:त्र्वे:तु:धे:वर्त्ते=र:प:न्या ग्र-र्-त्रहरविरःभ्रः इस्रश्रः श्री । सुवः क्रें ग्रायानः वया ग्रावयानः ज्ञानया ।

<u> ৪্রান্থ্র বার্থ মার্ট্র বাহ্মার্ট্র মার্থ্র মার্থ </u>

यःर्रेलः इसः सरः गर्देवः सः सः ग्रावसः सम्। दृः तुः श्चेवः सदेः तुः श्चः सः स्वेवः श्चेः दर्चे र.स.र्चा चर्ट्स है। चार.र्'श्रर द्याश चार्य यार्य सर चरेर बुरा। है। इस्य या য়ৢ৾৾ॱৼৢ৻য়৻য়ৢয়৻য়ৣ৻৶৸৻৸৻৶৻৸৻৸৻৸ঀ৸৻৸৻য়য়৸৻৽৴৻য়ৣ৾৸৻য়ৼ৸৻ৼৄ৻ড়ৢ৸৻ यःते*ः ह्*यः नर्हेन् यः र्वेनायदेः नयवः होन् हे । विन्देन न्दः समुनः यदेः न्येनः निह्न

র্নি সাম্মানমানমা

कु र्वेदे गहेर दर्ने क्वर्य ग्री बेर न सर। । नुसायसार्धेवानासेन्यमायसेन्विनान्।। देराव्याद्वानयायायम् देवायवुवार्क्वेनया । रे.च.श्रुट.व्य.चर्गेन्.चे.वह्रमायवे.मावसा ।

অন্বে:ন্নঅ:শ্বুন্ম:মান্ব:ক্টব:ন্নিঅ:ক্ট্:শ্ব্রি:ক্টিম:গ্রীমা

ૄૹ૽૽ૡ૱ૠૢૢ૽ૺ૱ૡૢૢ૽ૺઌૡ૱ૹૢ૱ૺઌૡ૱ૡૡ૱ૢૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺૺૺૺૺ नगरम्बयसम्बर्धस्य द्वेत्रस्य स्वर्धस्य श्चर हेते वेष प्रम्य क्रिंव प्रमान्नव परे पा चालू.र्जय-येट.य.चाबूय-येशाशकी:लाशाङ्गीरा।

হহ:বীশা

<u> মন্ত্রির মরি হর্মান্ত্রী রেনহ মরি বেল্লির মের্নির স্ত্রী মা ।</u> — 217 —

बिश्रायाष्ट्र

ৰ্ক্||

(देवाशायम्) प्रक्रिया स्वाधायम् । याष्ट्रिया स्वाधायम् । याष्ट्रिया स्वाध्या स्वाधायम् । याष्ट्रिया स्वाध्या स

ଞ୍ୟ'ଦଶ୍ୟାକ୍ୟ'କ୍ଷ୍ୟ'କ୍ୟ'

सळ्व हेर र्र १ रहे न महिशासमा

<u>५५'३, अक्षेत्र, थे ८</u>

संदे मुद्दान्य स्वर्म्य मुद्दान्य स्वर्म्य स्वर्म्य स्वरं मुद्दान्य स्वरं मुद्दान्य स्वरं स्वरं

শঙ্গিশেশন্ট্র'নাজী

शुद्धा । शुद्धा ।

> नन्यः शुन्तः वर्गेनः सदे : कुनः है। नन्यः शुन्तः वर्गेनः सदे : कुनः है।

₹'ন'অঝা

खुर्यासेद्रिः सुर्यायाः सुर्यायाः स्थान्त्रः सुर्या । स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः । स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः ।

त्यस्यां व्यस्तान्त्र वयस्तान्त्र व्यस्तान्त्र व्यस्तान्त्र व्यस्तान्त्र व्यस्तान्त्र वयस्तान्त्र वयस्तान्त्य वयस्तान्त्र वयस्तान्त्र वयस्तान्त्र वयस्तान्त्य वयस्तान्त्र वयस्ति वयस्तान्त्य वयस्तान

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वेर महें दिवी

অম্ব্রম্বর্ম শ্রুম্ব্রমান্ত্র্র ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম

न्त्रुव्,र्भः चरः चतुः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः व्यक्षेत्रः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः स्वाः स्व व्यक्षेत्रः स्वाः स्व

रट:ग्रीश

हे सदि महेत सुर से ने श श्वुत सुर मीश। या त्रेया श्वेद ही किया दे हिंद्य महेत सुर हैं। या त्रेया श्वेद ही किया दे शे मदेत सुर हैं के। यह महित स्था सहित स्थित हैं कि स्था सुर स्था

बिश्रासाक्ष

ৰ্ক্||

न्नेस्यायदेन्तुक्षप्रविष्याया

न्वावा चुःनुश्रः क्षेत्रः सर्देत् नुः शुरुः सदेः क्रेशः वः न्वेत्रः स्रोतः क्रुवः शुश्रः पर्वो वा न्या स्रोतः स्रोत

₹'ন'অঝ

श्रुतःर्श्चेनाःसःन्नाःकेःधःश्चेरः।। इ.न.वःकेःख्कृतःवह्ना। व्यसःविनेःवःकेत्वरःसेनाःन्ना। व्यर्भःक्टेनसःसेन्यरःसेससःससःके।।

योःश्रुवःसरःश्चें नाया हिंद् केवे स्वेरः इत्याया वे श्रुष्ट्र व्यक्ति । वर्षे ना स्वेरः वर्षे

र्वे दिव दर्भ स्वात परि द्ये र वर्हे द दी

बे केंद्र मुख्य क्य ग्रीश

यहेनाहेद्र-त्यःश्चेद्र-स्यान्यःग्। हे-द्येद्र-श्चेद्य-त्यक्ष-त्यक्ष्यःव्य-त्यक्ष्यः हिन्द्य-त्यक्ष्य-त्यक्ष्यःव्य-त्य-त्यक्ष्यः सहेनाहेद्य-त्यक्ष्य-त्यक्ष्यःव्य-त्यम्।

लट.य.र्यत्वताश्चरमाम्बरक्रय.र्यं व्यत्याश्चरम्

क्ष्यःश्रम् क्षित्रः स्वेदः द्वादः स्वेदः स

रट.गुर्था

भ्रम्यः स्वर् क्ष्यः स्वर् ना क्ष्यः स्वर् स्वर

ন্ধ্রেশ ঐ'ঐ'ঐ'এন বীন'ন'ই।

न्वावा ग्रुष्टे स्टें स्ट्रा वर्षे वा ग्री न प्रत्य के वा ग्री स्टर्भ ।

₹'ন'এঌ|

के.यट्टे.क्रॅब.ची.क्र.यहेंब.यथा। स्पर्यं स्ट्रंचे.क्र्यं मेश्रस्यः हो। स्पर्यं स्ट्रंचे.क्र्यं मेश्रस्यः हो। क्रेंचे.मेट्चे.क्रंप्टेंब्रस्ये ।

हे व्यायमित्या हु नवे । इस मान्या हु नवे ।

त्तर्यते भूत्रत्य न्यात्र महामहिताया स्त्रित्य स्त्रित्य स्तर्य महामहिताया स्त्रित्य स्तित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्तित्य स्ति

यहस्य न्युह्य साध्येष ना से न्यह स्वा । के यह स्वा मुस्सि स्वा । ब्रु-दिन्धः भ्रुवः हिंदुः स्थितः । वित्रः स्थान्यः स्थ्रवः हिंदुः स्थानः । स्थ्रिनः स्थितः स्थितः स्थितः ।

লেম্বর্ট্রম্মান্র্যমা

इ.पट्-पट्टीयाश्चीर-ट्ट्याची-क्ट-पट्टी । त्य-युद्ध-पट्ट्याची-क्ट्य-ट्टेट्ट-पट्टी । त्य-युद्ध-पट्ट्याची-क्ट्य-ट्टेट-पट्टी । इ.पट्ट-पट्टियाची-क्ट्य-पट्टियाची-क्ट-पट्टिया ।

रट.ग्रीश्रा

बुर्दे। ।

निष्यान्त्रिं नाष्य निष्यान्त्री ना स्वाप्ति । निष्यान्त्रान्त्रान्त्राक्ष्यां स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति ₹'ন'এঌ৻

क्रस्य प्रमानित्य स्थानित्र क्षेत्र स्थानित्र क्षेत्र स्थानित्र क्षेत्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित् स्थानित्य स्थानित्य स्थानित् स्थानित् स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य

र्वे दिव दर्भ स्वत संदे द्ये र वर्हे द वे।

द्वन्यः उद्देशः समः द्वमः नाः वाः वेता। वित्राप्तः विदेशः वाः सेत्राः वित्रः विद्याः विद्याः

द्याःम्बुरःकुः स्ट्वैतः स्तुत्रः स्तुत्यः स्तुत्रः स्तुत्र

रट:बीश्रा

र्निन्द्रम् क्रिंचेयाम् निन्द्रम् क्रियाम् विकास्य क्रियाम् विकासः विकास

भुरःश्वेंरः।

শ্লুন'ঙ্গৰ'ন্ন্ৰ'ন্

<u>রুগ'ন'শ্বী</u>দ'ন'ডক'গ্রী'ক্সক'নপদ'ন।

सळ्द्र'हेर्'र्र्'। र्ह्ये'र्च'महिस'यश्

קקיאֿ'א&אק'אּק'

> निन्नेस'स'न्डि'स'ने। धे:व्र-इंट-ब्र-सूव-स'र्टा। टें-वें:डंस-सूव-सेन्सःड्वा।

ঀৼ৽য়৻ঀৢ৾৽য়ৣ৽ড়ৼ৽য়ৼ৽ৠয়৽৸ঀ৽ৠঀ৽৸৽ড়ঀ৽ঀ৾৸

₹'ন'অঝ|

युर्च : नदि : धीट : न्दें न : नदि : चिं :

श्रुंशःशुरानेःकरःसायश्रद्धस्यायरःश्रुंशःयाद्वेःगाःनश्रुःश्रेःकुःतुःवेरःरेवः नदा साञ्चेशःश्रदःद्वेःसस्येन्यदेःद्वस्यस्यद्वःन्यस्य वर्षेःनदेःवेन्यदेन नद्युन्देशःस्यः स्वत्रःश्रुः न्यायदेःकुः न्दः व्यवः स्वतः वर्षे व

र्गे दिव दिन अधिक निष्य के स्थान

র্বি-মোদশ্যন্থা

स्वर्ष्याः स्वर्णः स्

अट.व.ट्नाचा.श्रुट्यायावत.क्रेव.ट्नाच.क्र्ट.श्रॅ.क्र्या.ग्रीया

स्यान्त्रस्य न्त्रीत्राची स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

रदःग्रीश्रा

सःस्रुतः तृतः वृोः दहेना हेतः न्यः श्रीः तह्या । सःस्रुतः स्रुतः तेतः देते नियः दश्य । सःस्रुतः स्रुतः देते नियः दश्य । सःस्रुतः त्रियः दिना हेतः नियः दश्य ।

ন্ত্ৰীর্মানাত্রনানীর্মিন্নাড্রাজী।

₹'ন'এঌ৻

म्वनास्तरे मुःश्चेन श्चन्य मुःग्वन स्र्रेन स्थान त्वर्मे श्वेत्य स्थान स्थान

र्वे दिन दर समुद्र मंदे द्वे र नहें द दे |

ग्रह्मः कें न्यर-न्ययाययर ग्रीश सः त्रीश्वाकेर स्वयः देश्वान्यात्वा । स्वयापा श्वान्ये स्वयः केंग्वश्वात्वा । स्वयापा श्वान्ये स्वयः केंग्वश्वात्वा । स्वयापा शेस्रश्चात्वा स्वयः केंग्वश्वात्वा ।

হ্ম-গ্রীশ্য

सामगीयातिशातियाचेशासहारिशाक्ष्योशास्त्री | बिशासाक्षेत्र सामप्रेमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायोष्ट्रमास्यायेष्ट्रमा |

ৰ্ফ্||

*বা*প্তরণন'র্ন্ন'র্ল'রাপ্তর'ষ্কুর'নন'র্ন্ন'ন্দর'রী।

₹'ন'এঌ৻

কু:মক্তর-ঐস্-মম্নেই-নে:র্লুনা। কর্জুম্বান্-র্লুম্ন্নান্না। কু:মিস্-স্নান্ড:ক্লুম্ন্না। কু:মক্তর-ঐস্-মম্নেইস্-মার্লুনামা।

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वेर महें दिवी

हे नडुंद से खरा

यः द्वीरायस्थितः श्रेस्या क्षेत्रः श्रेस्य क्षेत्रः व्यवस्य व्यवस्य

র্নু ব্রাদ্রমানমা

য়ःत्रञ्जेन् श्चेन् प्रते त्रिक्त स्थितः स्थानि स्थ

लट.य.र्यत्व.श्रीटशाशीवय.कुय.टुजा.क्ट. श्रूर.क्ट्र्या.क्रीशी

सःसर्हेतःह्रसःदर्भातःसहित्वते द्वीतःस्यः स्वा । सःसर्हेदःत्दुःत्वतःसेदःसदेःस्वःस्वाःनीया । सःसर्हेदःत्दुःत्वतःसेदःसदेःस्वेदःसःहेन। । सःसर्हेतःह्रसःदरःस्वतःसदेःस्वेदःस्यःस्वाःनीया ।

হহ:বীশা

याबिन् सेस्या ग्री तन् जीन् जीन् त्रिंत्र स्वेता । सामर्थे स्वया त्री सम्मा स्वरान त्री स्वेता । साम्बेत्य सम्बेता स्वरान त्री स्वरान त्री स्विता । साम्बेत्य सम्बेता स्वराम स्वराम स्वराम स्वराम स्वराम ।

ાવેશ્વાસાસુ

ৰূৰ্য়।

ঀৢঀৢঀ৽ঀ৽ঀয়ৣঀ৽ঀৼৄ৾৾ঀৼৠৢ৽য়ৢঀ৽ঀঀঀ৽ঀ৻

सळ्द्र हेट्र्ट्र द्रे द्रे त्र महिसायश

ମମ'ମି' ଅଞ୍ଚ ମ'ନି ।

नर्हेन् तर्देन् ग्री-नर्देश सं त्याव बिया प्षेन् त्या नश्या त्या नश्या नु देवे देव नर्हेन् क्रु ने हिन्यश्या नु ने न्द्र क्षेया सक्ष्य ग्री शास्त्र देश से जाब्द वेया त्या विया प्या स्वया देव या हेया हु या श्री शास्त्र स्वया नु स्वर्थ प्रा या विवर ने देवे देव प्रा विया त्या ने स्वया विया प्रा विवर्ष स्वया निवर स्वया न

শঙ্গিম্মান্ট্রান্স

श्चें न्द्राह्य क्ष्या नहेना नदे क्ष्या । श्वें व्यो न स्थ्या नहें न न्द्रा न स्था नहें न न स्था न

न्दायांश्चिष्यान्ध्यानहें न्दी। वसूयानहें न्वहें न्द्यानी न्वेश्चित्तवसूदायानी

₹'ন'অঝা

त्र-त्रशःहे क्ष्र-त्र्रेन्या । दे लेस क्ष्रशः त्रा श्रुट्य त्र्या । दे लेस क्ष्रशः त्रा श्रुट्य त्र्या । स्रोतिस्त्रा त्रा स्रोतिस्त्रा ।

यद्वीतात्वर्त्तात्वर्यात्वर्यात्वर्त्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्वर्त्तात्व यद्वातः विवादित्त्त्त्वर्याः विश्वर्त्तात्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर यद्वर्त्वत्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ते विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वरत्ताः विश्वर्ते विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्त्ताः विश्वर्ते विश्वरत्ते विश्वर्ते विश्

र्वे दिन प्रम्थ मुक् मिले प्रमेर महिन हो।

হব:ঘর:ฒ:প্রা

र् न्यायाः न्यायाः मृ भूमः विद्याः न्यायाः यक्तः न्या ।

प्रीत्याः यायाः या क्षुः न्याः न्याः विद्याः न्याः य्याः विद्याः विद

लट.य.क्रेट.क्रुय.क्ट्रट.ची.ट्यटश.धी.जश

स्वा'न'कुःट'भेश'चेनश'दे'ह्स्भेश'च्या । चय्य'न'कुःट'भेश'चेनश'स्ट्रिंच । चे'स्युर्ज्ञार्चेट्रिंच न्युंह्रेंचे । चे'स्युर्ज्ञार्चेट्रिंच न्युंह्रेंचे । च्या'न'कुःट'भेश'चेनश'नि'र्चेन । चेस्य'न'कुःट'भेश'चेनश'नि'र्चेन ।

হহ:বীঝা

युत्रः भ्रुतः स्वाध्यायते । इस्रानग्रदे : प्येनः प्रेनः स्वाधः स यश्रअन्तियः वर्षायः में तस्य स्थितः होतः होता विश्वासः हा

बुर्हा ।

२।) र्वमसाद्यानस्यान्त्रेम् स्वर्गान्त्रमानस्य स्वर्गान्त्रमानस्य स्वर्गान्त्रमानस्य

ঀ৾৾ঀ৵৸৽ঢ়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢঀ৽৺৽৸ড়ৢৢৢৢৢঢ়৽ড়ৢড়৽৸ড়ৢড়৽৸ড়ৢড়৽৸ড়ৢড়৽৸ড়ৢড়৽৸ড়ৢঢ়৽ড়৽৸ড়

न्द्रिन त्र्रिन क्षे न्नर वीश क्षेश उत्तर्वया द्रिक्य विवास न्नर्य यथा ने विश्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र न्य्य क्षेत्र अस्त्र क्ष्य विवास न्य स्थ क्षेत्र नु त्यहुवास्य स्थापन क्षेत्र अस्त्र स्थापन क्षेत्र अस्त्र स्थापन क्षेत्र अस्त्र स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

₹'ন'অঝ|

चर-अक्ष्रभाशेट-सद्ग्रेन्या-यश्वराक्तीः क्रिंत्र-सः क्रेत्र-सं-द्वे-द्वे-स्न्या-वीश्वराद्यः वित्-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-स्व-क्रिंश्वर-क

न्याः र्वेनः र्वे।

नश्यान्त्रः श्रे तत्त्वाः श्रे क्यान्तः स्त्रे त्राच्याः त्रे त्राच्याः व्यव्यान्तः व्यव्यानः व्यव्यव्यानः व्यव्यान्तः व्यव्यान्तः व्यव्यान्तः व्यव्यान्तः वयः व्यव्यान्तः व्यव्यानः व्यव्यान्तः व्यव्यव्यानः व्यव्यान्तः व्यव्यान्तः व्यव्यव्यानः व्यव्यव्यानः व्यव्यव्यव्यान्तः व्यव्यव्यव्यानः व्यव्यव्यान्तः व्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यवयः व्यव्यव्यव्यव्यवयः व्यव्यवयः व्यव्यवयः व्यव्यवयः व्यव्यवयः व्यव्यवयः व्यवयः व्यव्यवयः व्यवयः व

र्वे दिव दिन स्व वित्त स्व दिन स्व दिन

হহ:বীঝা

য়ूट्टें स्ट्रास्स्स् सुर्म् द्वा विकास स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास्त स्ट्रास स्ट्रा

*न्*रसुअ'स'ऄॕ॒ड़'ऄड़'नहुस'नॾॆ॔ड़'ड़ॆऻ

न्द्रभः र्नेत्रायाः श्रृंत्राळन् रने त्थ्रातुः सातुः राम्यानस्य र्मेत् हिन् र्मे रामरः । वीन्याः श्रृं

₹'ন'অঝ|

८४.स.२८.५र्जुम्भःस.२८.यस.बु८.। म्युम्'इत्योश्चर्भःस्यार्थःसःसः स्रित्यत्रे रूट्यविद्यःस्यायदे त्रस्यायःस्यस्य विद्योश्चर्यादे ग्रीःस्य दक्षेः यद्यायीसःविद्यायः स्थायः स्थितः स्थायः स

र्वे दिव दर्भ स्वरंभित्र देशे र स्वेहित दी।

वहस्र न्व्यत्म सिव्यत्म सिव्य क्षेत्र सिव्यत्म सिव्यत्म

लट.य.ट्रेन्त्व.श्रीटश.श्रीवय.कुय.ट्रेज.क्टेंट.प्रूॅं.क्ट्र्य.ग्रीश

दन्याय्यस्य स्त्रेश्चित्रः स्वायः स्वयः स्वयः

रदःग्रीश्रा

ळर:श्चेत्रसूनार्सेशःवियः दश्चेत्यः से:श्चेतः उटः।।

युर्त्। । ज्यामान्यस्य न्यस्य न्यस्य स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । विमानाः स्वर्धः । विमानाः स्वर्धः । विमानाः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्वरं स्वर्धः स्वरं स्वरं । । स्वरं विमानाः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । ।

सुत्राचुरःक्क्रुतःचीःसळद्राहेर्रार्ता र्चे नामहेशायश

୩ଵ଼ିଷ୍ୟ'ମ୍ବ୍ରି'ସଂଶ୍ୱି

विर्यत्यवाराः विवायः स्तेतः विराहेः।

₹'ন'অঝ|

য়्वः त्रदे र्ते ५ त्यः स्रक्षेत्रं सः स्रोत्। । स्रमः त्रदे स्रोत्मः उत्र स्रम्यः त्र्मे स्रा । स्रमः त्रदे स्रोत्मः उत्र स्रम्यः त्र्मे स्रा । स्रमः त्रदे स्रोत्मा स्रम्यः स्रम्यः स्रोत्। ।

्रिट्रे.व्रे.ट.क्ट्रुंट.च्रें.ल.च्यूंट.च्रेंट्यं व्याच्यूंट.च्रेंट्यं क्यूंट्यं क्यूं

र्वे देव दर्भ अनुव सदी द्वी र निर्म स्वाई द नि

बे के त्र क्षुत्य कं न क्षेत्र | रन 'न्यर 'ह्यम' मे थ 'न में या प्रेर न बे त 'र या उत्रा | त्ये नम्पर्तः अर्द्धेद म्याया स्वाया में स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वाया । हर्म्यर हुर गर्ने गर्ने व वेव वर्ष हु न थे। नर्जन में न नुभा से ते ने निमा सर्वे वासाधीवा ।

অন্বেন্দ্ৰন্থন্ধ মান্ব ক্টব্দী আক্তন ক্লিক্টি কৰি। শ্ৰীকা

<u> बुर-सुर्-गु-रूवे खेर-नश-नवेरश-संदे हेर</u>। । सु. हेगा छ्व सेंदि तसुर तसुर तसुरा हु व स्वा र्नान्गरागुःर्नेदेःयह्र्यःध्वाकंत्राःश्वा ·ॿॖॱऄॱॸॸॱक़॔ॺॱॸॖॹॖॺॱक़ऄॕक़ॱऒऄऻ*ॗ*

হহ:বীশা

न्गरः हुअः ग्राम्यः न्गरः श्रेटः नयः यः यहे तः नर्से रा श्चरश्चेरावनायासुराये हिनाई नियायहेरा। नृत्रान्येयाकु:नग्रान्यह्यायवे।वानवे:वेृत्या । दक्के से नृर्वे र मी क्वाप्य सर्वे द स प्येता । वेश मासू मुर्दे ।

ਜ਼ੑਫ਼ਖ਼ਖ਼ਖ਼ਫ਼ਖ਼ਫ਼ਫ਼ਖ਼ਖ਼ਖ਼ਖ਼

রুই-প্রাধ্যমান্ত্র

ख्रिन् भ्रेश्वेश्वः स्वेशः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्त स्विन् स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः । स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः । स्वान्तः स्वान्त

यादहेब से त्या के के ते निकास के निकास

হহ:বীশা

त्र्वातःश्रृताः स्तेतः स्तेतः स्त्रः स्त

શું ટ્રાફ્રેટ્ટર્સ્સ ક્રિયાના ટ્રાફ્ટર્સના | લેશ રાષ્ટ્રા તુર્દ્ધ |

र्केशने प्लिन्स हमाश्रा श्रीश श्रुवा संदेश हो। में निवाद मार्थ श्रुवा संदेश हमेरा महें ना हो।

র্মুন্তর্মান্তর্মা

द्रिट्ट्रिंग्यर्थ्यः श्रीत्रायां से स्थात्मी म्यान्य स्थात्मी स्य

অন্ব-ন্দ্র-শ্রু-মামাদর ক্রির-ন্দ্র-র্র্র-র্র্র-শ্রু-। শ্রু-নের-ক্ত-র্ন-নের্র-জিমান্তু-নের্র্র-র্লিন।। रट.चीश्रा

୳ୡୗ୲୷୕ୣ୷୶୶୲୷ୡୄ୵ୡ୷ୣୄୠ୷୕ୣୠ

<u> ने क्षेत्राह्यत्रायम् अप्तर्हेत् स्य प्रदेत्राये स्वाप्तायाः क्ष्ययाय सुर</u>

हिंद्रिःशुःश्वन्यः स्वेद्वः स्वाद्यः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स्विद्वः स द्वाद्याः स्विद्वः स सिद्यः स्वतः स्विद्वः स्विद्व

भ्रे निवाहिंद् की भ्रे प्रहें द्वाया मुख्य के स्वाहित्ती की स्वाहित्ती स्वाहित

ૹઃૹ૾ૢૢૼૼૼઽ૽ૠ૽ૺૣ૾ૹૣ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૺૡ૽૽ૼૡૹ૽૽૽૽ૢ૽૽ૺૡ૽ૼૼઽૹઌ૽૽૽૽ૺ૾ૹ૽ૹ૽૽ૹઌ૾ૺૡૼૡ૾૽ ૹૼૡ૽૽ૹઌ૽૽૽૽ૺૡૢ૽૽ૹૣ૽ૢ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૢ૽૽ૺૡ૽ૼઽૹઌ૽૽૽૽ૺઌ૽ૹ૽ૹઌ૾ૺૡૼૡૢૼ૾ઌઌ૱

र्के द्वार्या अधिक स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्व

र्श्चेन'नर्भेन'श्चन'नश्चन'स्वन'र्स्चन्यःश्चेन| यह्य'यार्वेव'श्च-यार्थेव'र्स्चन'त्रेव'र्स्चेन्थेन|| यहेन्विन'त्रेव'त्र्च्य'य्यंदेव'र्यदे'र्येव'त्रेव'श्चेन|| यहेन्विन'यदे'श्चिम'रुवेव'र्स्चेव'यदे'र्से'यार्थेन्व'श्चेन|| श्चेन्द्रिन'युर्वेम'र्यदे'र्स्वुन्विन्यदेनेर्से'यार्थेन्वेन्वे||

लट.य.र्राचन श्रुट्यायम्ब केव देव क्टर हैं कें या श्रीय

হহ:বীশা

गुद्ग-त्र्येश्व-कुःर्वे :बन्-नुःश्चेन्-सःय। । हैन-वृद्धवःक्वनशःग्रेःक्वे :वःप्यनःनुःसृद्युन्। । नुषाः धः स्वः तुः त्वाङ्गष्यः स्वतः स्वर्केः क्रेवः वदी । रोग्राः धः स्वाः त्वाः स्वाः स्वतः स्वतः ।

धर:वा

यार्थः द्वर्त्तर्थं वाश्वरः विश्वरः विश्वर

<u> न्तु'स'रन'हें न'नी'क्चुन'नलन'स|</u>

र्यः हेर्याः वी: क्रुवः व्यः अळवः हेर् : द्राः द्राः चिः यः वाहेशः वशा

५५'4'', अळी क' के ५'के १

ऄॺॺॱॺॖॺॱॸ॔ॸॱऄॺॺॱऄॸॱॻॖऀॱॸ॔ॸॕॴॸॕॱॻॸॱख़ॸॱॸॖॸॱॺॱॿॏॱ ॻॺॺॱख़ॖ॔ॺॱॾऀॱॺॢॸॱख़ऀॺॱय़ॱॸ॓ॱॺऻॱॿऺॺॱय़ॱॻऻॿॺॱॿऀॻॱॸॖॱऄॗॕॱॸॸॻॺॱॺॺॱय़ऻॖॕॖॻ ऀॕॸॱॸऻॾॕॸॱढ़ऀॸॱॸॸॱढ़ॕॻॱॻऀॱऄॗॗॱॸॸॻॺॱॺॺॱय़ऻॖॕॻ

শঙ্গিশ্ব'ন্ঠ্র'ন'ঙ্গী

श्रेस्य स्वरंशेस्य सेन् निवितः सुरुद्या । निर्मे सेस्य स्वरं निवितः सुरुद्या ।

र्श्वस्थात्त्र स्थात्त्र स्थात्र स्थात्त्र स्थात्र स्थात्त्र स्थात्र स्थात्

₹'ন'অঝা

लेब-स-क्षेत्र-चर्ट्ट्-स-ब्रे-श्रेश्रश्रश्य-क्ष्व-स्व-क्ष्य-स-

र्वे दिव दर अधुव अदे दिवे र वर्षे र वर्षे दिवे

র্বুই-প্রাথম-নমা

लुब्द्रस्य क्रिया क्रिया च्या स्वयः त्राव्य स्वयः स्य

लट.य.र्यत्वताश्चरमाय्यक्ष्य.र्यं व्यक्त.श्चर्याश्चर्या

बि'निते'क्यां पादिकार्या क्षेत्राचि

रट:बीश्रा

दश्यार्क्ट्रिशाक्रिं स्ट्रिट्टे श्रुट्टायाः बुन्नासास्य । व्हान्यदेश्यात्र्वात्रात्र्वाः । व्हान्यदेश्यात्र्वात्रात्र्वाः । व्हान्यदेशयाः वहान्यदेशयाः वहान्यदेशयः व

न्दिसम्बन्धस्य अन्यन्ति न्दिन्

श्रेश्चर्यायः स्ट्री इःश्चेर्यायः स्ट्री

₹"ন'অঝা

यदी:वी:बद्दाना:वी:सेट:ब:द्दा । यर्वे[वा:बीद:इ:चवे:क्क्कुव:बेश:हे] । विद:बी:क्षेवा:वीश:इ:ब:खे| । खुक्कुव:द्वा:व्य:वर्वे[द:ब:वड] ।

ये हिंग खड़िया यहे हैं से वा न्यूया से स्वाप्त स्वाप्

र्वे दिव दर अध्वास्त्रे द्वे र निहें दिवी

র্মু ব্রহামান মা

त्रुभःर्द्रन्यन्यः निष्कृतः ह्याः ह्याः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्य

श्चेन्।कुवे:इ:नर-पहेर्यःक्टं:मङ्ग्रम्थय।। र्थे:बेर-रनःग्ययः दुर्गेर्-पर-वेर्-पःपद्य।।

लट.य.र्यत्वताश्चरमाय्यक्ष्य.र्यं व्यक्त.श्चर्याश्चर्या

र्युन्यः स्ट्रीन् स्ट्रीन्स्ट्रिन् स्ट्रीन्स्ट्रिन् स्ट्रीन्स्ट्रिन् स्ट्रीन् स्ट्रीन् स्ट्रीन् स्ट्रीन् स्ट्रीन् स्ट्र

रट:बीश्रा

मु-न-स्वाक्षाय्यकार्श्वेक्षायवे मान्त्रस्त्वा । अर्देन-पदे-न्द्रिक्षायमाः भ्रेमायवेद्यक्षित्वा । अर्देन-पदे-भ्रेविः अक्षावेद्-प्यक्कष्मायवेदः स्वा । भ्रोत्-पदे-भ्रेविः अक्षावेद्-प्यक्कष्मायवेदः स्वा ।

ন্ধ্ৰে'ন'নন'ঈ্ন'নজ্ব'শ্ব'ড়ব'ন্

बि.केब्र-क्वायःक्वनःग्रीका क्षूब्र-मदेःब्वनकःशेब्र-नग्रःविकःमेः।मूःधिका । मेनाःमदेःक्षॅन्यःक्षन्नाःशेःवनमःनदेःर्वेनका । त्रुशः हेरः यञ्चः नगरः संदेः म्ह्रेदः श्वेरः।। वर्षेदः उदः र्वेवाशः यः यशुः नशः नवेदः।।

द्रमत्यःश्रुद्रशःस्रावदःकेदःदेवःकुदःर्ह्वे केंशःग्रीश

र्ट. प्रमानिकात्तात्त्वीत् । म्राम्बेमानात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्या । स्राम्बेमानात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्याः । स्राम्बेमानात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्याः । स्राम्बेमानात्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्त्रम्यात्

(म् अप्तर्भेन्द्रस्य कें नहत्त्री मु दि हिंग्य नहें न्यय द्रम्य

रट.गुर्था

स्मिन,यस्मिन,स्मि

নৰী'ন'নীমাস্ক্র'ডবা

न्यत्यःश्चरश्रःस्रायद्यःक्षेत्रःनेत्यःक्षरःक्षेत्रःक्षेत्रःस्याः अन्दःकेषाःभून्।विस्रासेन्यतेःक्ष्यःत्वेत्रःसा क्षेत्रः सळ्तं रगुत्रः हुः नत्यः सेनः क्रुवाः यः वदी । न्ग्व-न्यःकनःर्रेयःदेवान्तः दश्ययः याया । ञ्चनावर्गःकुःसर्वेदे वरः नुः त्रेर्यः सरः देश।

হহ:বীশা

र्वि:विदे:लेवा:वाड्याय:चुट:बेट:कुट:य:वा । हिरास् येली हि स्रमालर हिंदा समारेश।

প্র'ন'নহ'ষ্ক্র'ডবা

ব্নঅ:শ্বীশ্ব সাধ্য ক্রের প্রত্য ক্রিল ক্রিল ক্রি र्वरामु र्मेना सरावुना सदे हैं। सर्दे र विषानुशासु स्टेन् से प्यर्षे र व्याने र विषा सम्बद्धाः स्तर्भेद्धाः स्तर्भेद्धाः स्तर्भाषः स्तर्भाष र्बेर.बर.कुराजा.क्षेत्र.ध.स्रापर्यायाच्या ।

হহ:বীশা

ग्रम्भवान्तेनाहेन्योः क्षुतान्यते नग्रम् क्षुत्रावि । नश्रमान्यम् । व्येत्र विद्यायन्त्र ।

त्वरःदेरःवर्षेत्रयते हिंद्यःदे क्रान्ते । व्यापेटः द्वरः हें त्रां से व्याप्तः स्वरः स्व

হহ:বীঝা

म्मरःश्चित्रः विद्यान्त्रः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्वरं

*শ্লু*ব'ল্লখন দ্ৰীব'ল

নদ্ভ্'ঝ'ক্কু'ক্কুব্'নপ্ব'ঝ|

सळ्य.धेर.ररा रश्चे.य.पाष्ट्रेश.लश

75'4, AS 4'8 2'8 1

श्चेन् चेन् ग्री कुरे हिन् स्य त्वाय बेवा त्य वहेव वय वश्चेन् च त्य व्याय बेवा त्य विवाय वहेव वय वश्चेन् च त्य त्रि वात्र स्थाय स्थाय केवा त्याय बेवा न्य स्थाय विवाय व

୩ଵ଼ିୟ'ୟ'ମ୍ବି'ସ'ବି|

नन्यः वेश्वः स्वः कुः है।

कु:नेअ:वन्नअ:नु:नवाद:न:श्रेवाअ:नश्चेन:धर:देअ:धःश्चे।

₹'ন'এঌ৻

यात्रापाधीः हुन्ये शक्षी । ड्रिक् स्ट्रिक् साम्ये स्टर्स स्ट्रिक्षा । ज्रुक्त स्ट्रिक् साम्ये स्टर्स स्ट्रिक्षा । ज्रुक्त स्ट्रिक् स्टर्स स्ट्रिक्षा ।

प्यम् स्वास्त्र स्वास्त्र

र्वे र्ने द्वार्ट समुद्वाय के प्रवेस वर्हे न हो।

র্ম্ব্রীন-দ্ব্রীব-বঞ্চ্ব-ধ্রব্যক্তিল্বাঝ-ট্রীঝা भ्रुं र्ने सव्यक्तेर म्रान्दरक्र मेश र्हे अ। गर्विव तु इस्र राजे ह र र र न न न न न न न वर्देन् र्धेव वसेवानवे सूर अवे में महिन वदेश। वहेगा हेत सवा संदे धीन वा ह्यें न न ह्येन ।

অম্ব-ম্বন্ধ্যুম্কামান্ব ক্রব্দী আক্তমের্ক্সিক্রিকা

वयःरुअःसुवःळेन्यायःरुधेरःक्षेःर्वायःस्र्वःक्ष्या । लटःक्टें सुद्रःक्टेंवायः द्वटः सं वायवः विटः गुद्रा सम्बद्धतः स्त्रेवः स्त्रेवायः स्वायः श्लेवः स्वेवाया । क्रूॅबरप्रेंबरसुबरसुक्ष क्रूंग्वरप्रदेशक्षरास्य प्रसेया।

হহ:বীশা

वनामानी में राष्ट्रिया । নাৰব নাৰ্যু ম'ব্ ব্যু শ্বর্ম প্রবাদিন দ্বর ম'ট্র ম'হিনা । राष्ट्रेवा से हिंगा यह किंदिर ना से सा र्मुर्रिन्द्रम् निर्मेनस्य स्थान्त्र स्थान्त्र मित्र निर्मेन

क्षे.येच्। ।

र्वेद्रनी देशस देखा श्री

₹'ন'এঝা

क्षर्यात्रात्त्रीत्वीत्राक्षेत्रात्त्रात्वात्वा । सेवाःक्षेट्राक्ष्य्वात्त्रात्त्रीत्त्र्याः । सेवाःक्ष्यात्रात्त्रीत्वात्त्रीत्त्र्याः । साम्प्रात्त्रात्त्रीत्वात्त्रीत्त्रात्त्रात्त्राः ।

र्वे देव दर्भ स्वात स्वीत दिन स्वीत स्वीत

अट.व.ट्निंच.श्रॅट्याश्रीय्याष्ट्रव.ट्निंग.क्ट.प्रॅंस्ट्र्या.क्रीया

वर्षे देशेन् वर्षे प्रत्ये प्रत्ये के व्याप्त विष्य गान्त्र निर्माणका स्वाप्त । भारती स्वाप्त स्वरूपा । ज्ञेनामः नासुरः नगावः नसूतः नुत्रुरमः वसः इसः इसः प्रभा वर्त्र-श्रूद्र-वित्र-विदेशक्रियायात्वेद्र-यात्रम्या ।

रट.चीश्रा

यर्था क्रे.श्वाययासु कुदे पहुँ यामे ने र प्रेनि । वन्यश्यी क्रिन्द्र से हिना यव सु द्वारमा। यः शःवाधुः वें प्वर्ते प्यवे वाद्यश्यकें वा वदी । ૽૽ૢ૾૱ઌ૽ૣૼઌૠૼૼૢઌ૱ૹ૽ઌૢ_૿ૡૢૢઌૡૼ૱ૹઌૢ૱ૢ૽ૡ૽૾૱ઌૡૢઌૢૼૺૢ

नक्षुअ'स'इअ'दशुर'क्रु'वै।

न्वावःचःश्रवायःचञ्चेन्।चरःद्वयःचवेःचुः ह्वययःर्रःवीयःवेयःपवेः क्रुशःगविद:५:५शुर:न:सर्वेद:५:स्रे।

₹'ন'অঝ

र्षे. प्टर्य योश्वर त्यिष्टश्च योश क्ष्य रेटः। ।

য়ৢ৾য়য়য়য়য়য়ড়৾ঀৼয়ড়য়৸ য়ৣ৾য়য়য়য়য়ড়৾ঀয়ড়৸৸

त्रभू-त्रभावःक्षात्रभू-भूः कुर्ता ।

त्रभू-त्रभः विद्वान्यः स्थात्रभू-त्रभः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्था

र्वे दें न्दरस्य मुक्र मदे द्वे र ने दे र ने हें दे है।

র্মুদ্রমান্ত্রমা

देशत्वीरःम्भगतायोत्तेयःहेतःस्वारद्यःश्वरः।। यश्वराद्यात्रात्वयःश्वर्षःश्वराद्यःस्वार्धः।। त्यश्वराद्यात्र्यःश्वर्षःश्वर्षः। त्यश्वराद्यात्र्यः।। देशत्वीरःम्बन्धः।।।

रव:दग्ररःश्चे:वःव्ःचदे:दुरः।।

न्यासहें स्था ते हिंगा गु हुते स्था है स्था है स्था है स्था स्था है स

रट.चीश्रा

सःसःचलःक्षस्यःस्वानीःस्वान्ताःस्यः। विकासःस्यःस्वानिः स्वेन्येयःन्यानःस्वानस्यान्त्रःस्वान्त्रःस्वानः स्वान्यानःन्यानःस्वानस्यान्त्रःस्वानःस्वानः। स्वान्यान्त्रःस्वानःस्वानस्यान्त्रःस्वानः

ଵଵୖ୲୴ଞ୍ଚି'ମୁଝାଵୗ୕'न'ଵିଝାୠିମ୍ଫି'क़ॗॗ'ଵॆ।

 $\frac{1}{2} \left\{ -\frac{1}{2} \left(-\frac{1$

₹'ন'এঌ৻

वै सः तु नः शुरः ह्वा नः सहे स्व । वे सः सः वदे दे दे स्व सः श्वे : स्व स्व सः श्वे : स्व स्व सः श्वे : स्व स वे सः सः वदे : वे : दु सः श्वे : स्व स्व । वे : सः सु तः स्व सः स्व । ।

र्वे दिन प्रस्तुन परि प्रमेर महिन हो

র্ন্ন্র্র্মের্ম্যরম্য

यद्याः श्वरः स्याः स्वरः स्याः स्वरः स्वर

लट्यं न्या श्रीट्या समित केत देवा कटा हैं। क्रिंया ही या

ख्टाकुरार्स्च व्याप्तर्तात्त्रीय्यात्र स्था । कुर्व्यकुरार्स्क व्याप्त स्थ्य प्रत्य स्थित् च्येत् । त्रित्र स्था स्था स्थ्य प्रत्य स्थित् च्येत् । वित्र स्था स्था स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य स्थ्य ।

र्र मीश

देनुव्यत्तर्वः स्ट्रेश्यः स्ट्रेश्यः चव्यः स्ट्रेशः चव्यः स्ट्रेशः चव्यः स्ट्रेशः स

बुर्दे। ।

ਫ਼੶ਖ਼੶<u>ਫ਼</u>੶ਖ਼ਖ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼

विगाश्चेर-तर्भे। चु.चवे.न्ह्र्भ.मू.र्क्षेव.री.भ.सूट.च.लट.वच्चभ.येव.र्ट्स.सू.याबय.

₹'ন'এঝা

से मुस्यसः स्वाद्धे स्था में स्थान्य स्वाद्धी । र्मिट स्वाद्धि स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी । स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी । स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी स्वाद्धी ।

देवाःयदेःवाबुदःख्वायःयःक्ष्य्यायःयःयःयःयःयःविदः। क्षिःत्रःध्यः यदेःयावयःत्वदःक्षयःत्दःयःयर्थेवायःयःत्दः। धदःत्वाःवर्हेवाःयःत्वदःर्थः त्वाःदेःयःवश्ययःयय। क्षेःकेःर्देदःयेतःतुःवतःयदेःयेःक्षेःक्षयःयेययःवर्धेतः ঀ৽য়ঀ৾ঀ৻ঀয়ড়৻৻ৼৼয়৻য়ৼ৽য়ৢৼ৽ঀ৾য়৽য়ৣঀ৽য়য়৽য়য়ঀ৽য়ৼঀৼয়য়৽য়ৢ৽৻ঀয়য়৽ য়য়৽ৼয়৽ঢ়৽য়ঀৢৼয়৽য়৾ৼ৽য়ৢৼ৽য়য়ৣঀ৽য়য়৽য়য়ঀ৽য়য়ঀ৽য়য়৽য়ৢ৽৻ঀয়য়৽

र्वे दें त्र दर सम्बन्ध निर्मेर में दिन हो।

इन्द्रयः निष्ट्रयः सुर्या

सहरमः द्रात्तः के म्यमः में नायह्न । नावनः वर्षे मः द्रायः वर्षः वर्षे द्रायः में म्यायः के नायः वर्षः वर्षे । द्रायः के नामः द्रायः वर्षः वर्षे द्रायः में म्यायः के नायः वर्षे । सहरमः द्रायः के म्यमः वर्षे वर्षः वर्षे म्यायः वर्षे ।

लट.य.र्राचन श्रुट्यायम्ब केव देव क्टर हैं कें या श्रीय

च्यून्यःविदेन्त्वः व्यवः त्यः व्यवः त्यः विदः त्यान्यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व व्यवः व्यविदेः विश्वयः श्वादः द्वेः त्यानः व्यवः प्यत्यः वशः । व्यवः त्याविदेः विश्वयः श्वादः व्यवः विदः । ।

रट.ग्रीश

बुद्।। श्रुवःमीश्चर्यायःविषाःकेदःसदःस्तःसरःस्व। विशःसःस्रः भ्रुवःमीशःद्र्यायायःविषाःकेदःसदःस्तःसरःस्व। विशःसःस्रः

<u>तुग'स'सब'</u>ଞुब'ऄ८'सदे'त्रे८'ङ्कु'दे।

₹'ন'অঝ

द्याशः क्यायः विद्यायः विद्यायः विद्याः । कुः सुनः विदे : न्याः चुनः स्रेन् : स्रेन् । देः नुयाशः विदे : न्याः चुः कं स्रेन । ने स्रेन् : यन्याः यो : विद्याः स्रोतः ।

स्व द्धंत्र विशेषात्म स्व प्रेम स्व प्रेस विश्व स्व स्व प्रेस विश्व प्राप्त स्व स्व प्रेस विश्व प्राप्त स्व प्रेस स्व प्रेस प्रेस स्व प्रेस विश्व प्राप्त स्व प्रेस स

र्वे दिव दर अध्यक्ष स्थे दिवे र वर्षे दिवे

इन्द्रिय: द्वी: श्रुव: श्रुव।

सर्क्रियाम्बर्धसःश्चित्रस्य स्थित्। विक्रियाम्बर्धसः स्थितः । विक्रियाम्बर्धसः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः । विक्रियाम्बर्धसः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः । विक्रियाम्बर्धसः स्थितः स्यानः स्थितः स्य

लट.य.र्यत्वताश्चरमाय्यक्ष्य.र्यं व्यक्ताश्चरम्

र्श्वन्यायदः त्र्यः द्रश्यः विद्यः विद्य विद्यः विद्य विद्यः विद्य

रट:ग्रीश

द्यारः सहें स्या हु तहें त्य हु राद्ये वा स्थार स्था । स्थारा स्थार स्था स्थार स्था

ৰ্ক্||

ननुष्य'ने गय'श्रेष्ठ'ह्यु'वै।

श्रीर्द्रशासदी प्रत्युश्चातु निश्ची द्राप्ति ।

₹'ন'অঝা

यन्यः तुष्यः यम् तुन्यः विष्यः वि विष्यः विष्य विष्यः विष्य

स्वाहित् सुं से से स्वाहित् मुं स्वाहित् मुं स्वाहित् मुं स्वाहित् स्वाहित

र्वे दें त्र दर सम्बन्ध निर्मे दें दें नि

ૡ૬ૹ:ઽૄૹૄઽૹૹૹૢ૽ૺ૱૱ૹૺ૾ઽૢ૱ઽ૽૽ૼૹૢ ૱૱ૹ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱ वळरःगिदेःहैं वार्विदःषःरेवाःसम्। रेवाःर्वेषःर्श्वेनसःसदेःस्ट्रेटःव्ह्यटःनगरा। केसःकेरःन्दरःवःवदेःहेःवेवा

लट.य.र्राचना श्रुट्यायावत केत्र देवा कुट ह्वें केंया ग्रीया

म्.सूर्यानु स्टर्स्यायस्त्री । स्यापन्तीयान्त्रस्यान्त्री । स्यापनीयान्त्रस्यान्त्री । स्रियाननीयान्त्रस्यायस्त्री ।

रट:ग्रीश्रा

ঀয়ৢৢৢৢৢৢৢৢঀ৸৽ঽঀয়৽৸ঀঀ৽য়ৣ৽ঀৢ৽

र्देश'रादे'दन्नश'तु'राश्चे|

₹'ন'এঌ৻

हिंद्रिः श्रेष्वित्रस्य स्त्रेत्तः स्त्रस्य । स्त्रितः स्त्रस्य स्त्रेतः स्त्रस्य । स्त्रितः स्त्रस्य स्त्रेतः स्त्रस्य । स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रेत्या ।

र्मे देव दर अध्वात परि द्वेर वर्दे दिवी

र्श्वनश्चात्वेरम् । ज्ञान्यक्ष्यम् श्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्षः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्षः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्षः स्वरं स्वर्धः स्वरं । । स्वर्धः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । ।

षारात्रान्यायाश्चरत्रायात्रत्वेत्रानेत्याकुरार्ह्वे केंत्राग्रीश्र

हुशःहुरः दिन्द्वारहेदे होतः स्वान्त्रहेश। स्वः मुद्रः प्रदेशः सुन्द्रः सुन्द

रट.गुर्था

क्ष.युद्र। ।

֏ ৺৺৺৺৺৺৺৺৺

रेअप्याठवान्त्री मुद्रानी अळवादे १८८८ द्येरावर्हे दाया महिशायश

ત્રે ક્રિંગ્લે ક્રિંગલે ક

नविश्वपान्ये मान्हेंन्याकी

₹'ন'অঝা

तमुश्रासःहेशःस्यःत्वनुष्यःस्य । वित्रःग्रेःदह्यःस्रेषाःगर्देरःस्रहेशःद्वे। । त्रुःस्र्तःस्रह्यःस्य । । तमुश्रासःहरःदेशःस्य विष्यसःस्य ।

अर्ज्नानी दु न्या अहे अर्थि हुत्तर पुत्र स्वा त्या क्षेत्र व्या प्राप्त क्षेत्र व्या प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र

र्वे दिन प्रमुक् मिने के कि कि कि कि

র্ব-সেদিশ-দর্শন বিশ্ব নির্বান্তি কর্মান্তর বিশ্ব নির্বান্তি কর্মান্তর বিশ্ব নির্বান্তি করে বিশ্ব নির্বান্তর বি বিশ্ব নির্বাচন করিব নির্বাচন করে বিশ্ব নির্বাচন করে বির্বাচন করে বিশ্ব নির্বাচন করে বির্বাচন করে বিশ্ব নির্বাচন করে বিশ্ব নির্বাচ য়ৣ৾৽ৡ৾৽ৢয়য়৽য়ঢ়ঢ়ৼয়৾৽য়ৼৼয়ৼয়ড়য়ৼয়ঢ়ৢঀ ৻ঀৢয়৽য়য়৽য়ৢঢ়ঀয়৽য়ৼৼয়৽য়৾৽য়য়ৢয়৽য়৽য়ঀ৸৸

WC.4.2નના શુંદ્રશાસનિવ. છેવ. ટુંવા જેટ. ર્ફ્નેટ જૂંશ છી શો

क्यायरायदेवायार्थित्यीयार्थित्रस्यात्र्वत्यात्र्यात्य

रट:ग्रीश

द्रैश्रामारुवान्त्री स्वराह्मेश्री स्वर्थान्त्रे स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्यी स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्यी स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्य स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मेश्री स्वराह्मे

*শ্লু*ন'ল্লখন দিন্দ্ৰ

व्यक्षक्ष्वभी क्षुव निष्टा

ড়য়য়৽ড়য়৽য়ৣয়৽য়ৣ৾৽য়ড়য়৽ড়ৢ৾ঀ৽ৼৼ৽৻য়য়ৣ৽য়৽য়য়৻

קקיאֿ'א&אק'אּק'

ष्टिर्-सर-२४ : द्वीयाक्ष्यः स्वीतः स

শ্ৰীশ্বাশ্ৰী'নাৰী

न्वायः यदेः यमुर्नः यसे यः श्चेषाः न्तः न्त्रा । न्ययः यः न्तः वे श्चेदः हे वे श्वेष्यः । ने यत्वेवः यात्ववः प्यतः श्चेषाः नृतः । । यत्वनः यान् स्वान्यः यस्याः श्चेषाः नृतः यमुन्। ।

न्नःसॅंन्नवःनःववेयःनःङ्गेनःववेःक्रअःके।

धेन्-न्-वेर्द्रन्नवेरधुक्य-न्द्रन्यवेरक्ष्र्रेन्यः क्षेत्रः कष्टे कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे

₹'ন'এঝা

यद्गेला-यद्गे-स्वान्त्युक्त्यात् कुर्न्त्य विष्णः कुर्व्याः कुर्व्याः कुर्व्याः विष्णः विष्ण

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वे र महें दि दी

हे नडुंद से ख्या

बेशनाः भ्रान्ताः सम्बद्धाः निष्ठ्याः निष्ठ्याः निष्ठ्याः निष्ठ्याः स्त्रान्त्रः स्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्तः स्त्रान्त्रः स्त्रान्तः स्त

র্মুন্মানমানমা

क्षेत्रभासेन्यस्त्रम् स्वात्रभास्य क्षेत्रभासेन्। वस्त्रभासेन्यस्त्रम् स्वात्रभास्य स्वात्य स्व

অম্ব-ম্বন্ধ্যুম্কামান্ব ক্রব্দীন ক্র্মের্ক্রিক্রিকা শ্রীকা

*-*दुशन्त्र,श्लेचशक्तु,पक्तु,मुद्री,पश्लामश्लेम्। रटार्ज्युचा हारहेवे रहेवा यालया खालटा । . कर्प्यस्यानु अप्तेरास्यस्यस्य स्वीर्हेन्। ययाळेरावर्युनाहुरहेरनशाद्यायार्श्वे कुशा

र्रायोग

श्चेर-पर्वेर-विस्तराग्रीस-पर्वेस-पर्वे विस्तर्या शे नर्डे न सदम्यार्डे न हो नदे से हित सह्या र्रितर्ग्वर्र्स्ये विस्थानवर्षेत्रे विस्था ॱॺॢॺॱय़ढ़॓ॱॿॗॆॸॴऒॻऻॸॴॸ॓ढ़॓ॱढ़ॗॕॸॴढ़ॸॖ॓ॸॱख़ॢॸॱॎऻॿऻ॓ॺॸॎॱ

क्षे.युद्धा

*ଵ୍*ଞ୍ଚିୟ୍ୟ'ନ୍ତ୍ରି'ନ'ଦର୍ଶନ'ନ'ନ୍ଦ୍ର'ଶ୍ୱ

૿ઌૺ**ૢ**ૢૻ૽ૹ૽ૺૡ૽૽ૼૼૼૼઽઌ૽૽ૡૢૡ૽ૡઽૣૡૢૻઌૹ૽ૹ૽ૢ૽ૹ૽ૹૢઌઌ૽૽ૢ૽ૹ૽૽૽૽ૢ૽ૹ૽૽ૡ૽ૡૡૺૡ૽ বরি:ক্রম'বয়ৣৼ'ঽয়ৢ'য়৾৾য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢঢ়'য়ৼ৾ৡৢৢ

₹.4.44

भ्रम् देवा प्रक्रम्य स्वीस्त्र स्वी । यह्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र । भ्रम्

लेश-ट्र्मूश] न भ्रम्भान्त्रा में भ्रम्भान्त्रा के स्वान्त्र स्वान

र्के दिव दिन सम्बन्धिय स्वीत स

র্বি-মেদিশ্যন্থ

र्यायहैनाश्चर्त्यं अर्थोद्गर्याश्चर्यात्र्यं स्थरानि । म्यर्यत्रे श्चर्याश्चर्यात्र्यं स्थरान्यं नाये। । स्यर्वाश्चर्याश्चर्यात्र्यं स्थरान्यं नाये। । स्थर्याः स्थरान्यं स्थरान्यं स्थरान्यं स्थरान्यं । ।

w<-ব'-বননা-শ্বন্ধা-মানব'ক্টব'-বনা-ক্টন-র্র্ট্র-র্ক্টমান্ট্রমা

न्सॅंब के तर्भे न्यायंत्र हेया के ब स्थ्रा ना हेया स्था विशालेव रूप के राज्य विश्व विश्व के प्राप्त के विश्व यावस्य स्यापः वर्षे निश्च म्याप्तः स्था । म्बर्भेद्राधेमानसून्यः भूद्राचेमाम्बर्धमानस्य

र्रायोग

শ্বীন,বাপ্পিপ্ত,ইন্দ,ই,বেষবা,বন্তু,বেৰীন্ত,বচুৰূম,ট্ট্যী । ष्ट्रेग्रथ:नुरःसर्क्वेत्रःकःस्नःहसःसम्बदःगुःर्शेग्रथ। । नायुत्यःक्तृत्यःष्यः से न्द्रयना नी ना ने ने ही द रे हो न क्षेर्यक्रिं न्यं वर्षे वर्षे निर्दे नुष्यः भूनश्र निवेत्।

धर:वा

क्र्रेंचर्याः क्ष्व:इवा:इव्य:क्रुश:चंदे:नवाद:क्रेन्। । ळ्ट्राह्म्स्राञ्चेट्राम्बुस्याङ्गम्याद्येत्स्यद्वरस्रेदेन्। शे.५.चमुश्र.सदे.श्रेव.मृत्य.सम्रेव.चडु.ली । षर्वी.चेड्डच.पक्ट्.च्ट्र.क्ट्रम्भेचश.चट.शुध.यथा विश्व.स.क्रे.

नुर्दे।

र्र्नवायः ब्रेन्यान्यः ह्नेन्य्नः सुन्यः वर्षे । यळवः उ। रे

<u> ୩ଖିକାନାଞ୍ଜି' କାର୍ଟ୍ୟ ନାଧି ।</u> — 278 —

₹"ন'অঝা

अः श्रुट्टिं स्ट्रिन्स्याः के स्यायस्य स्य

याल्याक्रेव न्द्रान्त्रीय निकासा मिल्याक्रेव निकास नि

र्श्विन् क्युन्य स्त्र क्ष्या स् क्ष्या क्ष्या स्त्र क्ष्या स्त्र

हे नहुंद से जश

सुभाह्य-र्स्स्याम् स्वाक्त्रीम् स्वाक्त्रीम् विकासाक्ष्यः सुन्ति । विकासाक्ष्यः सुन्ति । विकासाक्ष्यः सुन्ति । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्रा । विकासाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्त्रा । विकासाक्ष्यः स्वाक्ष्यः स्वाक्त्रा । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्यः स्वाक्त्रा । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्रा । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्र । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्र स्वाक्त्र स्वाक्त्र । विकासाक्ष्यः स्वाक्त्र स्वाक्त्

র্মুন্তমান্তমা

र्वाः सरः श्रुवः प्रवेतः विदः स्वरः स द्यः प्रवेतः स्वरः प्रवेतः स्वरः स्वरः

অম্বে দ্বান্ শ্বুম্ম আনব ক্রব দ্বী বা ক্তম ক্লি ক্লিম শ্রী শ

श्चरःश्रुवःर्क्षनःयद्गैःषान्तेः निवा । र्ह्यनःक्ष्मिषान्त्र्यस्यःश्चान्त्रःश्ची । र्ह्यनःव्यक्षम्यःश्चित्रःयःश्चानः। । स्वात्रःयुगिषाःश्चित्रःयःचिषाःविद्याः।

ম্ম'নীকা

मुंग्रस्त्रं न्यायायि स्वाधित्रः क्षेत्रः स्वाधितः स्वाध

অহ:ব্য

स्याः भ्रीत्रः नियः स्वीतः स्

ৰ্ক্||

नवै 'स'शु'नब 'दवेस'न'श्चेन'हेवे 'वृश्रश्र'है ।

सुयाः भ्रुवाः नश्यः द्वाः सें : न्दः तद्वाः निवः क्रें नशः क्रीश वदः नुः क्रें दः हो । क्रें विश्वः स्वाः नश्यः द्वाः सें : न्दः तदे : क्रियः विश्वः सें वः संविषः सें ।

₹'ন'অঝা

ऄॖज़ॱॾॱख़ढ़ॱय़ॸॱड़ऀॱख़ॖॸॱॶॴ ॗ ऄॖज़ॱॿॱख़ढ़ॱय़ॸॱड़ऀॱख़ॖॸॱॶॴ*ॗ*

स्याम्बित्त्वर्थान्त्रेत्वर्थान्त्रेत्वर्थाः भ्रीत्वर्धाः स्याम्बित्तः स्थित्तः स्थित्तः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित

र्षिन् : प्रमान्य विषयः श्रीत्राची : स्वान्य स्वान्य

हे नडुंद से प्रश

ড়णदे.श्चीतिः श्वेद्वः स्ट्रीटः प्रचीयात्रः त्वी । ज्याद्रः स्थान्यः श्वेश्वयः श्वेद्वः त्वीः व्यक्षः स्थान्यः त्वा । व्यक्षः प्रच्यः श्वेश्वयः श्वेद्वः त्वीः व्यक्षः त्वा । व्यक्षः प्रचेद्वाः श्वेश्वयः श्वेद्वः त्वीः व्यक्षः त्वा । व्यक्षः प्रचेद्वाः श्वेशः त्वेद्वः त्विवायः त्वा । व्यक्षः प्रचेद्वाः त्वाः त्वेशः त्विवायः त्वा । व्यक्षः त्वा ।

वर्दे :पदः हे : नर्डुं दः श्रे : वश्

टःश्चें. तेथःश्चेटःश्चेटःश्वटःयथः जट्या | खेशःश्चा | श्चटःश्चःश्चेयाः तथः शः श्वचटः पश्चिर्य | युः प्रतुः शः पटः योधेषः श्चेयः श्चेटः | | सःश्चेयः पश्चेयः स्वर्यः श्चेयः श्चेय

र्स्ने न न में त सुन न सून सुन स्वेन स्वेन भागीश

सर्ग्यंश्वर्ग्यः विराधर्षेत् स्वेते विरायहेत्यश्व । विष्यात्त्र्यां सक्तं स्वारात्ते स्वतः क्षेत्रः स्वे । विष्यात्त्र्ये स्वतः सक्तं स्वारात्ते स्वतः क्षेत्रः स्वे । स्वायः क्षेत्रः सक्तं स्वारात्ते स्वतः क्षेत्रः स्वे । ।

लट.य.र्राचन श्रुट्यायम्ब केत्र देवाकुट ह्रीं क्रिंग ग्रीय

सवान्त्री : बका श्री : वर्ष्ट्र न्या ने स्था स्था : व्या : व्या

ম্ম:বীশা

गुरः ब्रदः गहसः यः नक्षुः से रः नरेदः रु: वहेदा ।

र्ज्ञानाश्वरःश्चेत्रश्चित्रश्चरःग्वेशःश्वरःश्चेत्रा । द्वाःनाश्वरःश्चेत्रशःशःविश्वशःग्वेशःश्वरःविदःश्चेत्रा । वेशःयःश्चरःश्चेत्रशःश्चेशःश्वरःश्वरःश्चेत्रा । वेशःयःश्चरःश्चेत्रशःश्चेशःश्वरःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रः। ।

œ्'स'क्षुन्'द्रॅं'दवेय'न'अ'क्षुन्'नदे'वृजक्ष'ते_।

श्चिताः श्चेताः व्याः विद्याः स्त्रीत् । स्

₹"ব"অঝ

त्रम् त्रित्त्वम् त्रित्त्वम् त्रित्त्वम् । व्यवान्यःश्चरः त्रमः हिन्न्यते । व्यवान्यःश्चरः त्रमः हिन्न्यते । व्यवान्यःश्चरः त्रमः हिन्न्यते ।

श्चित्रं त्रियः स्वार्त्त द्रियः स्वार्त्त द्रियः स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार

र्वे दिव दर अध्वास्तरे द्वे र महें दि दी

র্মুদ্রমান্ত্রমা

लेयो.प्रट.पविष्रभाःसुट.पविष्रभाःसुट.योट.पर्सी । इ.जट्म.कु्योमा.झमामुट.श्चर.श्चर.श्चर.योट.स.ट्यो । स्ट.पु.पट्टाह्यत.दुट्ट.श्चर.श्चर.ब.पद्ये । श्च.प्र्चेम.सेच.केट.स्य.योट्टमाया.सु.श्चरी ।

लट.य.र्यत्व.र्श्वट्य.प्राप्तय.कुय.र्युव.क्ट्रि.क्ट्र्य.ग्रीया

र्हेर-ध्रेश-भ्रेग्वर-पर्हेर-वर्व-प्य-स्वावर-। । र्हेर-हेर्-हेन-भ्रु-वर्वश-हेन्-वर्वेद-सर्वे । । ध्रुव-रेट-प्य्ये-ध्रेन-ग्रेट-वर्वेद-सर्वे - द्र-श्रिश । स्योग-वर्वेद-भ्रुन-त्र्य-वर्थ-वर्ष्ण्यश-वर्वेद-ध्र-। ।

रदःग्रीश्रा

য়ড়, र्रेन्र. विचा, चीया स्वाया न्यंत्र म्यंत्र स्वाया चीया स्वया स्वया

बुर्हा ।

<u> तुनाय'ननेॅन'क़ॅ'ववेय'य'वबन'नन'ग्र</u>ी'व्यक्ष'के।

यग्दर्भेन्। यग्दर्भेन्। यग्दर्भेन्।

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

रेन:र्ळ:नगाय:पशुर:संशा

लट.य.र्यत्व.श्रीटश.भावय.कुय.र्युवा.क्टर.ध्रॅ.क्ट्र्या.ग्रीश

হ্ম-গ্রীশ্য

क्ष.युद्।।

यदेवे : इ.च. स.चाबचा : ग्रह्मचा : मुद्रा : यदे : ४ सम् : दर्रा : यहे र : व्या क्रिया : मुद्रा : यहे या : मुद्रा : यहे या : मुद्रा : यहे या : यहे यहे यहे यहे : यहे यहे : यहे यहे : यहे :

ঀঀৢয়৾৻ঀ৻ৼ৾৻য়ৠ৸৻ঀঀ৸৻৸৻য়ঀ৾৻য়ৢ৸ঀ৾ঀ৻ড়য়৸ঀ৾৻

₹'ন'এঌ৻

स्ति-नुःद्दर्गतिः कृत्यः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्तः स्

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

র্মুন্তর্মান্তর্মা

ढ़ॖॱॾॣढ़॓ॱॡॕॸॣॿ॓ॸॱॹॕॗढ़ॱऄॸॱॹॗॸॱय़ॱॺख़॔ॸऻ ढ़ॖॱढ़ॾॆढ़ॱॴॸॖॴॺॱॸॴॸॱॸॺ॓ॸॱॸॖढ़॓ॱॾॱॴॸॱॴऀऄ॔ॸऻ ढ़ ढ़ॖॱढ़ॾॆढ़ॱॴॸॖॴॺॱॸॴॸॱॸऄॸॱॸॖढ़॓ॱॾॱॴॸॱॴऀऄ॔ॸऻ ढ़

<u>ભદાતાના સુદયાયાત્ર છેતાને વાજદાર્કે છેયા છેયા</u>

र्क्तिर्याद्येत्रं याववादाद्यास्य स्वाधात्रः स्वधात्रः स्वधात

र्रायीया

क्यायमास्यान्यम् स्वास्त्रम् । वाद्यान्यम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् । वहतः प्रत्यम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् । वहतः प्रत्यम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् । वहतः प्रत्यम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् ।

र्ह्य संस्थे। र्ह्य संस्थे।

₹'ন'এঌ৻

हे: बॅर्न्स्नात्यः ब्रेग्न्स्यः यात्र्यः याः चक्कः चैत्रः चीः ते हें हेः याः ।। प्यते ते : इत्रः तः ख्रः क्षेत्रः ची।। चुनः ब्रेन्स्यम्यः ते : ख्रुनः यनः चीन।।

हेन्। क्षंत्रालय क्षेत्राचेन् क्षेत्राक्षेत्राच्यात्र क्षेत्रे स्वाक्ष्य क्षेत्र क्षेत्रे स्वाक्ष्य क्षेत्र क्षेत्

र्वे दिव दर सम्बन्ध स्वे द्वे र वर्षे दिव

র্ষ শংশ শ্রী শংগ্রান্দ্র বিদ্যান বিদ

অন্বেন্দ্ৰ প্ৰদ্ৰম্ম আনৱ ক্টব্দ্ৰি আক্তন ক্লিক্টি মাট্টি মা

स्व-प्रते-वियान्य अध्यान्त्रीयाः स्वित् प्रते । स्व-प्राप्त-स्वे प्रते स्व-स्वे स्व-स्वे स्व । सर्व-प्राप्त-स्वे प्रते स्व-स्वे स्व । स्व-प्रप्त-स्वे प्रति । स्व-प्रप्त-स्वे प्रति ।

रट.गुर्था

म् स्ट्रिंस्युन्त्र्वर्थः सहयः न्यः स्ट्रिंस्य विश्वा । स्वः म्रिंसः स्ट्रेस्य स्वान्य स्वान्त्रः स्वान्य स्वान्य । स्वः म्रिंसः स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य । स्वः स्वान्य स्वान

धर:वा

নঞ্জীৰ'বীম'ক্সৰ'নপ্ন'্ম।

নর্মুর র্নি ক্রের জ্রী অক্তর ন্টি ন ন্দ্রী ন নান্ট শ ন্থা নন্দর্শ অক্তর ন্টি ন নি ন্দ্রী ন নান্টি শ ন্থা

नर्हेन्-चुत्रे-न्र्रेश-सॅ-नेत्रे-न्त्रे। नर्हेन्-चुत्र-न्रेस्य-नर्स्रेद्य-पत्रे-न्याने-त्य-क्रु-सळ्द्य-द्य-न्त्र-न्य-व्य-द्य-न्य-स्त्र-स्त्र-स्त्

শ্ৰীপ্ৰান্ধণন্দ্ৰী'নাধী।

र्केशयानर्भेत्रान्दाध्यायानर्भेत्। । इटामिक्स्यायानर्भेत्राद्वा

नर्हेन् पर्नेन् ग्री न्हें शासि ने ते प्राप्त के साथ नर्हे स्वर्ग ने ते प्राप्त स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्

₹"ব"অঝা

वर्नेन्द्रन्यःन्त्रान्तेःसन्दरःश्चःन।। सःधोतःर्स्तुःश्वतःर्स्हेन्द्रस्यनःर्धेन।।

तर्ने न्यते भ्रुप्त न्या के स्वत्य भ्राप्त न्या के स्वत्य के स्वत

र्वे दिव दर अध्वात संदे द्वे र वर्डे द दे |

র্নু নুষ্য ব্যক্ষ

मुक्षायहेव हुमायिं स्वित्र महिव स्वाहेव स्वाहेव । मुक्षायहेव हुमायिं स्वित्र महिव स्वाहेव स्वाहेव । नेश जुर वाद श्रेद क्षेत्र देव समय प्रमा । सिंदेयः स्थान्ते । या स्थाप्त स्थान्य स्थान्य । ।

অম্ব-ম্বন্ধ্যুম্কামান্ব্যক্তির-ম্বিন্তুমের্ক্র্রিক্রিকাশ্রীকা

য়ৢঌ৽য়৾ঽ৽য়ৼ৽ড়৻য়ৢড়৽য়য়৽য়য়ৄয়ৢঌ৽য়ৼ৾য়৸ *য়ुमा*मिहेशसाधीदाम्बर्ससोदात्रसम्बर्धानदी । ष्पषावद्याः स्वाप्तर्भायञ्जूदायाः स्रीदादसाः स्वी

হহ:বীশা

र्ना अर्थे नशेलाञ्चन ग्राम्शनगर है। शेरी केरा । श्रे त्यदे गा ने नुसन्तु ग्वरे वा प्येत त्या वि'नदे'र्स्थ'ग्री'ग्रदादर्स्हे'सूर्द्रादर्गेग्। য়'ড়য়'ৼয়৻ৼ৸ৼ৸ৼড়ৢৼ৻য়য়৻য়য়ৢয়য়৻য়য়৻য়য়৻ ાવેશ્વારાષ્ટ્ર

ৱৰ্ণী ।

୶ଵୖ୶୳୳ୄ୴୷୳୳ୠୖୢୡ୕୶ୖୣ୳୕୵ୢଵୄ୲

निर्देन त्रेंन के निर्देश में निर्देश खुवा की होन त्यका निर्देश त्या निर्देश का <u> देशेद्र'संदेश्चेद्र'यश्राम्बद्धः विवार्श्हेद्र'स'यः बेद्रा</u> — 293 —

₹.শ.ল৵

याबदःक्रीःह्र्यःद्वःत्यःत्वःत्वः। भ्राम्बेद्धःक्षःत्वःक्षःतःत्वद्गे।। भ्राम्बेद्धःक्षःत्वःक्षेत्रःतःत्वद्गे।। भ्राम्बेद्धःक्षःत्वेशःक्षेत्रःक्षेत्रः

र्ड्व ग्री कु न्दा ब्रि निया स्वाप्त स्वाप्त निया स्वाप्त स्व

र्वे दिव दर्भ स्वरंभित देवेर वर्दे दिवी

८०० स्थान्य केत्र म्यास्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम्

कं नितः नेतानान्त्राधिश्वाश्चे श्रिक्तं नित्ता । वित्व श्वेत्रः स्वीत् नित्ते नित्ते नित्ते नित्ते । स्वातिक स्वातिक

रदःग्रीश्रा

য়ৢঀয়ৠয়৸য়য়ৢঀ৸ঀঀ৸৸

सळ्य.धेर.र्टा रहेर.यर्ड्र.स.याधेश.सशा

ୣ୵୳ୖୣଌ୕୵୴ଌଌ୕ୣ୶ୠୄ୵ୠୄ୲

नर्केन् नुरामुरामायदी या हेशासी नर्केन् सूसामदे नर्केन् मत्रे सूनश

ৠৢৢৢয়য়ৼড়ৢঀৢঀ৽য়য়ৼয়ৼৼৼৼঀৢ৽য়ৢয়ৼড়ৢয়ড়ৼয়ৢ৽ড়ৼৄৼৼয়য়ৼয়ৠৄঢ়ৼড়ৢঢ় য়ৢয়য়ৼয়ৢ৽য়য়য়ৼয়ৼ৽য়ৠৄঢ়৽য়ড়ৼড়য়

नविश्वप्य प्रसे म्या हिन्दी।

₹'ন'এঝা

वन्त्रभः तक्षेत्र स्वेतः सः देत्रः । स्वन् स्वेनः क्षेत्रः स्वान्यः स्वेनः । स्वन् स्वेनः क्षेत्रः स्वान्यः स्वेनः । स्वान्यः स्वयः स्वेतः स्वेनः स्वयः स्वेतः ।

(दिन: प्यतः मुर्डः में स्वारं स्व प्यतः श्रुवः स्वारं श्रुवः सदेः नावव्यः सः प्यवेदः स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्व प्रदेशो

र्वे दिव दर्भ स्वात संदे द्वे र वर्हे द दे।

র্বুই-প্রাথম-নমা

यन्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य । विकान्त्रः स्थान्त्रस्य । विकान्तः ।

लट.य.र्यत्वताश्चरमाय्यक्ष्य.र्यं व्यक्त.श्चर्याश्चर्या

रट:बीश्रा

श्रुवार्देदिः स्टान्तरायायाः प्रदेश्चित्रयाः स्रेता । वर्ते : क्ष्ट्रित् श्रुट्याः वर्ते द्वेत्रः स्रेत्रः स्रेता । वर्ते : क्ष्ट्रित् श्रुट्याः वर्ते : क्ष्याः चर्ते : स्रेत्रः स्रेता । श्रुवार्देदे : स्रुट्याः वर्ते : स्रेत्रः स्रेता ।

অহ:বা

ईत:८८: वि. क्षे. क्षेट्र. दुर्-र्यः येत्। । वेट.८८: वे. यदे. क्षेट्र. दुर्-र्यः येत्। । हवा:यर:वाववः टे. वर्कें वदे. विष्यः येत्रः वदे। । वे वेद्र-वेष्यः सु: व्युक्तं विषयः येत्रः वदे। ।

পিশ্বইবিক্তব্বস্থা

শীশ নাইন ক্রিব ক্রী মার্কর দ্বীন নাইন মানার শালার শালার বিশ্ব শীশ নাইন ক্রিব ক্রিব শ্রী

यादः सर्देव प्रयः पर्दे द्रायायसः देव प्राया होत्रः स्वरः स्वरः स्वरः प्रदेशः देशः स्वरः स्वरः

₹"ন"অঝ

इत्यास्त्र हिन्द्र स्था । इत्यास्त्र हिन्द्र स्था ।

र्वे देव दर्भ अनुव सदे द्वेर वर्हे द्

র্বি-মেদিশ্যন্থ

इस्यायह्रें व्यक्तायाः क्षायह्रें स्थायह्रें व्यक्तायाः क्षायह्रें व्यक्तायाः क्षायह्रें व्यक्तायाः व्यक्तायाः क्षायह्य व्यक्तायाः व्यवक्तायाः व्यक्तायाः व्यक्तायाः व्यक्तायाः व्यक्तायाः व्यक्तायाः व्यक्तायाः विष्ठ्यायाः विष्ठ्यायाः विष्ठ्यायाः विष्ठ्यायाः विष्ठ्यायः विष्वयः विष्ठ्यायः विष्यः विष्ठ्यायः विष्ययः विष्ठ्यायः विष्ठ्यायः विष्ठ्यायः विष्ठ्यायः विष्ठ्यायः विष्ठ्यायः विष्ययः विष्ययः

लट.व.ट्रेन्य.श्रुट्य.श्राव्यक्तेव.ट्रेच.क्ट्रेट.ध्रॅ.क्ट्र्य.क्रेच्रा थ्रा.व.ट्रेन्य.क्ट्रेच

स्वाद्यात्रां से स्वाद्य स्य स्वाद स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स

रट:बीश्रा

द्यागुद्दायक्ष्याः भूदाः भूद्दाः स्वेदः स्वेदः द्वीदः स्वा । यान्यः वित्रः स्वादः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वा । सान्यः वित्रः सान्यः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वा ।

भुरःर्भुटः।

यद्याक्षे, ट्रांट्र-प्र्ट्र-र्थियाञ्चक्षा अभा श्रीयकाश्चर-प्र्रेट्र-सद्र-भिय-पर्ट्र-स्थान्त्र-स्थान्त्र-भ्री-स्थान्त्र-भ्री-स्थान्त्र-भ्री-स्थान्त्र-स्थान्त्य-स्थान्त्र-स्थान्त्र-स्थान्त्य-स्यान्त्र-स्थान्

য়ৣ৾৾য়৾৽ড়ৢঀ৾৽য়ড়৾৽য়৾ঀয়৽য়৾ঀ

ୖ୶ୢୄ୷୶ୄ୶୶୳ଵୖୣୣୢ*ୣ*ୣୢୢ୷ୢୢ୶ଽୖଽ୕ଵ୕୰୶୳ଵୄ୵୳ୄ

दः क्रॅंदे अप्यान्य न्वदः यवादः देश श्रुवायः श्रुव्यादः ह्या व्यान्यः हो। यद्वादः देश विद्याद्वादः देश स्त्राव्यादः देश स्त्राव्यादः स्त्रावयः स्य

दःक्षिःखदरःदःक्ष्यिःभ्रदःदरःधेःचोरःस्रबुदःदवेःश्चःक्षुदःदिनाःधिदःदः क्षेत्राःस्यदःत्रवेताःषुःकुःवारःचेःभ्रदःदरःश्चःवाद्दशःद्वःकुदःदेवेशः स्रवेःवद्वःवगवःसुरुःवादरःवःसेद्।

८.क्रुप्त.श्रेष.प्रेष.वाष्ट्र.ज.वार्ट्र.ज.च्र्र्य.ट्र.ज्रुप.प्रेप.क्रुप.वीश.

तुषः स्वषः वदेवे वदः तुः वळः स्प्रां श्रुदः ववे व्याद्यः स्वाव्यः व्याव्यः व्यावः व्याव्यः व्यावः वयः व्यावः वयः वय

सपुः बीट्टा हेच त्यः श्रूच हें हैं ट्ट्रम् श्री यपुः इसः चोट्ट्रसः हो द्वीट्सः श्रूचीयः देशः यद्भः चीः श्रुः चः मेटः यः पेट्ट्रस् वः ख्र्ट्र यपुः इसः चोट्यः द्वीः इसः यविषाः वटः वयः चीः श्रुः चः मेटः यः पट्ट्रस् वः ख्र्ट्र श्रुः स्थाः ख्रुः व्याः स्थाः व्याः स्थाः व्याः व

ঙ্ক্ল'ক্সৰ'ক্সি'সম্ভ'ৰ'বী

झेन्-ॲन्यायाळ्ड्न्यायान्-नु-धी-नोदी-नाञ्चन्य-नून-भू-नान्न-अर्ध्व-हेयाधिन-सोन्-ऑन्यायाळ्ड्न्यायान्-नु-धी-नोदी-नाञ्चना-भू-न्याह्यायान्य-स्वाहित-नुदी-नुदी-नुदी-नु พरःदम्यायःनःन्दःदन्नेयःस्रःक्ष्मशःसःस्यायःस्रेत्। र्क्षेत्रःतुरुःसःबेनाःयःश्चःकुत्रःबेरुःसःस्यायःस्त्रेत्।।

र्टार्स् महाराष्ट्रास्ते बुटाध्वाक्ची क्यानविषान्यत्राया

तुन'ङ्ब'र्मु'अळब'केन'के।

श्चरःत्राविःशः मो माडेमा संस्था मुश्यः श्रे माड्या स्वाप्तः विष्यः स्वाप्तः स्वापतः स

*क़*ॸॱय़ॱॸॱय़ॕॱॺॱॲ॔॔ॸॱय़ऄॱक़ॖॖॸॱख़ॺॱक़ॖऀॱॸऄॗॱॸऄऻ

न्दःसं त्यःधा ने नन्दःसार्केन् ग्री ज्ञान्यते नन्दःस्ति । स्ति । स्त देनःसार्केन् । स्ति न्द्री । सार्केन् । स्ति । स्ति

<u> ५८:सॅ.भ८.स.२८:सॅवे.स्वाअर.लूर.सवःवटःक्वःवी</u>

यदेवे इ. न वे प्रक्रिंग में बिन प्राप्त के प्रक्रियों के विषय

विश्वास्त्रात्त्रिः त्राव्यात्वात्त्रेष्यः विश्वास्त्रात्व्यात्वात्त्रेष्यः विश्वास्त्रात्व्यात्वात्त्रेष्यः व व्यक्षयः व्यव्यक्ष्यः विश्वास्त्रे विश्वास्त्रे व्यव्यक्षः विश्वास्त्रे व्यव्यक्षः विश्वास्त्रे विश्

र्वे दिव दिन अधिक स्थानिक स्था

র্নু ব্রাদ্রমানমা

ढ़ॖ॓ॺॱढ़ॖ॓ॺॱॳ॒॓ॺॱॻॖऀॱॺॗॖॖॖॖॺॱॾक़ॱॶॹॖड़ॖॺॱॻॖऀ। ॺळॕढ़ॱॸ॔ॸॱॻढ़ॺॱय़ॸॱॺख़ढ़ॱॸ॔ढ़॓ढ़ॎ॓ढ़॔ॸ॔ड़॓ॺॱॾॺॴ। ख़॔ॸॺॱख़॓ढ़ॱफ़ऀॸ॔ॱॻॖऀॴॹ॓ॺॱढ़ड़ढ़॓ॱॺख़ॸॱॷॖॴॱढ़ढ़।। ॾॕॱॾ॓ॱॸ॔ॼॖॸॺॱढ़ॺॱय़॓ॴॾ॓ॺॱॹॖॹॖॸॴ।

ब्रेश-म्दार-दिवे क्रिंग्-स्तान्त्र क्रिंग-स्तान्त्र क्रिंग-

হহ:বীশা

क्ष.युद्धा

श्रुव-निय्यानिक्तः महिन्द्रम् मुक्तः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीतः स् भ्रुप्तः स्त्राचेत्रः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रीतः स्त

निष्याम्यानिष्यानिष्यानिष्यान्य । स्वित्यानिष्यान्य । स्वित्यानिष्यानिष्यान्य । स्वित्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्य

র্নু ব্যাদ্রমানমা

য়ुन्त्रवेतुर्र्त्यार्यदे जिस्तुः रा । सूत्रसूत्रक्ष्यात्रे वर्त्त्रक्ष्यात्रे राय्ये स्वाप्त्या । स्वाप्ती प्रवर्ष्या स्वाप्त्र स्वाप्त्य स्वाप्त्य । दे से प्रवेत स्वाप्त्र स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्त्य ।

वेशम्रायाविश्वायि विष्यार्थे विषया मुद्राया स्वर्यस्व विश्वायि विश्वाय विश्वा

स्रायदार्वि में दे। रया न्यराष्ट्र से न्युरस्य उदास्य प्रतीय में स्वार्थ न्युर नः स्रे। यः र्थे क्रुवर् राचलुनायायवसारे देशनहेवरयान्नानी समीवर्यदेशयमात्री इ.स.म्रेर.सह.स्व.मु.वर.यबर.क्रंस.मह्मा वृमार्ग्रा

হহ:বীশা

म्न-र्यट्याम् अस्ति म्यान्यार्या म्यान्य यह्रमायह्रमायह्रवे यविमायामी से भुमा <u>ब्</u>च-तदेःब्रेन्ट्रॉ-जेन्-ग्रीःब्र्नानाःसमा । देव क्वेव क्वुन सम्भास्रव ह्या नु त्या या विस् ব্যস্থ

ৱৰ্ণী ।

नसुअ'स'म्नद'स'नसुअ'सदै'ङ्गॅन'अर'ॲद'सदै'तुद'ङ्ब'दे| र्गे देव दर अधुव अदे द्रे र ने र ने हें न

র্বুই.প্রাবশ্বরা

नेयानुदेग्हेयार्येटाह्मयान्धेनापट्यापदेशयापदा । क्रूजःक्ष्यः हूँचायः स्वतः श्चैवः स्वरः ठवः द्वयः दा देर-देर-लेग्रश्य-वन्तः अः चे दृहः है श^{ा६}। ॅर्डिक'यक'इ'न'र्नेव'युव'क्षेट्र'तु:ब्रेट्रा ।

<u>डेश्राम्दायाण्युयापते र्</u>चेणायम् देस्दिरादेसावेश्राबुदाध्वापस्यार्केदा इङ्का वेश्वर्थास्य येश्वराप्य

य.के.येच्री

क्र्याऱ्त्रश्ची श्रेशःच्यात्रस्य विकास्य विकास वि

হহ:বীঝা

स्रीयाय स्टार्स्स् वर्स्याय स्टीयाय स्ट्रीयाय स्ट्रीय स्ट्रीयाय स्ट्रीय स्ट्र

ৰ্ব্ধ।

नबि'न'म्नन'न'नबि'नदि'न्दिन'अन'भिन'नदि'नुन'ङ्गि। र्वे 'र्नेत'न्न'यह्मिन'यदे'न्येन'न्दिन्।

র্মুন্মানমানমা

बेस.बेस.के.बेट्-ट्यट.सुट्-अस्.क्य.च्यी-वित्तात्त्रीं स्थात्यीं स्

विश्वास्तानविष्यत्र्वे म्यान्त्र्वे स्वास्त्रम्य स्वास्य

रट.गुर्था

अःयदेशःभ्रुदःभूगःक्षेत्रःसद्दशःस्वःनयः। भूःक्षेत्रःस्वःस्वःस्वःस्वःस्वः। र्वाशः र्वा १ विशः श्वी स्त्री स्त्री स्त्री । विशः संस्था । विश्वा संस्था । विश्

ॡॱय़ॱख़ऀॴॱॠॸॱॺॿऀॱय़ॺॱॸॸॱय़ॕॱॸॸॱॴढ़ऀॺॱय़ढ़ॱॾॕॴॱॺॸॱख़ॕॸॱय़ढ़ॱ ॿॖॸॱॡॴढ़ॏ

र्वे दिव दर्भ सम्बन्धिय स्थित स्थित

র্নু ব্রেম্বর ব্রম্

द्यात्र त्रित्र क्षेत्र क्षित्र क्ष्य क्

विश्वः मिर्यं प्रति । यहेशः यह विश्वः मिर्यं विश्वः स्वरः स

क्रि.क्ट्र.श्रद्ध। वरासराश्चितात्वा वेशार्श्य ।

रदःग्रीश्रा

5ुन्।'स'क्त्र'स'न्द्र'स्त्र'स्त्र'सदि'झ्न्। नै।

र्वे दिव प्रायम्

র্মুন্থ-বর্ষা

য়ुगःभुगःग्नेरशः उदः द्वरः संदे स्ट्रिं स्वाराण्येश। त्रुदः कुषः क्षेत्रः क्ष्यः स्वर्थः स्वर्थः । स्वाः भुगः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः । स्वाः भुगः स्वर्थः स्वर्थः ।

क्षेत्राचेत्रान्दर्भः न्दर्भः नदर्भः नदर्भः

क्षेमार्ने बन्दी।

र्र मीश

स्वःक्ष्यान्नायन्यः स्वयः स्वेन्यः स्वयः स्वयः । वेन्यः सः स्वयः स्वयः

बुर्दे।।

नतुष्र'स'म्नन'स'न्न'स्नि'। निष्ठे 'सिन्ने' में मा अस्प्येन् 'सिन्ने 'सुन' स्वा वि

र्वे दिव दर्भ स्वतः सदि द्वे सः वर्हे द्

बुकाबुवाकाक्षुःश्लेम्स्युम्स्यावाद्यकावद्यात्वी । वह्रवावह्यात्वुस्युस्यावाक्षयाः व्याप्ताः । वृत्यावकाव्या

योन् नित्र अर्कें न्दर क्रेंत्र नुष्ण न्या प्रयोग्य ।

बेशःम्दार्यः द्वारः स्वार्यः स्वारं स्वरं स्वारं स्वरं स्व

न्यत्रक्तीः भू त्रत्राः शूर्रान्त्राः वृष्ट्याः तृ वृत्राः शू । ।

व्यास्त्रान्तः भू त्रान्तः कृष्ट्राः वृष्ट्राः वृत्र्यः शू त्र्वे न्यत्रः न्यत्रः वृत्र्यः स्वरः स्व

ने

र्वे दिव दर्भ अनुव सदि द्वेर वर्दे द्

র্মু ব্রহার ক্রা

द्राम्यत्रकुः द्यायतुष्यः द्योश्यः हे नरः नक्षेत्। भ्रवः श्रवः व्यवेदः निवः स्वितः स्वयः स्वयः स्वाः । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । द्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । द्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः ।

बेशःम्दायाविशासायात्र्यः विश्वः व श्रुवः विश्वः स्विः स्वतः स्वतः

ळेंगार्ने व दी।

ম্ম:ব্যাঝা

क्र्यायार्थयाः बेदासदाम्बर्धाः स्वीस्थाः स्था

 $\frac{1}{2}$ $\frac{1$

र्वे दिव दिन स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

र्वेन'त्रचीन'क्रेन'म्ये न्यान्य विद्यात्र वित्यात्र वित्यात्य न्यान्य न्याप्य प्याप्य प्याप्य

बेशमिट्यामिक्ष्यास्य स्थित्य स्ट्रीयास्य स्थित्य स्थित्य स्ट्रीया स्थित्य स्ट्रीया स्ट्रीया

याश्चरः श्चीः शि.चरश्चेः विः र्ह्ने याः श्चेरः र्वे श्वः व्यव्यः श्चीय्यः विद्यः विद्य

ऄ॔ॻऻॴऄॱॸॖॕॻऻॱख़॔ॸॱॸॖॱॸॖॸॸॱॸॱॸॻॱॻॏॴऄॗ॔ॻऻॴग़ॖढ़ॱॸॗढ़ॱढ़ॏॴऒ॔ॎ

हे नडुंद से खरा

रट:बीश्रा

्१००७ से ते : इंत कुत : कुत : मान का सह ता : कित : कुत :

वश्वायन्यायते। अस्ति। वश्वायायाय वश्वायाय वश्वाय वश्वायाय वश्वाय वश

ঀড়ৢ৽ঀ৽৸ৼ৽ঀ৽ঀৠয়৽ঀ৽ৼৼঀঀ৽ঀঀ৽য়ঀ৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়ৼ৽ঀ৽ ঀ

र्वे दिव दर्भ अनुव संदे द्वेर वर्हे द्

র্মু ব্রহার ক্রান্ত

विराधिराम्पि विराद्धरान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

बेशम्पर्यं महास्थान्यः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विदायेष्टः विद्यायेष्टः विदायेष्टः विद्यायेष्टः विदायेष्टः विद्यायेष्टः विद

न्ययः में श्रांते वे श्रांत्वा विष्यः यही ।

स्यः प्रांत्वा विष्यः विष्यं विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः

रदःग्रीश

ঀড়ৢ৾৽ঀ৳ঀ৾৽৸ৠ৾ঀ৾৽৸ৼ৽ৠৠ৸ঀৣৠৠৢ৾৽য়৾ঀ৽য়ৼ৽ৠ৾ঀ৽৸ঀ৾৽য়ৣৼ৽ৠয়৽ ঀৢ৾।

র্বিস্থান্ধ্যমা ব্রিস্থান্ট্রিস্থান্ন্রীক্সেইস্থান্নির্দ্ধীরীস্থান্ यन्याः सेन्यः न्द्रः स्ट्रः स्ट्र यम् सेन्यः न्द्रः स्ट्रः स्ट्र

बेशमिटारान्दास्य विश्वसाम्ची मृत्यास्य विश्वमायम् विस्तान्त्रम् । यहस्य यहस्य बेशमित स्त्रीम् व्यवस्य स्त्राम्य स्त्रीम् विस्तान्त्रम् ।

ळेगर्ने वर्वी

यम्बेद्र-प्र-पित्ताः श्रेन्त्राः हेत् न्याः स्त्रेद्र-प्रयाधियाः प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्र-प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्र-प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्रेद्र-प्रमानितः स्त्रम्यः स्त्रम्ति स्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्ति स्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्त

হহ:বীঝা

न्यानः सार्चे सार्चः निहेन् स्थानः स्वतः निहः सार्चे स्था । बेशः सार्वः सार्वः स्था । बेशः सार्वः स्था । बेशः सार्वः स्था । बेशः सार्वः स

बुर्दे। ।

নদ্ভু'ৰাৰীশ'ন'দ্ৰ'ন'শ্ৰ'শ'ৰীৰীশ'ন্ন'নৰী'ন'নি শ্ৰীশ

নূহ'শ্বৰ'ৰী

र्वे दिव दर्भ स्व व संदे द्वे र वर्हे द्

র্নু ব্রেম্বর ব্রম্

वित्यत्वित्यः सन्दर्भः वित्यः वित्यः वित्यः वित्यः स्था । स्ट्रें सः स्याद्धे सः स्थाः स्

ळेगार्ने व दी।

नयानाः अन्दर्भः स्वीतः स्व निरः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वातः स्वातः स्वीतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वीतः स्वातः स्व

ম্ম:বীশা

প্রবিশ্ব প্রবিশ্বর পর

च्यां । इत्यान्त्रां स्वयान्त्रे स्वयान्याः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः । वियानाः स्व इत्ययानाः स्वियान्त्रे स्वयान्याः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः । वियानाः स्वयान्याः स्वयान्य

নদ্ভ'ন্যমুস'ম'দ্দন'ম'ন্ন'ম্ন'ন্ন' ষ্ট্র'ম'ন্রইম'গ্রী'ঈ্রম'ম্মন্' মন্ন'রুন'শ্বর'ষ্ট্র|

রূই-প্রবিশ্ব-রপ্রা

र्जुस्यःचेत्रःतिहःकीरःमित्रं कुर्यःचेत्रः । स्टःस्ट्रांस्यम्दःस्यःस्यः म्यांस्यःस्ये । द्यः मुक्षःत्वेदःस्यः । स्वाःम्यःस्यःस्यः । स्वाःस्ट्रांस्यम्यः । स्वाःस्याःस्याः । स्वाःस्यः ।

ळेगर्देवदी

त्रमुर्नास्त्रन्थःस्वासाम्यदेशस्त्रीद्रामदेशस्त्रम्भः

হহ:বীঝা

स्वाय्यस्यास्यास्यास्य स्वायः स्व महेश्यः सहेश्यः स्वायः स्व स्वायः स्वयः स्वयः

नहुःनबि 'स'म्नन'स'धै'अ'न्धुअ'धै'व्वेन'अन'ॲन्'सदी'हुन'ञ्चन'वै। र्वे 'र्नेव'न्न'स्युव'यदे'न्येन'यर्हेन्।

র্বি-মোদশ্যন্থ

व्यः प्रवः अन्यः द्वायः प्रवः द्वायः प्रवः द्वायः व्यवः द्वायः प्रवः द्वायः प्रवः द्वायः प्रवः द्वायः प्रवः द्व व्यवः प्रवः व्यवः द्वित् व्यवः प्रवः द्वायः प्रवः वः व्यवः वः व्यवः वः व्यवः वः व्यवः वः व्यवः वः व्यवः वः व्यव व्यवः प्रवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः वः व्यवः वः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व

ब्रेशःमदःसःद्वीःसःग्राश्चसःग्रीःर्हेग्।सर्। दब्रयःदब्रयःददः। सहसः

सहंस्। विराविरावेशायवे बुराव्यानरा सास्तर् पुर्वे ।

ळेषार्देवदी

য়ৢॸॱऄ॔ॱक़ॆॱॻऻॖॹॖॕॻॱॻऀ। য়ৢॸॱॸॎ॔ॱढ़॓ॱॸ॓ॻॱॸॸॎढ़ॆज़ॴढ़ऒॎ ज़ॖऒ॔ॱज़ढ़॓ॱढ़ॏॖॴऒऀॱয়ॗॸॱऄ॔ॱक़॓ढ़ॆॱढ़ॻॖॴॱय़ऒॵॱऄ ॸॿॸॱऄ॔ॱॸ॓ॱऄॗ॔ॻऻॴऄऀॱয়ॗॸॱऄ॔ॱक़॓ढ़ॆॱढ़ॻॖॴॴऒॵॱऄ क़ॴॴढ़ॏ। ऄॖॱऄॱॻढ़ॊ॔ज़ॱॻऄॖ। क़ॗॖॸॱढ़ॸ॓ॱढ़॓ॱॸ॓ॻॱॴॵऒढ़॓ॴज़॓ॱॷॱय़ॖॖॸॱ क़ॴॴढ़ॏ। ऄॖॱऄॱॻढ़ॊ॔ज़ॱॻऄॖ। क़ॗॖॸॱढ़ॸ॓ॱढ़॓ॱॸ॓ॻॱॴढ़ॎ॓ॱढ़॓ॴॎज़ॴढ़ॱॸढ़॓ॱ ज़ॴॴढ़ॴॱॸॖ॔क़ॖॗॱढ़ॏॴऒॕऻ

হহ:বীঝা

ৰ্থী ।

सक्त्याःसक्त्याःन्द्रभः चीयः र्श्वेतः यदुः स्त्रः स्त्रः । विश्वः सः स्व रभरः स्वरः सङ्घः सः यादेः स्त्रुवः स्वा । स्वरः स्वरः सङ्घः सः यादेः स्त्रुवः स्वा । स्वरः स्वरः सङ्घः सः यादेः स्त्रुवः स्वरः स्वा ।

नर्डें 'क्ष'स'म्मद'स'नबि'नवि'न्नें न्यां अत्र'भें द्र'स'नुद'क्ष्व'की र्वे 'र्देब'ददः सम्रुव'संदे 'द्रयेद'यर्हेत्।

र्चेर-श्रापशःसश्रा

बेशःम्दःयःचवेश्वदेश्वाःसम् सक्रम्सक्रम् पुरःपुरः। सहसः सहस्रा पदःपदःबेशःयदेःबुदःख्वःचमःसःकदःपुर्वेदःयःक्षःतुर्दे।।

ळेंगर्नेवदी

न् त्रक्याबेशन् विदश्य हर्षा क्षेत्राचा व्यवस्था व्यवस्था विश्वस्था विदश्य हर्षेत्र विद्या विदश्य हर्षेत्र विदश्य विदश्य

रट:ग्रीश्रा

द्यार-द्यार-वादशःग्री-से-व्यःचाडेवा-सुर-चतुवाशा । सुव-सुव-ववाशःग्री-ळव्य-दु-हेट-व्यद्धेव-वर्क्केश्वशा । ब्रुट्र| । बीय-बीय-यगोय-वर्षीय-वाश्चर-मुद्ध-होय-वाश्क्या । खेश-स-हो. स्वर-स्वर-छे.मुद्ध-त्याश-री-मुद्द्श-बीय-वर्ष्ट्था । खेश-स-हो.

हे नडुंद से प्रश

सःश्वीं सःश्वीं स्टः सर्भित्। सः प्येट्सः सः प्येट्सः इत्यः स्रेत्। सः पर्यो सः पर्यो दियः संति। सः मुक्तेः सः मुक्ते ।

डेश.च.पट्टे.के.चे.बुश.श्.लट.क्षेत्र.ट्या.श्रायश.इंग.च. इश.च.पट्टे.के.चे.बुश.श्.लट.क्षेत्र.ट्या.श्रायश.इंग.च. इश.च.पट्टे.के.चे.बुश.श्.लट.क्षेत्र.ट्या.श्रायश.क्षेत्र.च्या.श्रायश.क्ष्य.पट्ट.क्षेत्र.च्या.श्रायश.क्ष्य.पट्ट.

$\frac{3}{2} \times \frac{3}{2} \times 1$

*শ্লু*ন'ল্লখন বিশ্বনা

नर्झेन्'अदे'नर'ॐर्'अदे'तुर'ङ्न्।

ॅर्मनाः अवे प्रतः केंद्रायि : बुदा खूदा की : अकंदा केंद्रा दे।

क्षेत्राम्मरः नारः नी र्झेना स्वरः स्वरः नी स्वरः स्वरः नी स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्व ना त्वना सः ना केना सः कतः मी रहेना स्वरः स त्वरं निमान्यः सेन्या

दर्न त्यः द्र्चे : द्रः न्यु स्य स्था

न्दःसॅ'क्त्रःस'न्दिश्यःय'ॲन्'सदी'न्दःसॅ| ॐन'क्त्रःन्दःसॅ'न्दिश' ग्री'झॅन'सदी'तुद्द्व्द'न्द्रःॐन्'स'है|

क्षेत्राम्नार्न्द्रस्तिः र्वेतास्यर्न्त्वरस्यास्यः र्वेत्वास्यस्तिः स्तरः स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति स स्ति स्वान्ति स्ति स्वान्ति स क्षेत्र स्वान्ति स्व सक्ति स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वानि स्वान द्वासाह्मस्यसायदरः भेषायर द्वीत्। । देवासाह्मस्यसायदरः भेषायर द्वीत्। ।

र्वे देव दर्भ अनुव सदी द्वेर वर्हे द्व

র্মুন্তর্মান্তর্মা

द्यारः तह्रमः श्रेमः त्रेष्ट्रं व्याः सङ्घतेः स्थेः यः स्थाः । द्यारः वाश्ययः वर्षे दः स्थेतः स्थेः वर्षः वर्षः । दे विदः वर्ष्ट्रमः यो वर्षे वर्षः वर्षः वर्षः । इतः स्थितः स्थेसः स्थेः वर्षः वर्षः स्थितः स्थेतः ।

बेशम्पर्याद्वर्सः द्वरः विश्वराद्वर्धः विश्वराद्वर्धः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर

ळेगार्ने वरवे।

न्गर-विर-प्रह्मा सक्षित्व न्यान्य न्यान्य विर-प्यान्य प्राप्त विर-प्यान्य प्राप्त विर-प्रक्षित स्थान्य प्राप्त स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य

किंगा-पान प्रक्रित्य प्रक्

रदःग्रीश

র্বুই প্রাথম নথ

धीन्दिन्द्रीयाः हेन्य हीन्य वर्षः हित्या । स्रोत्ति वित्र स्यान स्रोत्य हो सन् स्रोति । स्रोत्ति वित्र स्यान स्रोत्य हो सन् स्रोति । स्रोत्ति हो स्यान स्रोत्य हो सन् स्रोति । स्रोत्ति हो स्यान स्रोति ।

बेशम्रास्य प्रस्ते प्रमा वाशुक्ष प्रयो में वासमा धेर केंद्र बेश प्रयो जुर

ष्व र्थ से से निष्ठ अ में निर्म केंद्र से से से से से

ळेगर्ने वनी

विशःश्। ।

सन् मृते मृत्यः मृतः मृत्यः मृत्य

यद्ग्यं त्रुत्त्रास्त्रम् । चक्षेत्राचित्र उत्तर्भः स्त्राच्याः स्त्र त्रुत्तः चित्र स्त्र स्त्

रदःग्रीश्रा

स्ट्रीट्-जी-ट्रेन्य-अंद्रि-जट-क्ट्रिं-जी-ट्रेन्-जी-ट्रिन्-जी-ट्रेन्य-अंद्रि-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन्-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जी-ट्रेन-जि-ट्रेन-जि-ट्रेन-जि-ट्रेन-जि-ट्रेन-जि-ट्र-जी-ट्रेन-जि-ट्र-जी-ट्रेन-जि-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जि-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जी-ट्र-जि-ट्र-जि-ट्र-जि-ट्र-जि-ट्र-जि-ट्र-जि-ट्र-जि-च

বুর্ব।

न्रसुअ'स'क्र्न्द्र'द्रद्र्य'द्रद्र्य' नवि'सदि'झॅन्'अर'ॲद्'सदि'नर' ক্রীন'স্ট্র'রুন'শ্বর'রী

र्वे दिव दर्भ अध्यास्त्र देशे र महिता

র্বুই প্রাথম নথ

वह्रासहेर् सॅन्सेंद्रियानु तुःविद्वयानदे ह्या । *ৠ*वॱधरःर्भ्रेग'ष'रव'ष्षु'वैदुङ्दे। । क्रि-क्रिंट.सट.स्य-प्रह्मिश.स.सश्चीश.सही । वह्रयायहेद्रान् ग्रुट्या ग्रीयार्क्ष्या गुद्रा हेवा हर वर्षे यथा ।

बेशम्दाराप्तरार्थे द्रा निवासिय में प्रमासिक विकासिय

क्षेत्रार्देव दी।

वह्राबिटामहेदामदे सुनानी र्सेट र्से त्या देद में केदे स्थाने नाम यर सहें अ प्रते वार् तु अ वक्कद केट । स्वा सें र से वाश्वर पर वर्श्केट पाया यहेत्रत्रार्शेरःगर्नायः श्रीःश्रुत्यरः श्रूगायः व्यास्यः स्वातुः यहि या श्री देःवा देश्यमः ब्रेमः स्रो। इताः द्वेतः वाद्रस्यः महेतः द्वाद्यः द्वाद्यः श्रीमः क्रेमः स्रमः स्ट्रः द्वेताः स्ट्रः देशस्य ब्रेमः स्रो।

হহ:মীশা

देव:केव:न्द्रीम:न्द्रःसुव:क्रॅमशःवेॅ्रःग्री:न्ययः। द्री:नशःनश्चुव:क्षेव:माइंमा:यम:देमा:यदे:वेॅ्रः।। हम:श्चेॅ्रःनर्क्टेव:यदे:ग्री:केव:ग्रीशःह्रेन:यदे।। देव:केव:नेशःथॅव:क्षे:थी:ग्रुव:कःथेवा। बेश:य:क्ष्रःनुदें।।

নঞ্জী বে ক্ষেত্র বিশ্ব বিশ্ব

र्वे दिव दर्भ अनुव सदे द्वेर वर्हे द्

র্নু ব্রাদ্রমানমা

भेगाःभूतः करः श्रीभागक्षतः स्वीरः स्वारः स्वी । भेनः देशाः भेषाः भेषः स्वारः स्वीरः स्वारः स्वारः । भेनः देशाः भेषाः भेषः स्वारः स्वीतः स्वीतः स्वारः स्वीतः । स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः ।

बेशम्दारामहेशासाद्दा मशुरामदेष्ट्रमासम् धेद्रहेशासदेःह्य

विष्यः मृत्रीः महिका ग्रीः नमः क्रेनः सः सृत्रुद्।

ळेगार्ने व दी।

र्शियाः श्चरं ते हैं स्ट्राचियः चेराया दे त्थितः यरायक्षर्यया कुः यरायहिस्या है। ये

হহ:বীঝা

स्तान्द्रः भेषाः कुष्यः क्षेष्ठः स्ति । केष्यः स्वाक्षः स्ति । केष्यः स्वाक्षः स्वाकः स्वाकः स्वाकः स्वाकः स्व स्ति स्वाकः स्व

ৰ্ক্||

र्वे दिव दिन स्व वित्त स्व दिन स्व दिन

র্নু ব্রাদ্রমানমা

त्रुव्यक्षः स्वार्थिक्षः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्

बेशःम्हाराजिशःसःहरः। चिवःसदेः म्वाःसर्। गुदःदशःबेशःसदेः इरःध्वःस्युः महेशःग्रेशःसरः केंद्रःसःस्युः सुदे।।

ळेंगर्ने दने।

स्वार्थः सहित्रः स्वित् स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य

र्ट्याम्बर्धः विकासम्बर्धः स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स्ट्रियं स् र्ट्याम्बर्धाः

রূবা'ঝ'দ্রব'ঝ'ষ্ট্র'ঝ'বার্ট্রঝ'গ্রী'র্ল্লবা'ঝম'র্ম্মব্'ঝঝ'ব্রম'র্ক্টর্'গ্রী'রূব' শ্বর'বী।

र्वे दें तर्र स्वत्र सदे द्वे र वर्हे त्

র্মুন্মানমানমা

र्म्यान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य

देशःम्हाराष्ट्रेशः विश्वः विश्वः श्रेष्ट्रेष्णः स्वा । ह्यारः सहस्य। विश्वः यदेः हुहः

ळेंगर्नेवदी

क्रिंगायान्दराञ्चयान्वेरादेरस्ये क्रुस्स्ट्रिये स्टर्नु क्रुप्यदे न्युयायि स्टर्मे

क्षे.च.र्त्रेया.ड्रश्र.सूर्। । त्र्यूम.र्टा रेयोम.श्रह्रश्र.श्रे.धेयो.यश्रेम.ल.यश्रैश.स.क्षे.ये.द्र.श्रूशश्र.श्री.सुंम.य.

হহ:বীঝা

र्यायक्तरात्ते, ब्रिपुः सक्त्र्यात्ति यायरात्त्रः क्षेत्रः यायक्तरात्ते, ब्रिपुः सक्त्र्याः विवायस्य स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

নর্ব'ন'দ্রন'ন'ব্যস্ত্র স্থান্ত্র বা অম স্পের্'ন্ন নি স্কের্'ন্সী 'রুর'শ্বর' বী।

र्वे दिव प्राथ्य में प्राथित में मार्थे मार्

র্ন্ন-মান্স-নমা

द्यानगःश्चेद्राययान्त्र्याःश्चेद्राययान्त्र्याःश्चेद्रायः द्यानग्रदेःश्चेद्राययान्त्र्याःश्चेद्रायय्यय्याःश्चेद्र्याः। द्यानग्रदेःश्चेद्राययःश्चेद्र्याःश्चेद्र्याःश्चेद्र्याः। द्यानग्रदेःश्चेद्राययान्त्र्यः।।

ढ़ो*ॴ*ॸॱय़ॱॺ॒ॱॺॱॻऻॶॺॱॻॖऀॱॾॕॻॱॺॸऻॱढ़ॺॱॸॻॱढ़ोॺॱय़ढ़॓ॱड़ॖॸॱॺ॒ॺॱ

न्याःचीश्रानरःक्टेन्याःकृत्रुद्।।

ळेगार्ने व दी।

रदःग्रीश्रा

নক্সন্মান্দ্রের বিশ্ব নাধ্য সাধ্য নাধ্য নাধ্য সাধ্য স্থা নি নি নাধ্য সাধ্য সাধ্য সাধ্য সাধ্য সাধ্য সাধ্য সাধ্য স্থান নি নাম্য সাধ্য সাধ্য

र्वे देव दर्भ अनुव सदे द्वेर वर्हे न

র্নি স্বাদ্রমণ্যমা

र्यः न्यरः श्रुक्तां वीः वर्ष्यः वरः श्रुक्तः स्वरः श्रुक्तां वीः वर्ष्यः श्रुक्तः वरः श्रुक्तः स्वरः श्रुक्तः श्रुक्तः श्रुक्तः श्रुक्तः स्वरः श्रुक्तः श्रुक्तः श्रुक्तः श्रुक्तः श्रुक्तः स्वरः स्

वेशःम्दार्यः द्दः स्वाध्यायः चित्रः चित्र

ळेंगर्ने दवी

र्यः हुः न्यरः यदेः विष्यः योः यद्वायः याः श्चेर्यः यदे श्चेतः विष्यः योः यात्वायः यात्वयः यात्वयः

र्से. र्से च. त्र्रा श्र. तर्तु श. तर्तु च. देव च. हेव स्वा । बुकारा क्षे. येत्। । र्से. र्से च. प्र. की प्र. श. स्वा प्रत्या क्षेत्र का । रु. र्से च. प्र. की प्र. थे. स्वा प्रत्या क्षेत्र की । रु. रेसे च. प्र. की प्र. थे. स्वा प्रत्य की या ।

र्वे दिव दर्भ सम्बद्ध स्वरं दिवे स्वर्हित्

स्रेयः पश्चीयः स्राचित्रः मृत्यात्रः स्राचीयः स्रेयः पश्चीयः स्रियः स

लेश.मेट.त.पश्चा.मु.ह्या.सर् श्रेष.त्यीर.लेश.ततु.ह्या.सद.वीर. वेश.मेट.त.पश्चा.मु.ह्या.सर् श्रेष.त्यीर.लेश.ततु.ह्या.सद.वीर.

क्षेत्रार्देवःदी

क्रियामान्नेम्प्रस्यायाव्यवित्वमा क्रियामाय्याप्तिमान्नेम्प्रस्य स्थान्तिमान्नेम्प्रस्य । वित्यमान्नेम्प्रस्य स्थान्य स्थान्य

হহ:বীঝা

য়ुःळ्यायात्र्यां तारीयायात्र्याः सेतार्थः सेत्रां । য়ुःळ्यायात्रां स्वाप्तात्र्याः सेवाः सेवाः

ঀড়ৢ৽ঀ৽৸ৼ৻ঀ৻ঀড়ৢ৽ঀঀ৽য়ৢঀ৽য়ৼ৻য়৻৻ঀঢ়৻ঀঢ়৽য়ৼঀ৽য়৽

र्वे दिव दर्भ अनुव मधे द्वेर वर्हेत्।

র্নু ব্রাদ্রমানমা

यन्ताः भे त्य्रायिक्तः त्ये त्य्ये त्यक्तः त्ये त्या व्यक्तः व्यकः व्यवकः व्यवकः व्यवकः व्यवकः व्यवकः व्य

डेशःम्दायावे प्रदेशियास्य प्रद्याः हेशःसदे र्ह्म्याः सदे स्थाः स्

ळेगर्देव दी

नन्गारुगायार्श्रेग्रायार्थरेषुयात्रम्यार्थरे श्रुप्ते त्रुस्ययाणीयास्यारेगार्थरे

हिन् ग्रीश्यन्त्वाची क्रुन्य क्रिं न्या स्टेन्डिय डेश्यं। ।

हिन् ग्रीश्यन्त्वाची क्रुन्य क्रिं न्या स्टेन्डिय डेश्यं। ।

हिन् ग्रीश्यन्त्वाची क्रुन्य क्रिं न्या स्टेन्डिय स्ट

इं-वर्ड्व से त्यस्य इं-वर्ड्व से त्यस्य इं-वर्ड्व से त्यस्य स्थाप्त स्थाप्त इं-वर्ड्व से स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त इं-वर्ड्व से स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स

रदःग्रीश्रा

च्यायाः म्याः म्याः स्ट्रीं स्ट्रीतः स्ट्रीयाः म्यायाः स्ट्रीं स्ट्री

ৰ্ক্||

नहुःन्छन्।सःम्दःसःन्छै।न्यःस्त्रःसःन्छेन्। स्त्रेन्र्षःस्त्रः नेन्यःस्रेन्यःस्त्रःस्त्रःस्त्रःस्त्रःस्त्रःस्त्रः

র্বিস্থান্তম্যসম্

ळेगर्देव दी

त्तुशःग्रुशःग्रीःक्विशः इस्याः त्र्वितः त्रिः त्रितः त्रिः द्वीतः त्रिः त्रितः त्रितः त्रितः त्रितः त्रितः त्र श्चुः सः स्वः तुः धोदः विश्वः क्विं सः इस्याः उत्तर्भाः विष्यः त्रितः त्रितः त्रितः त्रितः त्रितः त्रितः त्रित स्वाः त्रितः त ळॅशःबस्थाः उत्तर्भायत्रः वहेत्रायते ह्याः स्वयः स्वे। ह्याः वहेत् कीः श्रेश्यायः वहेत् इयाः तुषायः तर्रे ताः केत्रः र्ये याविषायः विषाः त्रिष्टः व्यवः स्वे। ह्याः वहेतः कीः श्रेः स्वयः याः वहः त्याः विषाः त्रुषायः तर्रे ताः केत्रः र्ये याविषायः विषाः त्रुष्टः व्यवः विषाः श्रेः स्वयः विषाः विष्टः विषाः विष्टः वरुषः स्वयः विष्टे विष्टे

रदःग्रीश्रा

नष्टुःगड़िश्या मृत्याप्तायां प्रताप्तायां गृश्चयायां स्त्रीयां स्त्रायां प्रताप्तायां मृत्यायां प्रताप्तायां व त्रुत्राय्यायां केत्रायां मृत्यायां केश्वयां प्रतापत्तायां स्त्रीयां स्त्रीयां स्त्रीयां स्त्रीयां स्त्रीयां स

र्वे दिव दिन स्वाद्य स्वाद स्व

র্বি-মেদিশ্রন্থ

ची.ची.सटकासासटासुद्धान्यस्यालीयायाया । कूर्यासास्त्रस्योगायाटासद्धान्यस्यास्यात् । ची.ची.स.स्ययसारिश्वयात्रासद्धानायायाया

ૻ૾ૢૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼ**ૢૻઌ૽૽૱ઌ૽૽ૼઌ૾૽ઌ૽૽ઌ૽૽ઌ૽ઌ૽૽**

डेश-मर-स-र्र-र्रे-र्रा मशुश्र-सदे-र्वेग्।सर् ग्रु-ग्रु-बेश-र्रा यिष्टेश्यास्तर्भा यदीर्यदेश्यास्तर्भा ह्रियाः हेश्यास्तरं बुद्ध्या स्तरः स्तरं स्तरः ৰ্থী।

ळेग:र्नेव:वी

৾ৡ৾ঀ**ৢ৻য়**৻ঽ৾৾৾য়৻ঢ়ৣ৾ঀ৻য়ৣৼয়৻ঢ়ৣ৾৽ৼ৾ঀ৻য়ৣ৾য়৻ৼয়৻ঀ৾৻৾ৠ৻য়ৼ৻য়৾য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়ঢ়৻য়ঢ়ৢ৻ र्था. की. लट. संघट रहेरी चीलू. श्रुं श्रद्भाराय है. इंट. सुषु राष्ट्रिय विचाय या चीवया यःनवाःवीय। क्षेत्रायःनुयःक्षुःर्वेःन्द्रःयदेःह्युन्यःय। क्क्रिवायःन्दरः द्रवायः स्रो *ৡ৾ঽ*৾য়ৼ৵৻৸ৼ৻৸৻৸৸৸৻ঢ়ৢ৸৻৸য়ৄ৻৸৻ঢ়৻৸৻৸৻৸৻৸

হহ:বীশা

ह्नापद्देनमिन्स्य के अपन्य स्वाप्त स्व नक्केन्द्रियःबूदःब्रेन्द्रियःब्रुश्चरायःब्रुट्दा ह्वा.तर.सर्व्या.क्ट.चि.चर्य.चर्स्य.चर्यात्र.तर्या । नभ्रेन् ह्याय न्दर्य सदे तहत सुर्य तस विवाद सुर्या

सःक्षःयुद्धि ।

र्वे देव दिन सम्बद्ध निर्म निर्म

র্ন্র্র্র্যমান্ত্র্যা

विश्वास्त्रार्भेषाः स्वर्धाः विश्वास्त्रात्तेष्ठेषाः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्व

ळेगार्ने वरी।

 रट.गुर्था

श्रुवः त्वाः त्ये वाका चल्पः त्विः विवादाः वि

बुर्दे। ।

भुरःश्वेरः।

नरः केंद्र-पदे बुदः धूदः देश नर्हेद्र-दर्गेश पद्यः क्रुं सक्द्र है। वेंद्रः अप्तरः देशेर-पहेदः दुनः खेश

ଞ୍ଜିନ'ଞ୍ଜାନ୍ୟ

७ नम्ॐन्छेन्'अ'ॐन्'नने'नुन'ङ्रु।

नम^{ॱळ}ॅन'केन'अ'ॐॅन'सवे'तुन'क्ष्व'त्री'अळव'वेन'के।

क्षेत्राम्मदार्श्वे स्थानिक्ष्याने स्थानिक्षाने स्थानिकष्ठिक्षाने स्थानिक

न्ही:वःगशुसःश्ले।

「ਜਤਾਕਾਂ'ਸ਼ਤਾਕਾਂ ਬਾਕਾਂ ਕੀ ਆਗੇ। ਬੱਕਾਂ ਕਰੇ 'ਗੁਤਾਂਬਕਾਂਕਤਾਂਕ। ਸ਼ਤਾਕਾਂ ਹੈ। ਬਾਕੀ ਕੇ ਆਗੇ। ਬੱਕਾਂ ਕਰੇ। ਗੁਤਾਬਕਾਂਕਤਾਂਕਤਾਂਕਰੇ। ਕਤਾਂ ਛੱਤਾਂ ਛੇ ਤਾਂ ਬਾਕੇਂ ਕਰੇ। ਗੁਤਾਬਕਾਂ ਕੇ।

म्पर्यास्यामिक्षामिक्ष्याम् स्वास्य स्वतः स्वास्य स्वतः स्व

र्वे द्वार्यः अधियः स्त्रे स्त्रे

র্বি নুষ্ঠান্ত্র

श्रेत्रःश्रेत्रः सुत्रः त्रीतः त्रीतः त्रीतः श्रेतः श्रेतः स्त्रेतः त्रीतः त्र

ब्रेशम्पर्याद्वर्भेशक्षेत्रः व्यक्ति । व्यक्ति ।

ळेंगर्ने दने।

म् मुद्रात्यः श्रॅम्थायिः सेदार्थः स्वेदः स

হহ:বীঝা

য়ৼ৻য়ৼ৻ড়য়৸য়ড়ৢ৾য়৻ৼঀৢয়৻য়য়৻য়ঢ়৻য়য়৻য়ৢয়৸৸ য়ৼ৻য়ৼ৻ড়য়৸য়ড়ৢ৾য়৻ৼঀৢয়৻য়য়৻য়ৢয়৸৸ৠৢয়৸৸ खेन्यश्चान्यात्रात्रकर् क्ट्रिंग्सु देवा देवा स्वान्यात्र स्वान्य स्व

धर:वा

दगार-दगार-दुर-शेशशस्त्र-अदे-अक्ट-तहिरशर्दश्। रगार-दगार-दन-पादुर-क्वनशःग्री-दे-क्व-ब्विशः। सक्द-अक्ट-पार्वेश-क्व-श्वेद-क्व-ब्वेश-पार।। सक्द-अक्ट-अक्ट-क्व-क्व-क्व-अद्यान्त्र-अक्ट-अक्ट-अक्ट-अ

ৰ্ফ্||

र्वे देव दिन्य मुन्य प्रते द्वे र वर्षे द

র্মুন্সাদ্রমানমা

स्तर्भरःद्वर्यते क्षेत्रस्य विश्वर्षे स्वर्यते क्षेत्रस्य विश्वर्षे स्वर्यते क्षेत्रस्य विश्वर्षे स्वर्यते स्वय्यते स्वर्यते स्वर्यते स्वर्यते स्वर्यते स्वयते स्वयते

विश्वाम् । विश्वाम । विश्वाम

ळेग-र्नेव-वे।

च्यः क्र्यः निवाः त्रीयः त्रीयः व्याः व्याः क्रियः च्याः क्रियः व्याः क्रियः व्याः व्याः क्रियः व्याः व्याः

रट.गुर्था

हुं अरहें अरहें अरवार हुं वर्गर रहें अरा शें रें योचा । बुं अर्थ रहें अहं अरबहें अरबें वर्गीं खंदर यह रहें यो अर रहें यो । अहं अरबहें अरबें वर्गें खंदर यह रहें यो अर रहें यो । हुं अरहें अरबें केंद्र केंद्र यह रहें यो अर रहें यो अर्थें

बुर्दे। ।

नशुअ'य'म्प्रत्य'यि वि'वि'वि'वि'य'य'य्ये प्रत्ये प्रत्य क्षेत्र्य क्षेत्र्य क्षेत्र्य क्षेत्र्य क्षेत्र्य क्षेत्र

र्वे देव दर अधुव यदे द्वेर वर्दे द्

রুই-প্রাধ্যমান্ত্র

सळ्यःसळ्यःश्चेतःमश्चेतःस्थान्तःश्चेतःस्यान्तः। सळ्यःसळ्यःसळ्यःत्रेत्येतःस्यान्त्रेत्वाःस्यान्तःस्या। सळ्यःसळ्यःसळ्यःत्रेत्येतःस्यःस्यान्त्रेत्वाःस्यान्त्रेत्व।। सळ्यःसळ्यःश्चेतःस्यान्त्रेत्वःस्यान्त्रेतःस्यान्त्रेतः।

डेशःम्हार्यः निवेश्वादेश्वेषाः स्रम् सर्वेरः सर्वेशः सदेश्चरः स्वेशः स्वेरः स्वेतः स्वेरः स्व

ळेयार्देवःदी

रट:ग्रीश

योशवःयोशवःसःयर्द्धशःयवितःस्रोतःस्वःसःस्यःस्वरःस्वः । योशवःयोशवःद्वरःयोविःस्यःस्वःसदःस्वरःस्वरःस्वः । योशवःयोशवःसःसद्धाः ব্রব্রা বর্ষা

माल्वर-दुःद्व-दः क्रिंदिः सः मार्विदः क्रिंद्व-सान्ते सः सः द्वा-मान्य सः मुद्व-क्रिंदः में मुद्दः स्विदः क्रिंदः सः मार्विदः क्रिंदः स्विदः स

हे नहुंद्रासे त्या रखा रखा

त्तर्ने कुर्नः संस्थान्य स्थान्य । । निश्च संस्थान्य संस्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य निश्च संस्थान्य संस्थान्य स्थान्य स्था

चेत्रानिश्चान्त्र्यः चीः चार्च्यः स्वानिः स्व

नेत्र

लट.य. ई. च श्रुव. श्रु. जश्रा

ट.ब्रॅ.स.क्टर.चार्यस्य रचा.क्र.च.लुया । शंश्रशक्रुट:श्रुट:रुशःके:न:धेत्।। गहेन्:कुरःक्षेत्रानश्रवःकःनःधेत्।। याद्ययाः स्वेशः गुद्रात्यः सावशः सः धेद्या

*॔*ढ़ोशॱॠ८ॱय़य़ऀॱॸॸॱॸॖ॔ॱक़ॖढ़ॱॸ॔ढ़ॱक़॓ॱॸॱढ़ॊशॱय़य़ऀॱॾॣॗॱक़ॗढ़ॱॸऀॱय़ळ॔ॸॱॸॱढ़ॊऀॻऻॱ र्गे।

र्द्धेव निरागर स्वत्य निगय से निग। नुम्यासुर्येदार्विः र्रे र्रे । बे र्हेग् इं रूर् के वे वे । 3.4xx.42.84.6.2.21

ૡૢૺૹૻ૽.ૠ૾૽ઽ૽૱ૹૹૡ૽ૡૢૼઌૼૺૣઌ૽ૡૢ૽૱ૹ૽૽ૢ૽ૺૹ૽૽ૺૹ૾૽ૹ૽૽ઌૢ૽ૡ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽ૡૢ૽ઌ૽૽ૢ૽ૡ૽૽ૢ૽ૺૡ૽૽ૺઌ૽૽ૡ૽ૺઌ૽૽ૡ૽ૺૡ૽ૺૡ૽ૺૡ૽ૺૡ૽

हे नडुंद से जर्भ

जिंश.धु.जै.श्रीतु.हूर.ज.खेया। श्रेस्रश्र ते दें द्र न्यायय हें द्र त्य वेता। ळॅवाशर्जुवार्स्सवीर्टेर्वशङ्केटा।

क्रा विश्वासी सम्बद्धाः स्त्रीत्र स्त्रीत्र स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त

षद:दा

रःनरःकेँदःनगेग्रयःयःद्रयःरःसेद्।। <u> हिं</u>र-दे-ङब-सेम्बर-चन्द-नेश-नेश-दश्।। श्रेयशः ग्रीः ने 'हेन' में 'में 'नश्रा ८.कै.जीय.टच.जर्ड.शूर.श्रीया।

मदे बुद स्व कें।

षर: हे न दुंद से वस् *ॼॱ*ॸ्ॸॱॿॖ॓ख़ॱॴऄ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॹॱॾॗॸॱऻ श्च'त्र:श्<u>चे</u>दु:षर:₹व:श्चुरः।। रे.र्वाश्रःश्रुःक्ष्याश्रःनरः इत्यःश्रुरः। । ८.शु.ता.रश्राया.धेशश.क्ष्या.श्रीटा ।

बेशनायदेवराम्रान्यवे मवे सम्बन्धर स्थित्रवे नर्केत्रवे हुर

दे.श्रूचीश.बु.ई.चर्थ्व.झु.ज.रश.चतु.बु.दु.चु.र्याश.संबेच.लूरश.ज.सुंश. जश.रनुर.सक्ट्र्य.कु.र्यार.लूब.कच.चटु.बु.र्याश.संबेच.लूरश.ज.सुंश.श्रु. विज्ञान.ज्याश.श्रू.

नरः केंद्र स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्यन स्

য়ৣ৾৾ন'ৼৢঀ৾৻৸ড়ৢ৾৻৸

ग'द्रेन'नै'क्रुन'स्नन'ननन'न'नै।

या-भिदे-भ्र्र्य-वि-ह्या-देवा-भ्र्य-वि-ह्या-भ्रान्त-वि-ह्या-क्या-वि-ह्या-क्या-वि-ह्या-क्या-वि-ह्या-वि-

त्रचे द्ध्याचन र्र्ध्वे नानेन न्या स्वरामान्य प्राप्त स्वरामान्य स्वरामान्य

क्रॅ्रंटक्टेन्प्न्यभ्राट्यते प्रयाद्याद्यात्री याहें क्रिंस्या स्ट्रंट्रिस्य स्ट्रंट्रेस्य स्ट्रंट्

गान्नेट क्रुं लेश पाने में प्राण्य मान्नेट सुधा दुवे में देश मिन्य मिन्

गः र्हेस्र ययदर रहेस्र ख्या श्वासं प्राप्त विष्या सक्षेत्र व्यास्त्र स्वास्त्र स्वास्

*षदःवःषावशःख्वाशःवर्ह्मेवानुःवद्मेःश्चॅतःर्वेदःस्*र्

হহ:বীঝা

ख्यान् र्वेद्रस्य प्रमुद्द्य स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान

ૡૢૹઌ૽૽ૹ૽ૢૺ૽ૼૢૼૡૢૺ૽ ઌ૱ૹ૽ૢૺ૽૽ૢૼૡ૽ૺૡ૽ૺઽૹૡ૽ૼૺૢ૱ૢ૽ૢૺૹ૽ૼઌૣૹઌૢઌૹઌ ૡૢૹઌ૽૽ૹ૽ૢૺ૽ૼૢૼઌૣ૽ઌ૽ૺૺૼૺ૾ઌ૽ ૡૢૹઌ૽ૹ૽ૺ૽૽ૢૼઌ૽૽ૹ૽૽ૼઌૹ૽૽ૹૹ૾ૢ૽ઌૣ૿ઌ૽૽૱ૹ૽ૢ૾ઌૢ૽ઌઌ૽

गासेरानी मुद्रावरी र्श्वेराभ्रवमा नामव्या मुद्रावी व्याप्त नाम्य व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्या

হহ:বীঝা

स्वाकारम् स्वाप्तात्वकार्याः स्वाक्तात्वन्तः । स्वाक्तात्वकारम् । । स्वाक्तात्वकारम् । । स्वाक्तात्वकारम् । । स्वाक्तात्वकारम् । ।

बेशमाश्रयाचीराचरातार्षेरायाः सुर्वे । यरात्रा

बेशन्याम्बर्याचेन्यम्बर्यास्य स्थित्। स्वर्यान्य स्वरत्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वरत्य स्वरत्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वयत्य स्वरत्य स्वयत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वर्यान्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वयत्य स्वरत्य स्वयत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वयत्य स्वरत्य स्वयत्य स्वयत्य स्वयत्य स्वयत्य स्वयत्य स्वयत्य

गुःषेः अत्यः व्हवः श्हेरः नीः र्वे नाशः नाहेशः गा। नाः यदेः विनाः दग्नरः र्वे नाशः वे शिषः वदेः ना। नाः यदे राहें वः दरः वदः यदेः र्वे शः वदेः ना। रः यदे नाः व्हवः दरः व्हेरः यदः यदः विश्वः । इः वे दग्नरः र्वे व्यः व्यः स्विशः सरः गाः ह।।

कः से दः दे दिन दिने समा ता से दिने सि का । हः करः भः शुदः ह र्वे रः वे विशः दरः ह। । ९⁻सर-न्याद-व-स्या-नस्य-ते-ळव-७। । तृःत्रःगाः हते : न्यः कें यः । । १ बन्दर्जनःगद्राद्यद्वदःश्रेःधेःब। ५.७.श.सं.संय.२४.श्रुम.५.५। व्यत्रक्के नमस्याव्या के संस्था व्यवहातु सावा यःरःश्चेः ५ न्वडुः ईवःरे द्विन्य। यः र्ते दः त्रुः सः द्रवः तर्शे विश्वः श्रीयः या नःश्रूचाशः बूरः इशः सुषः विवा ग्रुः च ५ रः न। । अ:रनशःर्सेनाःनार्हेन्:अ:तोन्:अ:रा द्श्व है : श्रूचाश चालेव हेश हिन दश द। ळ.चट.रश्चेताचर.चश्चेता.च.स्त.चट्टे.क्। इ.जर्ड.र.के.च.थ.४.६। । . स.ज.क्ष.२४.५१७७:स.चे.स। । *ब्*र्नेग्नेप्टेप्ट्देश्चरयानगुरानक्षेख्। ॱॿॱॺॱॸॺॻऻॺॱख़॔ॸ॒ॱय़ख़ॱक़॓ॸॱॻऻढ़ऻढ़ॱॹॖ॓ॺॱॿऻऻ य:र्रःसप्रकेरःसर्केर्-स्ट्वेत्रःग्रुसःत्रःय। । ॔ॴॱॺख़॔**ढ़ॱॸऄॗऀॸ॒ॱॾॕ॒ॻऻॺॱॾॕॻऻॺॱ**ख़॓ढ़ॱॺॊ॔ॺॺॱऄऀॻॱॴ विश्वान्तिः विवानीः र्वेषाः यात्रवान्तिः विश्वान्तिः विश्वानिः विष्यानिः विश्वानिः विष

ૡૺૺૹૻૡ૽૽ૹ૽૽૱ૹૹૢ૽ૼૡૹૢઌૢઌૢઌૢઌ૽ૺૹ૽૽૱૱૱ૡૢ૽ૺ૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽ૺઌ

 ठवःहे।

न्थेर.व.र्ज्जरशाखारेश.च.क्व.ज्ञी.मा.झेर.व्रीर्थर.व्रा स्रावश.र्ज्जर.संभे.र्जोव.सर्क्चेन.क्व.सर्क्ष्या वारश.क्व.पञ्चल.चडर. श्रुव.र्ज्जरशाबेश.च.लशा

ধুখা। হ.লুবা.ছীব.ছুপ্।এিट.2.লুবাপান.জুব.ইল.ডব্রপানভ্র প্রথলেপ। জুবা।

ळ.चेर.भेष.चचर.प्रेश.स.सर.रेबी.शक्र्य.चश्चर.रेट.स.चर. चयाश्री

ख्रायाक्षेत्र्य्। १.म्भान्त्रायाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याच्यायाक्ष्यान्त्रायाक्ष्याः इ.कर.इश्रायान्त्रायान्त्राचरायाव्याक्ष्याक्ष्याच्या

षरःम्रथयःग्रेर्गाःबेरःयःन्ग्रुर्शःनवेःक्व्रूरःनवेःक्रुवःवे।

न्तवः श्रुट्यः समित्रः क्षेत्रः नेवः क्ष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः स्त्रेतः स्त्रो । गोः न्दरः नर्भेः धीयः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः स्त्रेतः स्त्रो ॥ हे.सक्र-र्याः संप्रः मी.सं. मी.सं मी.सन्. मी.सं. म

য়৽ঀ৾৽ড়ৄ৵৽য়ৢ৽ঽঽ৾ৼ৽৶ঀ৵৽য়ৢ৵৻

ने ने नाम सं त्वीव निवास है। के मुन्ति निवास स्टिन्ट के त्वीय निवास है। के मुन्ति निवास स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट स्टिन्ट के सुन्ति स्टिन्ट स्टिन स्टिन्ट स्टिन स्टिन्ट स्टिन स्टिन स्टिन स्टिन्ट स्टिन स्ट

रट.चीश्रा

गै'गै'श्च'वे'खिद्युग'श्व्वा ।

खःदयदः विद्द्रद्द्यः विद्द्यः विद्द्र्यः विद्र्यः विद्द्र्यः विद्द्रः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्रः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्रः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्रः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्यः विद्द्र्

हे.हे.चे.ज्यायानव क्व क् त्रु:रे:रे:क्रुर:क्रुंब:य:ल्ज्या देःगाःमाद्रश्रःश्चीःचर्गेद्रःयःद्ये।। र्बे.ल्.क्ब.जम.म2.२.५५८। मु.मु.मुर.सूच्यायाञ्चयः हु.प्रमुया । सुःकुदेःश्चःधेशःयेनःन्र्ग्ना ने निते में अयम प्रकर्म निते । म् त्रियातास्यायास्त्रीरावर्विरायवर्गा क्रे.क्र.क्र.क्र.चास्यूम.नु.च। क्रि.चित्रे क्रि.ट्र्याश्वरट्ट सः हेत्। इं. ५ दु. क्या नविष क्रू. यर या स्था। র্মি:দ্বি:বর্লমান্ত্রমা बि'नदे'द्रम्थ'ग्री'द्रे'धे'र्ग्नेर्'। बुर-भ्रेग-खूर-चद्र-म्र--ई्ग-ह्या । वे विशवर्वे द प्रवे हे द द्वाव धेश। र्थिः मुँवाः सर्वे : र्वे शः से : र्वे वाः वस्ता रे.र्वाश्रःसूरःवदेःवेरःदुरःर्।। सुःगुदेःकुन्:ग्रेःहेंगःयःन्वेव।। न्ते.श्रुव.पर्टे.पह्रं.लूटश.श्रे.येका ।

स्र.म.ट्याद.यह.श्री.स.ट्या.युम् । क्ष.युद् । । हे.य.या.स्र.ट्र.यह.श्री । स्र.ट.ता.युप्त.यु.स्री.यया.यायमा । स्र.य.ता.यु.स्.यु.स्री । स्र.य.या.यु.स्.यु.स्री ।

न्त्रवःनेदःस्वरुषःन्वरःनेःन्नाःनीःद्वःसळ्यःविदःळेनाःक्क्र्यःस्रुदःसवेःनाः बेदःक्षेत्रःहुःसदःप्यदःवदेःदेःन्वेयःसळेद्वः उसःविनाःपेदःद्वा

সह্বা'ৠসা

बे·**धे**·बे·कें·बन्ःदशःकंनःदर्शेःनश्। नेशरेण क्रेंनरा के के दे दें दिन में धेता यव गठिया यहेया हेव यही सम्ये यया हे रा नेया। यर्वेद्रशसीयः इत्रयंतरहेत्रुत्विग्। देवा त्र्रुवः हें न प्रदे क्वें वा विवाय ह्यू र व प्या । रमा:रेमा:क्षुव:पदे:क्षुः;₹त्य:ब्राःथ्वतःव। । इस.सट.सिस्य.सदु.विट.क्र्य.सु.र्जेय.सम्री ळेंना:क्रुव:रेना:पंदे:नावश:प्य:प्यन्:व:प्यन्।। ક્<u>ર</u>ી:બે:દ્રવવ:વર્કેંદ્ર:ક્રુફ,ર્સેંગ:વર્કેદ્રગ:વ:રેદ્રા | ेर्चन:<u>न</u>्दःर्गे.श.क्षेत्रःश्लूशःस्त्राःसःमुरी । न्वेश नर्डें व बुद प्रचेष र्धेव नुव र्वे र अर्के न परे। वह्रात्रीटको पी कुत्र क दट में पीता । *ঊবা:ঊবাঝ:শ্বম:গ্রী:মঘন:গ্রুব:শ্ব:গ্রুই:উন:*। ळेंगाः अराखुगाः कुराळाः नुः अप्यश्वरायम्। र्वे क्षु:श्रून:प्रह्स:प्र्य:वन:वेंश:प्रवट:प्रदे| | र्त्ते. योश्वर देवीयः यद्वः सूर रे रे त्र्रा स्था

तुराक्ष्रदेखिनाःळ।

र्चेट्र मुन्ना इन्स्याम्बर्गा स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्त्री स्थान्

द्र्य श्रूर

र्चन्यायम् । स्वेत्राच्या प्रतिस्ति । स्वित्र्या स्वित्र्या स्वित्र्या स्वित्र्या स्वित्र्या स्वित्र्या । स्वित्र्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत्र्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत्र्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्र्या स्वत्या स्वत

षट्या वह्यान्त्रुट्यायद्वित्यक्केन्द्रवटास्त्रितःस्त्रुत्यान्त्र्यस्त्रान्द्रितःस्त्रुत्यस्या

बि.क्रेब्-क्यार्क्षवःश्चीःश्च्रुवःस्वाःन्येन्-त्येह्न्-स्व्यःन्यान्-स्वेतःश्च्रुवःस्य श्च्रुवःस्वाःन्येन्-त्येह्न्-श्चिवायः-वश्चेत्यया व्याःन्यानःश्चृत्यःश्चृतेःश्च्रुवःस्वाःन्येन्-त्येह्न्-त्युन्यः-स्वेतःश्च्रुवः त्याःन्यानःश्चृत्यःश्चृतेःश्चृत्ययः-त्येन्-त्येह्न्-त्युन्यः-स्वेतःश्च्रुवः-स्वाः-त्येन्-त्येहः-स्वाः-स्वेतः-

न्ययः श्रुम्भः स्रावितः केतः नियः कुमः र्ह्वे के भः स्रकेवा गीः श्रुदः म्याः न्ये मः वर्हे नः याश्वमः सुः नृष्टी शः स्रवे स्याः स्री

यारशः तुः श्रुवा पार्विदः ग्री यारशः देवे 'द्रवः द्वे वे देवे 'द्रे 'वर्विदा

र्न्त्रान्त्रते हित्र इस्रान्य हेत्यते स्थ्री न्त्रत्य हित्र हेस्रान्य हेत्य प्रान्त हेत्य स्थाप्त हेत्य स्थाप स्वान्त्रते हित्र इस्रान्य हेत्य स्थाप्त होत्य स्थाप्त हित्र हित्र हित्र हित्य स्थाप्त होत्य स्थाप्त स्थाप्त स

स्वायन् केत् नश्रूत् नः स्ता कुशः ग्रीः विषः ग्रीः स्वेतः न्या स्ति स्ति स्ति स्वेतः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्

न्दर्भश्या श्री निष्या निष्या

८८:श्रेम्। लुचा.चायचार्यास्त्रा প্র্যান্ত্রিমমান্ত্রানা ब्री-र्जूबा-दक्र-तर्बूर-श श्रैज.प्रक्रूचा.रचादा প্র-দ্বান্য यारशः तुः श्रुयाः यार्वेदा ८८:श्रेरा म्बर्-रवा-र्वयः र्वयः ह्वा सर्वरःश्चित्रःग दनदःर्रेअःअविदःग्विदःसदःकुःअर्हे। বি'বদ্বাশক্তি'খন वार्स् देवा य के देर वश्रस वश्रम गर्शे रेग'रा म्वर हे न्या বি.খবু.শ্বশ্ব্য १०१८वेंदे हुं।१र्मेर-न्यर बेरश-न्र में न्यर दर्जेन्यःगृहुगुर्श्वानःसम् 13997462333 वर्षेत् स्रतः अरः ग्रन्थ। 2227659296

गान्त्रेरामी कुवाद्धरात्रराचित